ISSN 2349-6614

दिसम्बर 2024 मूल्य 50 रु

प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

प्रेम, दया, करुणा, क्षमा, भ्रातृत्व
व समता के आलोक पर्व

क्रिसमस

की हार्दिक बधाई

BADALA CLASSES
A new era for professionals
BADALA CLASSES
No.1 Institute in Commerce Education
बड़ाला क्लासेज़ बना देश का सिरमौर
YEAR 2024 में STATE TOPPER हर COURSE में
CA INTER
CA FOUND.
AIR 4
Jahanvi Mehta
AIR 5
Hatim Ali Mehmuda
AIR 20
Tushika Maheshwari
361 MARKS
Parnil Khamesra
CA FOUND. DEC. 23
351 MARKS
Chhavi Kalra
CA FOUND. DEC. 23
AIR 21
Tithi Bohra
AIR 41
Tabassum Nath
AIR 43
Daksh Lodha
341 MARKS
SHLOK GARG
CA FOUND. JUNE 23
CS EXEC. 2024
CSEET 2024
12th CBSE 24
AIR 2
ARYA AGRAWAL
AIR 10
PARUL JAIN
185 MARKS
JAI KUMAR BOHARA
99.4%
NILAY DANGI
CA
CS
BCIP [JUNIOR COLLEGE]
XI/XII [CBSE/RBSE]
BADALA CLASSES
badalaclassescacs@gmail.com
Badalaclasses
Contact : 9413495256, 9602609338, 9460253289
Study Centre: Khalsa School Premises, Guru Ramdas Colony, Udaipur (Raj.)

दिसम्बर 2024 वर्ष: 22 अंक: 08

प्रत्यूष

मूल्य 50 रू
वार्षिक 600 रू

'प्रत्यूष' के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत्-शत् नमन चरणों में पुष्प समर्पण

प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी

सम्पादक रेणु शर्मा

विपणन प्रबंधक नितेश कुमार, नंदकिशोर मदन, भूमिका, उषा चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

सलाहकार मण्डल
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डांगी
कुलदीप इंदौरा, कृष्णकुमार हरितवाल
धीरज गुर्जर, अभय जैन
लालसिंह झाला, ओम शर्मा
अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमंत भागवानी, डॉ. राव कल्याणसिंह
अशोक तम्बोली, सुंदरदेवी सालवी

चीफ रिपोर्टर : उमेश शर्मा

जिला संवाददाता
बांसवाड़ा - अनुराग चेलावत
चित्तौड़गढ़ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राज
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय सिंह
मोहसिन खान

प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

प्रत्यूष
हिन्दी मासिक पत्रिका
प्रकाशक - संस्थापक :
Pankaj Kumar Sharrma
''रक्षाबंधन'', धानमण्डी, उदयपुर-313 001

क्रिसमस की हार्दिक शुभकामनाएं

अंदर के पृष्ठों पर...

सतर्कता

जनता रहे सतर्क, सख्त बने कानून
पेज 08

संघर्ष

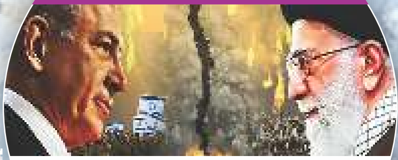

बदले के बारूद की सुलगती चिंगारी
पेज 12

स्मृति शेष

जिनकी आवाज में हीर का दिल और रांझा की रूह थी
पेज 20

मंथन

गीता: सनातन अध्यात्म का सर्वकालिक संदेश
पेज 30

वास्तु विज्ञान

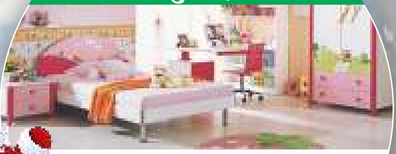

वास्तु असंतुलन से बच्चों में भटकाव
पेज 36

कार्यालय पता : 2, 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष एवं फैक्स: 0294-2427703 वाट्सएप 9414077697
मोबाइल : 94141-57703(विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992(समाचार-आलेख), 98290-42499(वाट्सएप), 94141-66737
Email:pankajkumarsharma2013@gmail.com, Visit us at: www.pratyushpatrika.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोराइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. एम.आई.ए., उदयपुर से मुद्रित तथा 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी उदयपुर से प्रकाशित।

St. Anthony's Sr. Sec. School

Affiliated to CBSE, New Delhi

Wishing you all a

Merry Christmas

&

A Happy Peaceful & Prosperous New Year 2025

478/479, Sector-4, Hiran Magri, Udaipur
School Ext. Goverdhan Vilas, Udaipur

44 वर्षों की विश्वसनीयता

SINCE 1980

GATTANI HOSPITAL
multispeciality health care

बिलासी देवी **गट्टानी हॉस्पिटल**

गट्टानी हॉस्पिटल, उदयपुर को पाइल्स इलाज में No. 1 बनाने हेतु सभी प्रदेशवासियों का हार्दिक आभार

लाखों लाभान्वित मरीज

पाइल्स चिकित्सा अब नये अत्याधुनिक "लेज़र" द्वारा

ADVANCED PHOTONICCS LASER

अनुभवी टीम एवं उत्कृष्ट निर्देशन

लेज़र के फायदे – • कम रक्तस्त्राव • कम दर्द • जल्द रिकवरी • बिना चीरफाड़

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें - 9214460061

कैशलेस एवं इंश्योरेंस 9783093333

रियायती परामर्श एवं ऑपरेशन 9783093333

25,000 सफल ऑपरेशन का अनुभव

गुणवत्ता प्रमाणित

GATTANI HOSPITALS
(A UNIT OF BILASI DEVI GATTANI HOSPITAL)
Regd Office : Bilasi Devi Gattani Hospital 462- A Bhupalpura, Near Shastri Circle, Udaipur - 313001, India

एक बार फिर ट्रम्प 'मिस्टर प्रेसिडेंट'

राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर बाजी अपने नाम कर ली है। वे 20 जनवरी को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे। सर्वेक्षणों में नतीजे डेमोक्रेटिक उम्मीदवार और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के पक्ष में जाते दिख रहे थे। मगर मतदान के अन्तिम चरण में कांटे की टक्कर हुई। ट्रंप को उन सात राज्यों में भी बढ़त हासिल हुई, जो पलटी मारने वाले राज्य यानी 'स्विंग स्टेट' माने जाते हैं। हालांकि ये नतीजे हैरान करने वाले नहीं हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी उसी वक्त कमजोर पड़ने लगी थी, जब ट्रंप के आक्रामक चुनाव प्रचार के सामने राष्ट्रपति जो बाइडेन अपनी अस्वस्थता के चलते शिथिल नजर आने लगे थे। उसके बाद कमला हैरिस को उम्मीदवार घोषित करना पड़ा।

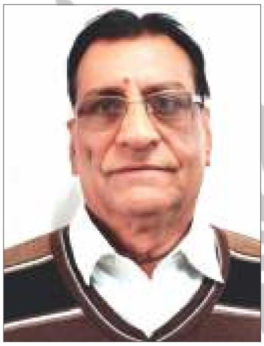

ट्रंप एक मजबूत नेता की अपनी छवि उभारने, अमेरिका के साथ दुनिया की समस्याओं के समाधान में सक्षम साबित होने का संदेश देने के साथ यह भरोसा दिलाने में भी कामयाब रहे कि वह महंगाई से जूझती अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने का माद्दा रखते हैं। रिपब्लिकन पार्टी का अमेरिकी संसद के दोनों सदनों में बहुमत है। इसलिए ट्रंप मनमाफिक खुलकर काम करेंगे, उनका राष्ट्रपति बनना भारतीय हित में माना जा रहा है और इसके पीछे कुछ ठोस कारण हैं। पिछले कार्यकाल में वह भारत के मित्र के रूप में उभरे थे, लेकिन इस सच्चाई को भी दरकिनार नहीं कर सकते कि वह भारत की उच्च आयात शुल्क दर की शिकायत करते रहे हैं। उन्हें यह भी रास नहीं आ रहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार का पलड़ा भारत के पक्ष में झुका है। भारत को व्यापार नीति के साथ एच-वन बी वीजा पर उनके रवैये से भी सतर्क रहना होगा। इसमें कोई शक नहीं कि कमला हैरिस ने डोनाल्ड ट्रंप को कड़ी टक्कर दी और महिला मतदाताओं को लुभाने में कामयाब भी रहीं। मगर ट्रंप ने कमजोर अर्थव्यवस्था, महंगाई और अवैध प्रवासियों के मुद्दे पर बाइडेन सरकार पर निशाना साधा, और उसका असर वहां के मतदाताओं पर पड़ा। हालांकि इन मसलों पर ट्रंप ने अपने पिछले कार्यकाल में भी बहुत आक्रामक ढंग से काम किया था। उसी का प्रभाव था कि इस बार के चुनाव प्रचार में वहां के एलन मस्क जैसे कई बड़े उद्योगपति भी उनके पाले में खड़े नजर आए।

कमला हैरिस पर निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन की विरासत भारी पड़ी। यदि बाइडन कमजोर राष्ट्रपति साबित नहीं हुए होते और उन्होंने अर्थव्यवस्था को संभालने के साथ वैश्विक समस्याओं और विशेष रूप से यूक्रेन एवं गाजा युद्ध में निर्णायक भूमिका निभाई होती तो शायद कमला हैरिस की राह आसान होती। कमला को इसका भी नुकसान उठाना पड़ा कि डेमोक्रेटिक पार्टी ने शरणार्थियों और अवैध रूप से आए लोगों के प्रति उदार रवैया अपना रखा था। भारत एवं अफ्रीकी मूल की महिला होने के नाते वह महिलाओं और साथ ही विदेशी मूल के नागरिकों को उतना आकर्षित नहीं कर पाई जितना मानकर चला जा रहा था। उनका रूख बहुत सख्त माना जा रहा था। इस वक्त दुनिया में जिस तरह के समीकरण हैं, उसमें वैश्विक दक्षिण की अहमियत बढ़ी है। भारत के साथ अमेरिका के रिश्तों में कोई तनाव नहीं है, मगर चीन और रूस के साथ अमेरिकी रिश्ते तल्ख होंगे तो भारत के साथ भी समीकरण गड़बड़ होने का खतरा बन सकता है। सबसे अहम बात कि अगर ट्रंप आव्रजन नीति में बदलाव करते हैं, तो वहां रह रहे भारतीय नागरिकों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। फिर, दुनिया में बढ़ रहे जलवायु संकट को लेकर ट्रंप संजीदा नहीं रहे हैं। पिछले कार्यकाल में ट्रंप के काम करने के तरीके पर लगातार सवाल उठते रहे। अगर इस बार भी उनका वही रुख रहेगा, तो उनका विवादों से बाहर निकलना मुश्किल होगा। उन्होंने जिस तरह से अपनी केबिनेट में विशेषज्ञों की नियुक्ति का क्रम आरंभ किया है, उससे लगता है कि इस बार वे कुछ यादगार पदचिह्न बनाने की कोशिश में हैं।

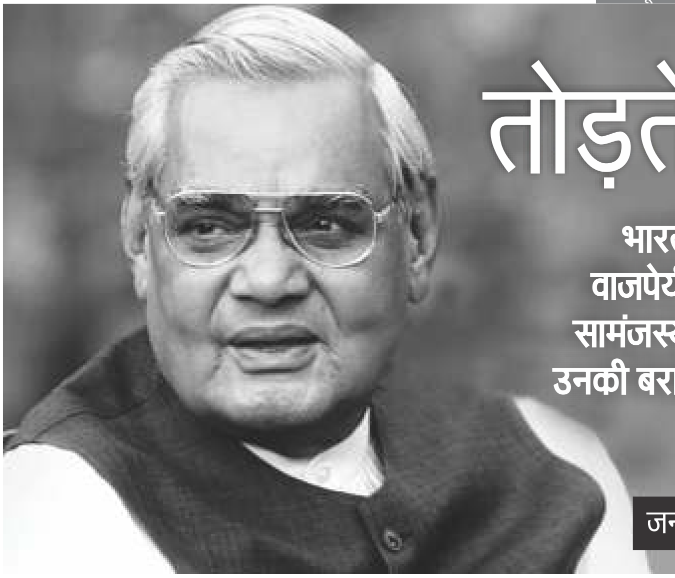

तोड़ते रहे तंग दायरे

भारतीय राजनीति के शिखर पुरुष अटल बिहारी वाजपेयी में यह योग्यता थी कि वह विरोधाभासों में भी सामंजस्य बिठा लेते थे। इस मामले में गिने-चुने लोग ही उनकी बराबरी कर सकते हैं। उनकी जन्मशती पर प्रस्तुत है *एन.के. सिंह* का विशेष आलेख

जन्म 25 दिसम्बर 1924 मृत्यु 16 अगस्त 2018

अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्रित्व काल में एक सचिव के तौर पर मुझे उनके साथ काम करने का सौभाग्य मिला था। वैसे 1984 में जब वह जापान के दौरे पर थे, तब मैं भी वहीं पर था। उस समय भी उनके साथ मुझे वक्त बिताने का अवसर मिला। अटलजी के व्यक्तित्व की कुछ ऐसी खूबियां थी, जो उन्हें अपने समकालीन राजनेताओं की भीड़ से अलग करती थीं। सबसे बड़ी विशेषता तो यही थी कि उन्हें दलगत वैचारिकी के किसी संकीर्ण खांचे में फिट नहीं किया जा सकता था। उनके पास एक राष्ट्रीय नजरिया था और उन्होंने वैश्विक अर्थव्यवस्था से भारत को जोड़ने की जरूरत को बखूबी समझा।

जब उनके एक सचिव के तौर पर मुझे नियुक्त किया गया, तब उन्होंने काफी लचीला रुख अपनाते हुए तमाम आर्थिक विभाग मुझे सौंप दिए थे। अटलजी एक दूरदर्शी राजनेता थे, इसीलिए उन्होंने आर्थिक सलाहकार परिषद और व्यापार व उद्योग परिषद के गठन की जरूरत समझी। उनके दिमाग में यह विचार आया कि एक ऐसी छोटी संस्था होनी चाहिए, जहां ड्राइंग रूम जैसे माहौल में प्रधानमंत्री अपने विचार साझा कर सकें। व्यापार व उद्योग परिषद के लिए उनके दिमाग में रतन टाटा, मुकेश अंबानी जैसे चर्चित नाम पहले से थे। पूरब से मैंने उन्हें आरपी गोयनका का नाम सुझाया। लेकिन ब्रजेश मिश्र (वाजपेयी के प्रधान सचिव) ने कहा कि गोयनका तो सोनिया (गांधी) का पोस्टर छापने में व्यस्त हैं।

सोनिया गांधी तब कांग्रेस की अध्यक्ष थीं। अटलजी ने फौरन जवाब दिया, काम के आदमी हैं कि नहीं? अगर हैं तो फिर उन्हें आप अवश्य रखें।

अटलजी ने जिन क्षेत्रों पर खास फोकस किया, उनमें से एक टेलीकॉम क्षेत्र भी था। उन्हें विरासत में एक ऐसी स्थिति मिली थी, जिसमें टेलीकॉम लाइसेंस की मांग करने वाली तमाम निजी कंपनियां राजस्व उगाही के लक्ष्य के तौर पर अवास्तविक राशियां काट कर रही थीं। बैंकों का डूब कर्ज (एनपीए) एक बड़ा संकट था। अदालतें उन्हें तलाश रही थीं। उन दिनों जगमोहन टेलीकॉम मंत्री हुआ करते थे। प्रधानमंत्री वाजपेयी काफी चिंतित थे। उन्होंने एक दिन पूछा- हमें क्या करना चाहिए? मैंने उनसे कहा कि जगमोहन गारंटी को भुनाना चाहते हैं, लेकिन टेलीकॉम क्षेत्र के लिए इसे लेकर वास्तविक आर्थिक चिंताएं हैं। इस पर वाजपेयी जी ने कहा कि फिर हम यह क्यों कर रहे हैं? इस मामले को फौरन सुलझाया जाए। जगमोहन को इस मामले से अलग कर दिया गया। सोली सोराबजी को जिम्मेदारी सौंपी गई। सुप्रीम कोर्ट को इस मामले में भरोसा दिया गया। हमने राजस्व साझीदारी का नया मॉडल तैयार किया और टेलीकॉम क्षेत्र में फिर से अपनी बादशाहत कायम की।

एक बार हम न्यूयार्क के दौरे पर थे। तय कार्यक्रम के मुताबिक, प्रधानमंत्री को अगले दिन कारोबारियों और उद्यमियों से मिलना था। वाजपेयीजी ने हमसे कहा कि कुछ नई बात होनी चाहिए। ब्रजेश मिश्र और मैंने कहा कि हमें टेलीकॉम क्षेत्र को नियंत्रण मुक्त करना चाहिए और इंडस्ट्री को इसकी लागत व फायदे आंकने का मौका देना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें इस दिशा में आगे कदम बढ़ाना चाहिए।

गठबंधन के दलों और साथियों के साथ अटलजी का व्यवहार काफी विलक्षण था। एक बार उन्होंने मुझे कहा कि चंद्रबाबू नायडू ने कभी कुछ नहीं मांगा, किसी मंत्रालय की मांग नहीं की, फिर भी वह हमारा समर्थन करते रहे हैं। वह जो कुछ भी चाहते हैं, उन्हें आप दीजिए। उनको मेरे पास आने की जरूरत नहीं पड़नी चाहिए। हमने उनकी समस्याएं दूर की।

बेहद मुश्किल और तनाव भरे पलों में भी अटल बिहारी वाजपेयी का एक चुटकुला, एक मजाकिया वाक्य पूरे माहौल को बदलने के लिए काफी होता था। आर्थिक सुधारों को रफ्तार देने के लिए उन्हें काफी आंतरिक प्रतिरोध का सामना करना पड़ा, फिर भी उन्होंने निरंतर बदलाव, सुधार, उत्पादकता और उदारीकरण का समर्थन किया। एक बार उनके आर्थिक फैसलों को लेकर पार्टी के भीतर और बाहर बढ़ती आलोचनाओं को देखते हुए मैंने उनसे पूछा कि मंत्रिमंडल के कुछ साथी ही इन फैसलों के खिलाफ दिख रहे हैं, क्या हमें नीतियों में कुछ संशोधन करने की जरूरत है? वाजपेयी का जवाब था, आप अपना काम कीजिए। मेरी राय में नीतियां सही हैं। मैं अपना काम करूंगा। जो कि विरोधी लोगों से निपटने का है। आर्थिक सुधारों को विस्तार देना और भारत को नेतृत्व की हैसियत में पहुंचाना हमेशा ही उनका मकसद था।

विदेश नीति के मोर्चे पर उनके प्रयासों ने देश की सरहद के बाहर उनकी साख व लोकप्रियता को विस्तार दिया था। खासकर अमेरिका से मित्रता की उनकी कोशिशों और पाकिस्तान यात्रा ने दुनियाभर में उनकी अच्छी मंशा को पहुंचाया। अटलजी के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहे ब्रजेश मिश्र ने भी उन्हें कई जटिल फैसले लेने में मदद की थी। जसवंतसिंह और स्ट्रोब टालबोट्ट वार्ता को वाजपेयी जी ने अपने मौन सहमति दी थी और इसी बातचीत ने पोकरण परीक्षण के बाद से तनावपूर्ण आ रहे दोनों देशों के रिश्तों को एक नई दिशा दी और यह संबंध दोनों मुल्कों के बीच स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप में तब्दील हुआ। अटल बिहारी वाजपेयी में यह योग्यता थी, उनकी साख ऐसी थी और उनका कद ऐसा था कि वह विरोधाभासों में सामंजस्य बिठा लेते थे। इस मामले में गिने-चुने लोग ही उनकी बराबरी कर सकते हैं।

(लेखक पूर्व केन्द्रीय सचिव एवं सांसद रहे हैं)

दो कविताएं

अटल बिहारी वाजपेयी

गीत नया गाता हूं

टूटे हुए तारों से
फूटे बासंती स्वर
पत्थर की छाती में
उग आया नव अंकुर
झरे सब पीले पात कोयल
की कुहुंक रात
प्राची में अरुणिम की रेख
देख पाता हूं
गीत नया गाता हूं।
टूटे हुए सपनों की
कौन सुने सिसकी
अंतर की चीर व्यथा पलकों
पर ठिठकी
हार नहीं मानूंगा,
रार नहीं ठानूंगा,
काल के कपाल पे लिखता-
मिटाता हूं
गीत नया गाता हूं

मौत से ठन गई

ठन गई
मौत से ठन गई
जूझने का मेरा
इरादा न था,
मोड़ पर मिलेंगे
इसको वादा न था,
रास्ता रोक कर
वहां खड़ी हो गई,
यों लगा जिंदगी
से बड़ी हो गई
मौत की उमर क्या है?
दो पल भी नहीं,
जिंदगी सिलसिला,
आजकल की नहीं
मैं जी भर जिया,
मैं मन से मरूं,
लौटकर आऊंगा,
कूच से क्यों डरूं?

Sadhana Mahatma
Director
+91 97993 94391

Wonder View Palace

6, Panch Dewari Marg, Hanuman Ghat
O/s. Chandpole, Udaipur - 313001 (Raj.) India

+91 294 2432494/317

info@wonderviewpalace.com www.wonderviewpalace.com

साइबर अपराध

जनता रहे सतर्क, सख्त बने कानून

डिजीटल अरेस्ट की खबरें प्रिंट और इलेक्ट्रोनिक मीडिया में आए दिन सुर्खियां बन रही हैं। देश भर से साइबर ठगी की घटनाएं सामने आ रही हैं। इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री ने भी 'मन की बात' प्रसारण में चिंता जताई है।

अमित शर्मा

देशभर में साइबर ठगी की घटनाएं लगातार सामने आ रही है, इसके कारण भय का वातावरण बन गया है। इसमें पुलिस या जांच एजेंसी के फर्जी अधिकारी बनकर आम लोगों को ठगा जाता है। यह इतना बड़ा मुद्दा बन गया है कि खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी अपने मन की बात कार्यक्रम में इस पर चिंता व्यक्त की है। जैसे-जैसे सूचना क्रांति जनजीवन को सरल बनाने में आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे इसका दुष्प्रभाव भी समाज के सम्मुख उजागर होने लगा है। पहले सोशल मीडिया का इस्तेमाल करके किसी को ब्लैकमेल किया जाता था, लेकिन अब उसे डिजिटल अरेस्ट के नाम पर इतना डरा दिया जाता है कि वह व्यक्ति सदमे में चला जाता है। दरअसल साइबर अपराधी पीड़ितों को मनोवैज्ञानिक ढंग से इस प्रकार भयभीत कर देते हैं कि उससे बाहर निकलना लोगों के लिए आसान नहीं होता। ऐसे में जरूरी है कि साइबर अपराधियों को उन्हीं की भाषा में जवाब दिया जाए। डिजिटल अरेस्ट जैसी घटनाओं से निपटने के लिए विशेष कानून की जरूरत है। हमें बुनियादी ढांचे पर भी मेहनत करनी होगी, ताकि कानूनी छिद्रों का कोई लाभ न उठा सके। तभी हम अपराधियों से निपट सकेंगे, अन्यथा वे हमारी जमा पूंजी यूं ही भय दिखाकर लूटकर ले जाएंगे। आम आदमी के लिए जितना जरूरी सजग रहना है, उतना ही जरूरी कानूनी कवच धारण करना भी है। हमें अनजान लोगों से धन संबंधी कोई भी जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए, लेकिन हमारे पास ऐसा कानूनी हथियार भी होना चाहिए कि हम उसकी सहायता से खुद को और बेहतर तरीके से बचा सकें।

भारतीय साइबर अपराध को-ऑर्डिनेशन सेंटर की स्थापना भी की गई है, जो तमाम जांच एजेंसियों के साथ तालमेल बिठाकर सभी फर्जी वीडियो कॉलिंग आईडी समेत लाखों सिमकार्ड, मोबाइल नंबर और बैंक खातों को ब्लॉक करने का काम कर रहा है। आज किशोर से लेकर वृद्ध तक डिजिटल सेवाओं का आनंद ले रहा है। हर कोई मोबाइल फोन से जुड़ा है। यहां तक कि घर के अंदर भी लोगों में आपसी संवाद कम होते हैं और वे मोबाइल पर अधिक देर तक चिपके रहते हैं। चूंकि अब लोग अपनी गोपनीय जानकारी भी फोन में ही रखने लगे हैं, इसलिए साइबर अपराधियों का काम आसान हो गया है और वे लोगों को डर दिखाकर कहीं भी लूट लेने में सक्षम होने लगे हैं। इसके हैकरों को भी प्रोत्साहित किया है और वे अब कहीं अधिक लोगों के फोन हैक करने लगे हैं।

इन मामलों में कानून उतना कारगर साबित नहीं हो सकता, जितना लोगों की जागरूकता। बार-बार अभियान चलाकर लोगों को बताया भी जा रहा है कि आरबीआई या अन्य कोई वित्तीय संस्थान बैंक खाते की कोई गोपनीय जानकारी या ओटीपी आदि नहीं मांगते, मगर लोग इस पर

ध्यान नहीं देते और ओटीपी साइबर अपराधियों के हवाले कर देते हैं। चूंकि ऐसे मामलों में अपराधियों का कोई चेहरा नहीं होता और न ही कोई भौतिक ढांचा, इसलिए कानून के हाथ बहुत हद तक बंधे रहते हैं। लिहाजा, लोग यदि गंभीरता का परिचय देंगे और ऐसे फोन कॉल पर जवाब देना बंद कर देंगे, तो साइबर अपराध काफी हद तक रूक सकते हैं। प्रधानमंत्री ने समाज को इसके प्रति जागरूक रवैया अपनाने के साथ-साथ सुरक्षा के तीन चरण भी बताए हैं, जो ये तीन चरण है- रूको, सोचो और एक्शन लो। जो लोग इस सबसे अवगत हैं, वे यह भी जानते हैं कि इनसे कैसे बचा जा सकता है और ऐसे लोग हादसों से बचने भी लगे हैं। मगर दिक्कत उन लोगों के साथ है, जो ऐसे जागरूक प्रयासों पर ध्यान नहीं देते। साहबर अपराधी उन्हीं लोगों को निशाने पर लेते हैं। सरकार की तरफ से अब ऐसे अभियान भी चलाए जाने चाहिए कि नासमझ लोग भी ऐसे अपराधियों से बचने के तरीके सीख सकें।

घर में सावधान

आमतौर पर घर के कामकाज के लिए कर्मचारी रखे जाते हैं। बुजुर्ग घर में अकेले रहते हैं। इसका अंदाजा कर्मचारियों को बिल्कुल न होने दें। अगर बच्चे बाहर रहते हैं तो उन्हें इसके बारे में जानकारी न देते हुए यह कहें कि घर के करीब ही रहें। किसी भी कर्मचारी को रखने से पहले उसका पहचान पत्र, मौजूदा घर का पता, फोटो व संबंधित दो लोगों के फोन नंबर जरूर लें।

सब पर भरोसा न करें

अनजान व्यक्ति को घर के अंदर न बुलाएं। दरवाजे के बाहर से बात करें। पड़ोसियों को अच्छी तरह जांच परखकर ही उन पर भरोसा करें। अगर शाम सात बजे के बाद अखबार या दूध वाला बिल लेने आता है तो उसे दिन में आने के लिए ही कहें।

फ्रॉड कॉल्स से बचें

इनाम खुलने, केवायसी, सिम नेटवर्क या किसी सेवा के बहाने से धोखाधड़ी हो सकती है। अगर उन्हें ऐसे कॉल्स आते हैं तो आईडी नंबर या ओटीपी बिल्कुल साझा न करें। अगर सिम का नेटवर्क चला जाता है तो यह सिम स्वैपिंग हो सकता है। इसमें हैकर्स ट्रिक से सिम का कंट्रोल हासिल कर लेते हैं। ऐसे में बुजुर्ग बच्चों की मदद लें या बैंक व टेलीकॉम ऑपरेटर से सम्पर्क करें। फर्जी कॉल आने पर मोबाइल बंद न करें। इससे समस्या बढ़ सकती हैं।

बैंक से जुड़ी सजगता

बैंक के नाम से कई जाली कॉल्स और मैसेज आते हैं। उन्हें इसके बारे में बताएं कि ऐसे कॉल्स आने पर न किसी आईडी की जानकारी देनी है और न ही ओटीपी बताना है। बैंक के नाम से आने वाले लिंक पर भी क्लिक नहीं करना है। कोई भी बैंक फोन पर अपने ग्राहक से जानकारी नहीं मांगता। बैंक सीधा ब्रांच में आने के लिए कहना है। ऐसे कॉल्स या मैसेज से घबराएं नहीं।

बुजुर्गों को बताएं कि यदि उनका एटीएम कार्ड काम नहीं कर रहा है और कोई अनजान व्यक्ति पैसे निकालने में उनकी मदद के लिए कहता है तो वो साफ इनकार कर दें। ये धोखाधड़ी की साजिश हो सकती है, जिसमें व्यक्ति उनके कार्ड का पिन जानकर कार्ड बदल सकता है। इसी तरह उन्हें सुनसान रास्ते में मौजूद एटीएम जाने से बचने की सलाह दें। सिर्फ उसी एटीएम के इस्तेमाल की सलाह दें जो बैंक शाखा में या उसमें लगे हैं।

प्रतीक सिन्हा

Sidharth Chatur
CMD
98290-41166

Shreyans Chatur
Director
98299-60010

COMFORT
TRAVELS & TOURS

One Stop Shop For:

- Air Tickets ■ Holiday Packages ■ Hotel Bookings
- Visa Services ■ Car Rentals ■ Royal Weddings
- Conferences ■ Meetings

IATA
TAFI TRAVEL AGENTS FEDERATION OF INDIA
TAAI
UFTAA

Head Office
104, " AKRUTI", 4-New Fatehpura, Opp. Saheliyon Ki Badi, Udaipur 313 004
Tel.: +91-294-2411661-62-63, +91-9829594662 Fax: +91-294-2422131
E-mail: itkt@comforttours.com packages.udr@comforttours.com

Palace Office
Tel.: +91-294-2421771, +91-9829794669
E-mail: operations@comforttours.com

Airport
Tel.: +91-294-2655115, +91-9829794668
E-mail: airport@comforttours.com

डेंगू के डंक से डरा हुआ हर घर

योगेश कुमार गोयल

भारत में डेंगू के कारण प्रतिवर्ष सैकड़ों लोगों की मौत हो जाती है। दरअसल, डेंगू भी अन्य घातक बीमारियों की तरह ऐसी गंभीर बीमारी है, जिसके जोखिम को नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है। पिछले साल स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की रपट में बताया गया था कि देश में डेंगू के हर दिन औसतन छह सौ से अधिक मामले सामने आए थे और सभी राज्यों में कुल मामलों की संख्या करीब ढाई लाख थी, लेकिन डेंगू के मामले सभी राज्यों में इस साल रेकॉर्ड तोड़ रहे हैं। देशभर में प्रतिदिन डेंगू के एक हजार से अधिक मामले सामने आ रहे हैं।

दुनिया के कई देशों के लिए डेंगू का प्रकोप चिंता का बड़ा कारण बन रहा है। हाल ही में सामने आई विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रपट के मुताबिक डेंगू पूरी दुनिया में कहर बनकर टूट रहा है। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष अभी तक डेंगू के दोगुने मामले सामने आ चुके हैं। 2023 में डेंगू के 65 लाख मामले सामने आए थे, जबकि इस वर्ष अब तक 1.27 करोड़ से अधिक मामले आ चुके हैं। भारत में भी डेंगू का संक्रमण तेजी से फैल रहा है। डेंगू से इसी वर्ष अभी तक विश्वभर में 8700 से अधिक मौतें हो चुकी हैं। डब्ल्यूएचओ का मानना है कि दुनियाभर में करीब चार अरब लोगों पर डेंगू का कखतरा है। यानी, दुनिया की आधी से ज्यादा आबादी इसकी चपेट में आ सकती है और डेंगू और संबंधित विषाणु का खतरा 2050 तक पांच अरब तक बढ़ जाएगा। अफ्रीका, अमेरिका और दक्षिण पूर्व एशिया सहित सौ से ज्यादा देश डेंगू से गंभीर रूप से प्रभावित है। डेंगू अब यूरोप, पूर्व भूमध्यसागरीय तथा अमरीका के नए क्षेत्रों में भी पांव पसारने लगा है।

शहरी और अर्द्धशहरी क्षेत्रों में यह बुखार ज्यादा लोगों को संक्रमित करता है। ब्राजील में इस साल 95 लाख से भी ज्यादा मामले सामने आए हैं। भारत में प्रतिदिन डेंगू के एक हजार से अधिक मामले सामने आ रहे हैं। भारत में 1996 में डेंगू के पहले बड़े प्रकोप के बाद इसका असर 1300 फीसद से ज्यादा बढ़ा है।

यह उन घातक बीमारियों में से एक है, जिसका अगर समय पर उपचार न हो तो जानलेवा हो सकता है। मानसून के साथ डेंगू और चिकनगुनिया फैलाने वाले मच्छरों के पनपने का मौसम शुरू होता है, इसीलिए डेंगू के बढ़ने खतरों को देखते हुए लोगों में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से ही व्यापक जागरूकता अभियान चलाना बेहद जरूरी है। डेंगू फैलाने वाले मच्छर ज्यादा तापमान में जीवित रह सकते हैं और थोड़ी मात्रा में जमा पानी में भी प्रजनन कर सकते हैं। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि डेंगू महामारी फैलने के बढ़ते खतरे के लिए कई कारक जिम्मेदार हैं, जिनमें सबसे बड़ा कारण एडीज एजिप्टी और एडीज एल्बोपिक्टस मच्छर का बदला स्वरूप है। एंटीबायोटिक के अत्यधिक सेवन से मच्छरों ने भी खुद को दवाइयों के अनुकूल बना लिया है, जिससे मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक पिछले साल अल नीनो घटना और जलवायु परिवर्तन से बढ़ते तापमान तथा अधिक बारिश से इन मच्छरों की तादाद बढ़ रही है। पिछले वर्ष भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) बेंगलूरु के वैज्ञानिकों ने एक अध्ययन में पाया था कि पिछले कुछ दशक में भारत में डेंगू विषाणु का नाटकीय रूप में उभरे हुआ है और देश में पाए जाने वाले इसके विभिन्न स्वरूपों के प्रसार को रोकने के लिए टीके विकसित किए जाने की आवश्यकता है।

एडीज मच्छर के काटने पर विषाणु संक्रमण श्वेत रक्त कोशिकाओं पर धावा बोलते हैं, जिससे डेंगू पीड़ित व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है। प्लेटलेट्स कम होने पर शरीर के अंदरूनी हिस्सों में रक्तस्राव का खतरा बढ़ जाता है। इलाज सही मिले तो स्थिति जल्द नियंत्रित हो सकती है। नहीं तो ऐसी स्थिति में रोगी की प्लेटलेट्स बेहद कम हो जाती है। उसका रक्तचाप तेजी से नीचे गिरता है और शरीर के अंदरूनी अंग कार्य करना बंद कर देते हैं, जिससे रोगी की मृत्यु हो सकती है। डेंगू के प्रमुख लक्षणों में लगातार तेज बुखार रहने के साथ-साथ सिरदर्द, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द जैसे लक्षण देखे जाते हैं। इसके अलावा बुखार के साथ नाक बहना, खांसी, आंखों के पीछे दर्द, त्वचा पर हल्के चकत्ते, भूख कम होना और कमजोरी जैसे लक्षण भी देखे जाते हं और कुछ लोगों में लाल और सफेद निशानों के साथ पेट खराब होने, जी मिचलाने और उल्टी जैसे लक्षण भी सामने आते हैं। डेंगू के इलाज के लिए कोई दवा, एंटीबायोटिक या टीक उपलब्ध नहीं है। इसीलिए इसका इलाज इसके लक्षणों के आधार पर ही किया जाता है। डेंगू से बचाव के लिए स्वच्छता और सजगता जरूरी है। डेंगू से बचे रहना ही सर्वोत्तम उपाय है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि डेंगू अब इतना खतरनाक हो गया है कि कुछ मामलों में यह पीड़ित को इतनी बुरी तरह चपेट में लेता है कि शरीर के अधिकांश अंग कार्य करना बंद कर देते हैं और उसकी मौत हो जाती है। डेंगू के कुछ ऐसे मरीज भी सामने आते हैं, जिनमें डेंगू के साथ मलेरिया के भी लक्षण होते हैं। अगर डेंगू और मलेरिया एक साथ हो जाए, तो मरीज के फेफड़े, गुर्दे और मस्तिष्क को भी नुकसान पहुंचने की संभावना रहती है। इन दोनों बीमारियों का एक साथ होना कुछ मामलों में प्राणघातक हो सकता है। अध्ययनकर्ताओं के अनुसार एक सप्ताह के अंदर ही डेंगू का प्रभाव गुर्दे, लीवर और आंतों तक पहुंच जाता है और शरीर के अंग कार्य करना बंद कर देते हैं। दरअसल, अब डेंगू के कई ऐसे रोगी भी अस्पताल पहुंचते हैं, जिनमें बुखार और सिदर्द जैसे लक्षण नहीं होते हैं, उनमे केवल शारीरिक कमजोरी तथा प्लेटलेट्स कम होने के लक्षण ही देखे जाते हैं। केवल थकान और कमजोरी की शिकायत करने वाले ऐसे मरीजों में डेंगू की पहचान करना मुश्किल होता है।

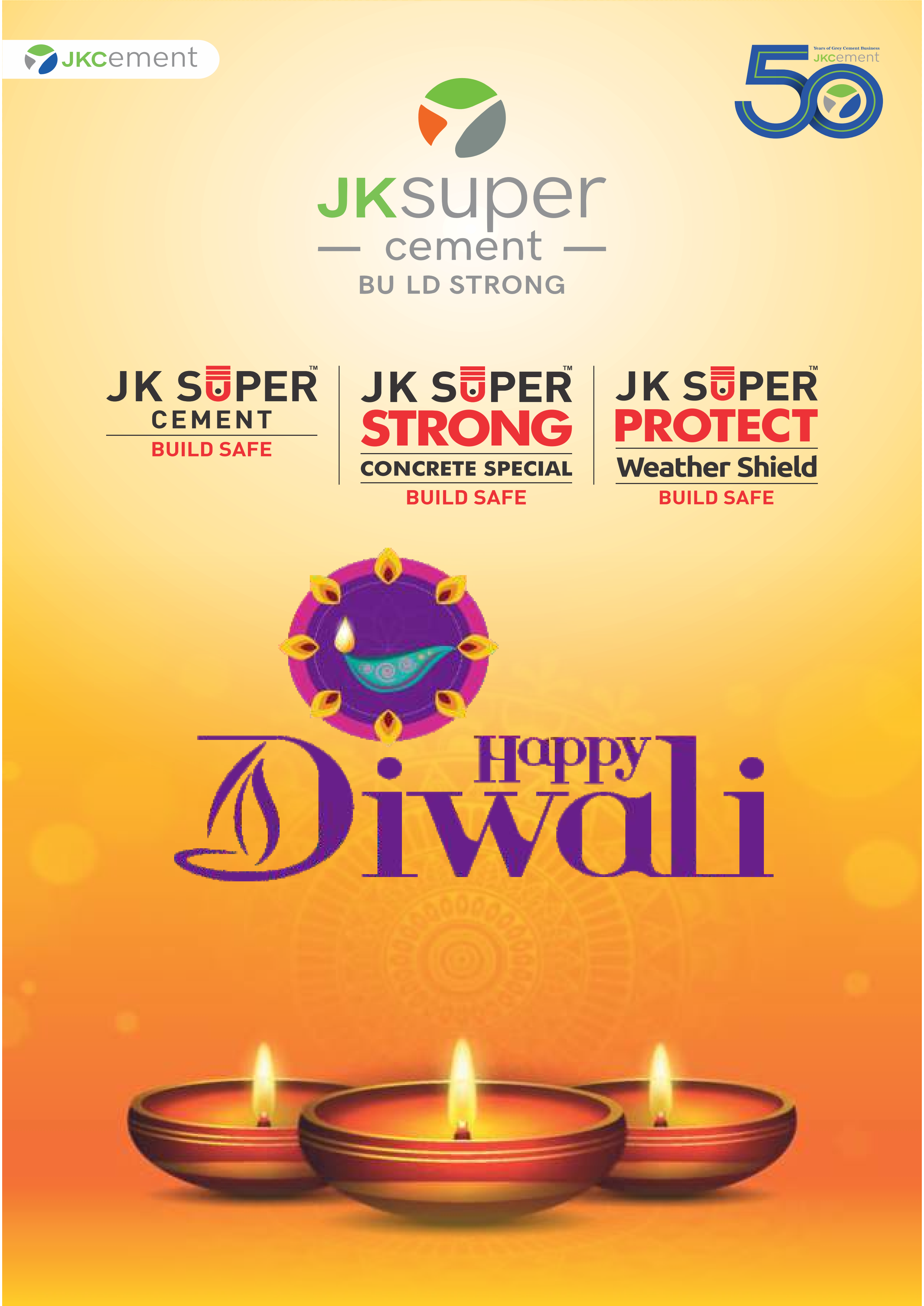
JKcement
Years of Grey Cement Business
JKcement
JKsuper
cement
BU LD STRONG
JK SUPER™
CEMENT
BUILD SAFE
JK SUPER™
STRONG
CONCRETE SPECIAL
BUILD SAFE
JK SUPER™
PROTECT
Weather Shield
BUILD SAFE
Happy
Diwali

राजवीर

ईरान की ओर से इजराइल पर मिसाइलों से किए गए हमले के बाद दक्षिण-पश्चिम एशिया के इन देशों के बीच संघर्ष और तेज होने की आशंका है। इजराइल अमेरिका से कूटनीतिक स्तर पर सलाह-मशविरा कर रहा है। हमला कब और कहां करना है, इसकी गुपचुप तरीके से रणनीति तैयार की जा रही है। दूसरी ओर, ईरान भी पूरी तरह से सतर्क है और उसने चेतावनी दी है कि अगर इजराइल ने हमला किया तो इसका अंजाम बेहद खतरनाक होगा। इससे साफ है कि दोनों देशों के बीच बदले की चिंगारी सुलग रही है, जो कभी भी बारूद के अंगारों में तब्दील हो सकती है।

ईरान ने पहले भी बनाया था इजराइल को निशाना

ईरान का यह अक्टूबर में पहला हमला ही नही था, उसने अप्रैल में भी इजराइल पर बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों से हमला किया था। हालांकि, तब इजराइल ने महज औपचारिकता स्वरूप इसका जवाब दिया था। मगर, इस बार ईरान के मिसाइल हमले से दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। ईरान के हमले के बाद इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि ईरान ने एक बड़ी गलती की है और उसे इसकी कीमत चुकानी होगी। उनके इस बयान के बाद नवम्बर के दूसरे हफ्ते में इजराइल ने गाजा पट्टी में जबर्दस्त बमबारी की।

ईरान के उग्र तेवर

दरअसल, गत जुलाई में तेहरान में हमास की राजनीतिक शाखा के प्रमुख इस्माइल हनिया की हत्या हो गई थी। ईरान का दावा है कि इसके पीछे इजराइल का हाथ था। हालांकि इस हत्या के फौरन बाद ईरान ने इजराइल के खिलाफ कोई आक्रामक कदम नहीं उठाया था। उसके बाद 27 सितंबर को लेबनान में इजराइल के हमले में हिजबुल्लाह के प्रमुख हसन नसरल्लाह की मौत हो गई थी। ये दोनों ही नेता ईरान समर्थक माने जाते थे। माना जाता है कि उनकी हत्या के बाद ईरान पर अपने ही देश में इसका जवाब देने का दबाव था। इसी के चलते ईरान ने इजराइल पर मिसाइलों की बौछार कर दी।

दुनिया पर असर

ईरान और इजराइल के बीच बढ़ता तनाव अगर युद्ध की शक्ल लेता है तो इसका असर दुनिया के बाकी देशों पर भी पड़ेगा। सबसे ज्यादा असर कच्चे तेल के बाजार पर पड़ने की आशंका है। दोनों देशों के बीच संघर्ष से दुनिया भर में तेल की कीमत काफी बढ़ सकती है। यह आशंका अमेरिकी के निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन के बयान के बाद ज्यादा बढ़ गई है। बाइडन ने हाल में कहा है कि ईरान के तेल ठिकानों को इजराइल निशाना बना सकता है और अमेरिका समेत पश्चिमी देशों में इसको लेकर चर्चा की जा रही है। बाइडन के इस बयान के बाद कच्चे तेल की कीमत पांच फीसद तक बढ़ गई है।

तेल बाजार में ईरान की अहमियत

ईरान दुनिया में तेल का सातवां सबसे बड़ा उत्पादक देश है। यह अपने तेल उत्पादन का करीब आधा निर्यात करता है, इसके प्रमुख बाजारों में चीन शामिल है। हालांकि, चीन में तेल की कम मांग और सऊदी अरब से तेल की पर्याप्त सप्लाई ने इस साल तेल की कीमतों को बढ़ने से काफी हद तक रोके रखा है। दुनिया का चौथा सबसे बड़ा तेल भंडार ईरान के पास है। ईरान प्रतिदिन लगभग 30 लाख बैरल तेल का उत्पादन करता है। ये कुल वैश्विक उत्पादन का लगभग तीन फीसदी है। रक्षा विश्लेषक राहुल बेदी के अनुसार, इजराइल के लिए ईरान के तेल कुओं और ठिकानों पर हमला करता है तो जाहिर तौर पर इसका असर दुनिया भर के तेल बाजार पर पड़ेगा। आर्थिक पाबंदियों की वजह से चीन इस वक्त ईरान से सबसे ज्यादा तेल खरीदता है, जबकि भारत फिलहाल रूस से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल खरीद रहा है, लेकिन ईरान से तेल नहीं मिलने पर चीन में अन्य देशों से इसकी मांग बढ़ेगी। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प के राष्ट्रपति निर्वाचित होने से इजरायल का हौसला निश्चित रूप से बढ़ा है और यदि ईरान अब आक्रामक रूख अपनाता है तो ट्रम्प की शह पर इजरायल भी पूरी ताकत से उसे नुकसान पहुंचाएगा। जिसका असर दुनिया के अन्य देशों पर पड़े बिना रहेगा नहीं।

यूं बने दोस्त से दुश्मन

वर्ष 1979 की ईरानी क्रांति से पहले जब मध्य पूर्व के अधिकांश अरब देशों का इजराइल से मतभेद था और उसकी संप्रभुता को स्वीकार करने से इनकार कर रहे थे, तब ईरान के शाह ने फलिस्तीनी क्षेत्रों में बसने वाले इजराइलियों का समर्थन किया। ईरान ने 1950 में इजराइल को एक संप्रभु राज्य के रूप में मान्यता दी। हालांकि, 1950 के दशक की शुरूआत में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध धीमे पड़ने लगे। वर्ष 1979 में आयतुल्लाह अली खामेनेई ईरान के प्रमुख बन गए। उन्होंने देश में इस्लामी गणतंत्र लागू किया और इज़राइल के साथ संबंध तोड़ लिए। ईरान ने इजराइल के नागरिकों क पासपोर्ट की वैधता को मान्यता देना बंद कर दिया और तेहरान में इजराइली दूतावास को अपने कब्जे में लेकर फलस्तीन लिबरेशन आर्गनाइजेशन (पीएलओ) को सौंप दिया।

Jaideep Shikshan Sansthan

Modern Complex, Bhuwana, Udaipur
Providing Inclusive Education since 1985
Tel No. 9460028679, 7891445401 | Email: jaideepschool85@gmail.com

Jaideep Senior Secondary School, Modern Complex, Bhuwana

Jaideep Public School, Modern Complex, Bhuwana

The Kids Paradise, Modern Complex, Bhuwana

Jaideep Upper Primary School, Chitrakoot Nagar, Bhuwana

Jaideep Middle School, Dagliyo Ki Magri, Bhuwana

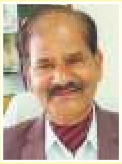
Dr. Devendra Kumawat Director

Mrs. Madhu Kumawat Asst. Director

Er. Vivek Kumawat Technical Director

Er. Niharika Kumawat Administrator

English & Hindi Medium
100% Board Results | Well Equipped Labs | Smart Classrooms |
CCTV covered campus | Sports Club | Lush Green Campus | Transportation Facilities

शराब से हर साल जा रहीं 26 लाख जानें

विश्व स्वास्थ्य संगठन की नई रपट 'ग्लोबल स्टेटस रपट ऑन ऐल्काहील एंड हेल्थ एंड ट्रीटमेंट आफ सब्सटेंस यूज डिसआर्डर' में कहा गया है कि जहां 20 लाख पुरुषों की मौत के लिए शराब जिम्मेवार रही, वहीं नशीली दवाएं सालाना चार लाख पुरुषों की जिंदगियां लील रही हैं।

शराब का सेवन हर साल 26 लाख से ज्यादा लोगों की मौत का कारण बन रहा है। यह दुनिया भर में हो रही कुल मौतों का 4.7 फीसद है। मतलब कि हर 20 में से एक मौत के लिए शराब जिम्मेवार है।

वहीं नशीली दवाओं और ड्रग्स से होने वाली मौतों को भी इसमें जोड़ दें तो यह आंकड़ा बढ़कर 30 लाख से ज्यादा है। मरने वालों में पुरुषों का आंकड़ा कहीं ज्यादा रहा। आंकड़ों के मुताबिक, जहां 20 लाख पुरुषों की मौत के लिए शराब जिम्मेवार रही, वहीं नशीली दवाएं सालाना चार लाख पुरुषों की जिंदगियां लील रही हैं। देखा जाए तो दुनिया भर में शराब की कुल खपत के तीन-चौथाई हिस्से के लिए पुरुष जिम्मेवार हैं। वहीं दूसरी ओर महिलाओं में शराब को बढ़ावा देने के लिए इसे सशक्तीकरण व समानता के रूप में प्रदर्शित किया जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) द्वारा जारी नई रपट 'ग्लोबल स्टेटस रपट न ऐल्काहील एंड हेल्थ एंड ट्रीटमेंट आफ सब्सटेंस यूज डिसआर्डर' में इस बात की भी पुष्टि हुई है कि 2019 में शराब की वजह से होने वाली 26 लाख मौतों में से 16 लाख गैर-संचारी रोगों जैसे कैंसर (4,01,000) और दिल की बीमारियों (4,74,000) की वजह से हुई। वहीं 7,24,000 मौतों के लिए दुर्घटनाएं, जबकि तीन लाख मौतों की वजह संक्रामक बीमारियां रही। रपट के मुताबिक शराब और नशीली दवाओं के सबसे ज्यादा शिकार 20 से 39 साल के युवा बन रहे हैं। शराब के 13 फीसद शिकार इसी आयु वर्ग के लोग थे। इनमें से अधिकांश मौतें पुरुषों में दर्ज की गई। यूरोप और अफ्रीकी क्षेत्रों में सबसे ज्यादा मौतें दर्ज की गई हैं। शराब के सेवन से कई तरह की समस्याएं होती हैं, जिनमें लीवर से जुड़ी बीमारियों से लेकर कैंसर तक शामिल हैं।

गौरतलब है कि जहां यूरोप में प्रति लाख लोगों पर शराब की वजह से होने वाली मौतों का आंकड़ा 52.9 दर्ज किया गया। वहीं अफ्रीका में भी प्रति लाख में से 52.2 लोगों की मौत की वजह शराब रही। स्वास्थ्य संगठन ने इस बात की भी पुष्टि की है कि कमजोर देशों में इससे जुड़ी मृत्यु दर सबसे अधिक है, वहीं उच्च आय वाले देशों में यह दर सबसे कम रही। दुनिया में करीब 40 करोड़ लोग यानी सात फीसद आबादी शराब और नशीली दवाओं के सेवन से होने वाले विकारों से पीड़ित हैं।

हालांकि इनमें से आधे से ज्यादा (20.9 करोड़) लोग शराब के कारण इन विकारों से जूझ रहे हैं। रपट में इस बात पर भी प्रकाश डाला है कि शराब का सेवन करने से लोग टीबी, एचआइवी और निमोनिया जैसी संक्रामक बीमारियों के प्रति कहीं ज्यादा संवेदनशील हो जाते हैं। डब्लूएचओ ने इस बात की भी पुष्टि की है कि हाल के वर्षों में मृत्यु दर में कुछ कमी जरूर आई है, लेकिन यह अभी भी 'अस्वीकार्य रूप से उच्च' बनी हुई है। यदि 2010 से 2019 के आंकड़ों पर गौर करें तो इस दौरान दुनिया भर में प्रति लाख लोगों पर शराब से होने वाली मौतों में 20.2 फीसदी की गिरावट आई है। हालांकि प्रति व्यक्ति शराब की खपत को देखें तो यह यूरोप और अमेरिकी देशों में सबसे ज्यादा है। ***(एजेंसी)***

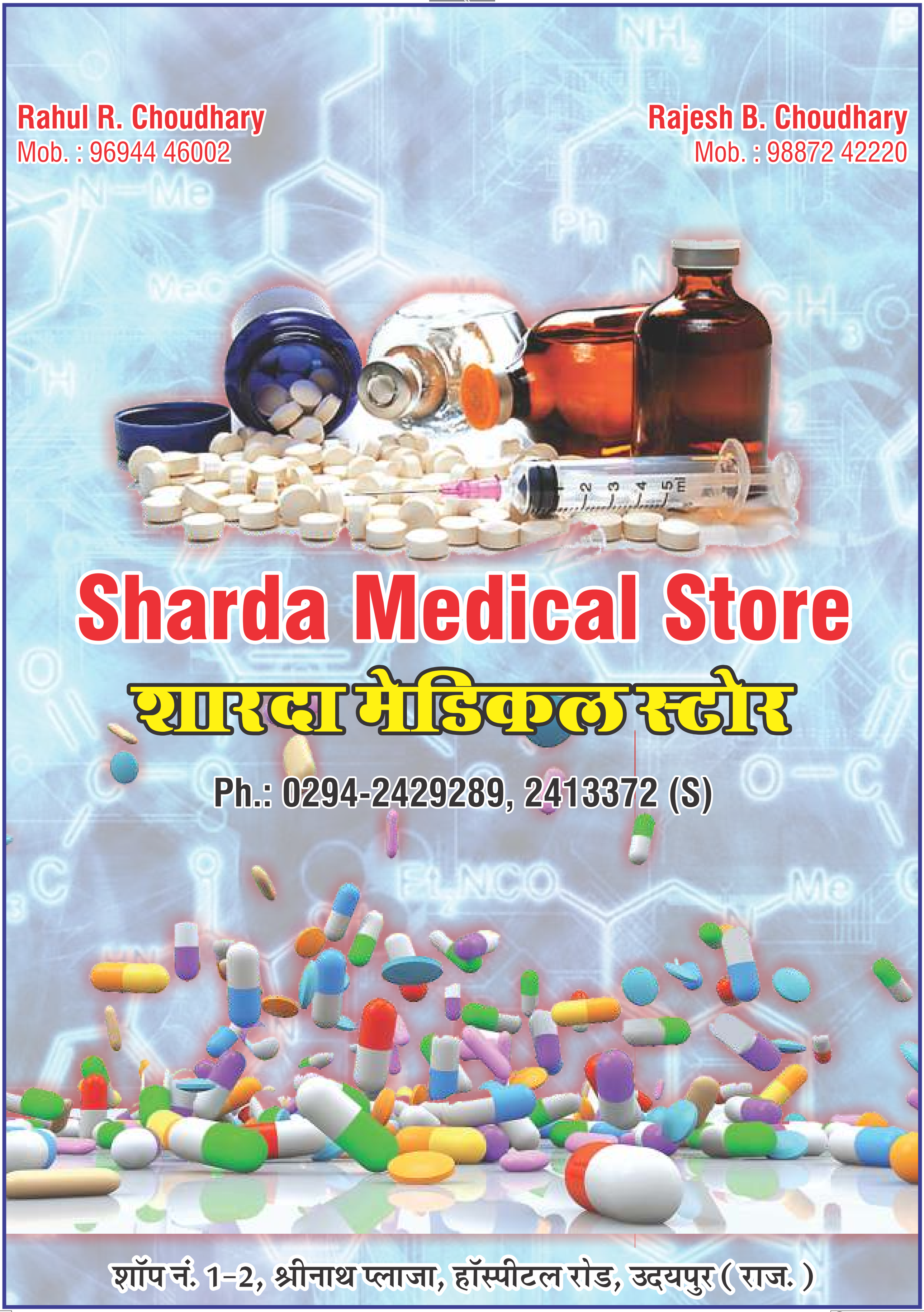
Rahul R. Choudhary
Mob. : 96944 46002
Rajesh B. Choudhary
Mob. : 98872 42220
Sharda Medical Store
शारदा मेडिकल स्टोर
Ph.: 0294-2429289, 2413372 (S)
शॉप नं. 1-2, श्रीनाथ प्लाजा, हॉस्पीटल रोड, उदयपुर (राज.)

त्वचा का विकार एक्जिमा का आधार

डॉ. सुनील शर्मा

एक्जिमा ऐसा विकार है कि जो अपनी प्रकृति में खुजलाहट की ही श्रेणी में है, मगर असर में ज्यादा जटिल है। जीवनशैली या खानपान की वजह से आज यह रोग आम हो चुका है। यह रोग वंशानुगत रूप से भी होता है।

लक्षणों का आधार

इस रोग में शरीर के प्रभावित हिस्से में तेज खुजली होती है और त्वचा पर लाल चकत्ते और छोटी-छोटी फुंसियां उभर आती हैं। उसके बीच में जगह-जगह सफेद प्लेक भी बनने लगता है। इसके ज्यादा गहरा जाने पर खुजली करने की वजह से वहां से खून और पानी का मवाद भी निकलता है।

पीड़ा की वजह

एक्जिमा को लेकर बहुत सारे अध्ययन हुए हैं, मगर अब तक इसका कोई सटीक कारण नहीं स्पष्ट हो सका है। माना जाता है कि खानपान में कुछ विरुद्ध आहार के सेवन से लेकर वातावरण या पर्यावरण के प्रभावों से लेकर आनुवंशिक श्रृंखला भी इसके कारणों में मुख्य हैं। ऐसे उदाहरण आम हैं जिनमें अगर परिवार में पहले की पीढ़ी में किसी को एक्जिमा की बीमारी रही है, तो वह बाद की पीढ़ियों को भी प्रभावित करती है। इसके अलावा, जीवाणुओं का संक्रमण भी इसका एक कारण होता है, जिनमें स्टेफिलोकोकस आरियस नामक जीवाणु मुख्य भूमिका निभाता है।

इसके अलावा, अगर कोई व्यक्ति किसी खास चीज, मसलन डैंड्रफ, सीलन, परागकण, घरेलू जानवरों या फिर धूल-मिट्टी के संपर्क में आता है तो उसे भी किसी रूप में यह चर्मरोग जकड़ ले सकता है। साथ ही ठंडे और गर्म तापमान में जाने की आवृति, नमी से लैस और आर्द्र वातावरण का संपर्क भी एक्जिमा को अपने पांव पसरने में मददगार बन सकता है। साथ ही साबुन और डिटर्जेंट भी चर्मरोग का वाहक है। तनाव और महिलाओं में हारमोन में उतार-चढ़ाव की वजह से भी एक्जिमा के लक्षण तेज हो जाते हैं।

राहत की राह

शरीर में एक्जिमा वाले स्थान पर नारियल का तेल लगाया जा सकता है। इससे राहत मिलती है। इसी तरह, नारियल तेल में कच्चे कपूर को अच्छी प्रकार मिलाकर प्रभावित स्थान पर लगाने से भी काफी राहत मिलती है। खुजली वाले प्रभावित स्थान पर शहद लगा कर आधे घंटे तक छोड़ दिया जाए और आधे घंटे बाद पानी से धो लिया जाए, तो काफी राहत मिल सकती है। ताजा एलोवेरा के पत्तों का पेस्ट निकाल कर प्रभावित स्थान पर लगा कर तीन घंटे तक छोड़ देना भी एक उपाय है। इसी तरह हल्दी में जीवाणुरोधी गुण होते हैं और इसे दूध या गुलाब जल मिला कर प्रभावित स्थान पर लगाने से फायदा हो सकता है। अलसी के बीजों को पीस नींबू का रस मिला कर एक्जिमा वाले स्थान पर लगाने और पंद्रह-बीस मिनट छोड़ देना भी एक रास्ता है। इसके समांतर संतुलित भोजन करना, सामान्य ठंडे पानी से नहाना, सूती कपड़ा पहनना, त्वचा पर कठोर साबुन या रसायनयुक्त चीजें नहीं लगाना। तनाव भी एक्जिमा का एक बड़ा कारण है। तमाम उपायों से अगर राहत मिलती न दिखे तो चर्म रोग विशेषण से संपर्क करना चाहिए।

(यह आलेख सिर्फ सामान्य जानकारी और जागरूकता के लिए है। उपचार या स्वास्थ्य संबंधी सलाह के लिए विशेषज्ञ की मदद लें।)

अक्रोध से क्रोध को जीतें, दुष्ट को भलाई से जीतें, कृपण को दान से जीतें, झूठ बोलने वाले को सत्य से जीतें।
-धम्मपद

प्रत्यूष
प्रत्यूष पत्रिका में विज्ञापन देने के लिए सम्पर्क करें
75979 11992, 94140 77697

हार्दिक श्रद्धांजलि

हमारे पूजनीय

सेठ साहब श्रीमान अम्बालाल जी गामड़िया

सुपुत्र स्व. श्रीमान केशूलाल जी गामड़िया

बेदला विराजे श्री 1008 सुमतिनाथ भगवान के अखंड सेवक छठी पीढ़ी
के निधन पर अश्रुपूरित श्रद्धांजलि।

श्रद्धावनत

श्रीमती मोहनबाई *(धर्मपत्नी)*, ***सावित्री बहन जी*** *(भाभी)*, ***सुभाष–नीलम, ओम–समता*** *(पुत्र–पुत्रवधु)*,
प्रेम–भगवतीलाल जी थाया, रत्ना–विमल जी डाटा, स्वर्गीय स्नेहलता–रविन्द्रजी लोलावत,
किरण–दिनेश जी नाथूत *(पुत्री–दामाद)*, ***खुशबू, इशिता, नंदिनी*** *(पौत्री)*, ***आदित्य, कार्तिक*** *(पौत्र)*, ***अनुपमा,***
दीपाली–विरलजी, अंकिता–धीरजी, दीक्षा–गौरवजी, कृति–रजत जी, आशिता *(दोहित्री–दामादजी)*,
अंकुर–सर्वज्ञा, प्रांजल–शेफाली, प्रियंक–सानिया, अर्चित *(दोहिता–दोहितावधु)*, ***निमाय, प्रांश, सिद्धार्थ, दक्षार्थ,***
तत्व, टीशा, मिशीका, यतीशा, ईविका *(पड़दोहित्र–दोहित्री)*, ***बसंत कुमार (सेवादार)***

एवं समस्त गामड़िया परिवार

फर्म

श्री ओम मार्बल आर्ट्स, सुखेर
गज आर्ट्स, भुवाणा

पीएचडी न होने का सुख

डॉ. श्याम मनोहर व्यास

एक दिन मेरे एक मित्र कहने लगे- 'भाई ! आपकी लेखनी का तो मैं लोहा मानता हूं पर यदि आप किसी विषय में पी एच. डी. कर लेते तो अच्छा होता।

मैंने कहा :- 'महाशय, आपकी बात सिर आँखों पर। लेकिन'

आप यह बताइए कि पी एच.डी. से क्या मिलेगा ? सुर्खाब सा कौनसा पर लग जाएगा ? क्या पीएच.डी. के बिना साहित्य व समाज की सेवा नहीं हो सकती ? वैसे उन सज्जन का कहना ठीक भी था क्योंकि सच पूछा जाए जिस प्रकार टीचर बनने के लिए बी.एड. प्रशिक्षण होना आवश्यक है वैसे ही कॉलेज में प्राध्यापकी के लिए पीएच.डी. आवश्यक है। आज कल तो पीएच.डी. का भी कोई खास महत्व नहीं रह गया है। एक समय था, जब काफी अनुसंधान कर किसी विषय में शोधार्थी पीएच.डी प्राप्त करते थे। आज यह बात नहीं। जिस विषय पर शोधार्थी शोध करना चाहता है उस विषय पर छपी 15-20 पुस्तकों से सामग्री कॉपी पेस्ट कर कोई भी पीएच.डी. प्राप्त कर सकता है। कई बार शोधार्थी ऐसे विषय चुनते हैं जो खुद उनकी अथवा दूसरों की समझ के बाहर होते हैं। जैसे शीतकालीन काव्य में सौन्दर्यशास्त्र, छायावाद में प्रतिबिम्ब की धारणा इत्यादि।

जिन्होंने साहित्य में भौतिक व ठोस सृजन किया है वे कौन से पीएच.डी. थे। मुंशी प्रेमचंद, शरतचन्द्र, मौथिली शरण गुप्त, आचार्य चतुर सेन शास्त्री आदि लेखकों की शिक्षा सामान्य स्तर की ही थी। हाँ, उनकी साहित्यिक उपलब्धियों के कारण उन्हें पीएचडी से भी ज्यादा आदर-सम्मान मिला। कई विश्व विद्यालयों ने ऐसे ही समर्पित लेखकों मानद डाक्टरेट की उपाधि प्रदान कर अपने को जरूर गौरवान्वित किया।

अमर साहित्य सर्जक सूरदास व तुलसीदास कौन से शोधकर्ता थे। सुप्रसिद्ध उपन्यासकार गुरूदत्त ने 42 वर्ष की आयु में लिखना प्रारम्भ किया। वे एम.एससी भी गणित विषय में थे। कई महत्वाकांक्षी व्यक्तियों को अपने नाम के आगे डॉक्टर लगाने की लालसा काफी बलवती हो उठती है तो वे येन-केन प्रकारेण पीएच.डी. प्राप्त करने के लिए एड़ी से चोटी तक का जोर लगाते हैं। काफी धन राशि व्यय करते हैं तब जाकर डिग्री प्राप्त होती है। आज तो कई राजनेता व शिक्षाविद् नौकरियों के लिए उपाधि का महत्व ही नकार रहे हैं। तब पीएच.डी. का क्या अर्थ रह जाएगा। मेरे एक मित्र ने होम्योपैथी में निजी स्तर पर पढ़ाई कर डिग्री प्राप्त करली और नाम के आगे डाक्टर लगाकर आत्म मुग्ध हो गए। कभी-कभी नाम के आगे डाक्टर की पदवी लगाने का मोह व्यक्ति को परेशानी में भी डाल देता है।

मेरे पड़ोस में एक विश्व विद्यालय के प्राध्यापक जी रहते थे, वे पीएच.डी थे। उन्होंने अपने मकान के बाहर नेमप्लेट लगा रखी थी जिस पर लिखा था- डॉ.... शर्मा (पीएच.डी.)। मेरे गाँव का एक किसान अपनी बीमार भैंस को लेकर एक दिन उनके मकान के बाहर खड़ा था।

मैंने उसे देखा तो आने का कारण पूछा। उसने कहा :- 'बाबूजी, मेरी भैंस बीमार हो गई थी, उसे दिखाने में पशु चिकित्सालय जा रहा था। इस मकान के बाहर नेम प्लेट को पढ़ा तो यह सोच कर ठहर गया कि डॉक्टर को फीस देकर प्राईवेट रूप से दिखा देते हैं।'

'तुमने कैसे जाना कि यहाँ पशुओं का डॉक्टर रहता है ?' मैंने पूछा।

उसने उत्तर दिया :- 'वाह बाबूजी। क्या मैं इतना भी नहीं समझता, मैंने सांतवीं कक्षा तक शिक्षा पाई है। पीएच.डी. का अर्थ होता है-' 'पशु हेल्थ डॉक्टर।' यह सुन मैं हँस पड़ा। मैंने उसे 'पीएच.डी.' का वास्तविक अर्थ समझाया तब उसने अस्पताल की राह पकड़ी। मेरे एक मित्र ने काफी परिश्रम कर 'पीएच.डी.' प्राप्त की किन्तु उन्हें कॉलेज में प्राध्यापकी नहीं मिली। हताश होकर उन्हें तृतीय श्रेणी में शिक्षक बनना पड़ा, बी.एड. भी करना पड़ा। गाँव के लोग अपनी बीमारी के इलाज के लिए उनके पास आने लगे। परेशान होकर उन्होंने अपने नाम की प्लेट से डॉक्टर शब्द ही हटा दिया।

Raju Sarupria
Director
98280 44371
87692 04371
Sarupria's Caterers
SINCE 1989
Lavish Sarupria
Director
81077 99899
99834 38299
Sarupria Caterers
You Set the Mood,
We Cater the Food
Sarupria's
Sarupria's
SWEETS & MORE
A unit of Sarupria Caterers
CPS School Road, Opp. Vrindavan Garden,
New Bhupalpura, Udaipur
SARUPRIA'S EVENT PLANET

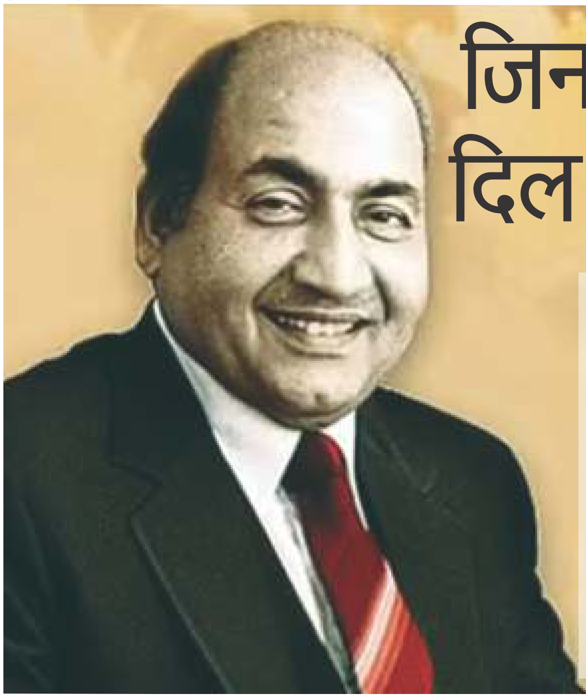

जिनकी आवाज में हीर का दिल और रांझा की रूह थी

फीकू के परिवार के पास खेती योग्य ज्यादा जमीन नहीं थी, उनका बड़ा परिवार लाहौर आ गया। फीकू अपने भाई के साथ एक सैलून में काम करने लगे। जितने चाव से बाल काटते थे, उतने ही लगाव से गीत भी गुनगुनाते थे। गंवई मिरासियों ने हीर-रांझा के प्रेम विरह को मानो फीकू के दिल और गले में बसा लिया था। बाद में इसी फीकू को आकाशवाणी ने मोहम्मद रफी के रूप में देश को गायकी का एक नायाब तोहफा दिया। 24 दिसम्बर को देशभर में उनकी जन्मशती पर आयोजन होंगे।

गौरव शर्मा

फीकू एक दिन ऐसे ही गा रहे थे और लाहौर आकाशवाणी के अधिकारी जीवनलाल मट्टू उधर से गुजर रहे थे। वह आवाज सुनकर ठिठक गए, शायद वारिस शाह के हीर की ही पंक्तियां थीं-मिलीं रांझे नूं हीर ते...। अद्‌भुत पुकारती जादुई आवाज। जीवनलाल गीत सुनते हुए उनके पास पहुंच गए। लड़का हजामत बनाते हुए क्या गजब गा रहा है। लफ्जों का पोर-पोर करीने से परोसते हुए आवाज में कैसे उतर रहा है और कैसे फिर चढ़ रहा है। ऐसे तो कोई नहीं गाता। जीवनलाल जी ने पूछ लिया, तुम्हारा नाम क्या है ? खुशनुमा चेहरे के साथ जवाब मिला, जी मुझे मोहम्मद रफी कहते हैं। कुछ और बातचीत हुई, तो जीवनलाल जी ने पूछा क्या रेडियो के लिए गाओगे ? मोहम्मद रफी ने जवाब दिया, जी मौका मिला तो जरूर गाऊंगा। जीवनलाल जी ने कहा, मैं आकाशवाणी में कार्यक्रम अधिकारी हूं, तुम कल आकाशवाणी दफ्तर आ जाओ, एक टेस्ट ले लेते हैं।

फिर क्या था, दूसरे ही दिन फीकू ने मोहम्मद रफी बनने की ओर कदम बढ़ा दिया। आकाशवाणी में पहली ही स्वर परीक्षा में परीक्षकों ने पास कर दिया। लाहौर आकाशवाणी का दफ्तर तब के जाने माने गायकों बेगम अख्तर, इनायत हुसैन का

पसंदीदा ठिकाना था। जीवनलाल मट्टू स्वयं बहुत उम्दा गायक थे, उन्होंने भी मोहम्मद रफी को सिखाया और दूसरे गुरुओं-उस्तादों के पास भी भेजा। राग पहाड़ी से भैरवी, बसंत, मल्हार तक रफी की आवाज संवर उठी। मार्च 1943 में रफी रेडियों के लिए गाने लगे और उनका गायन सुनकर ही उन्हें संगीत निर्देशक श्याम सुंदर ने पंजाबी फिल्म गुल बलोच में गाने का मौका दिया, सोनिए नी, हीरिए नी, तेरी याद ने सताया। इस गीत ने रफी के लिए मुंबई के दरवाजे खोल दिए। वह अगले साल मुंबई पहुंचे और 1945 में हिंदी फिल्मों में उनके गीतों का शानदार सफर शुरु हुआ। लाहौर में कमाई 25 रुपए थी, पर मुंबई में प्रति गीत 500 रुपए मिलने लगे। मुंबई स्थायी ठिकाना बन गया।

मोहम्मद रफी का जन्म 24 दिसम्बर 1924 को अमृतसर के पास गांव कोटला सुल्तान सिंह, हलका मजीठा में हुआ था। उनके पिता का नाम हाजी अली और माता का नाम अल्ला रक्खा था। रफी साहब ने दो शादियां की। पहली पत्नी का नाम बशीरा बीबी था, जो 1947 के विभाजन के दौरान पाकिस्तान चली गईं। फिर उन्होंने बिलकिस बानो से शादी की। रफी साहब को बचपन से ही गाने का शौक था। ऐसा कहा जाता है कि एक फकीर के गाने को सुनकर रफी साहब बहुत प्रभावित हुए। उनके शौक को देखते

हुए रफी साहब के बड़े भाई मोहम्मद दीन ने उन्हें संगीत सीखने के लिए उस्ताद अब्दुल वहीद खान के पास भेजा। मोहम्मद रफी की किस्मत ने तब करवट ली, जब एक दिन लाहौर के एक संगीत कार्यक्रम में तब के प्रसिद्ध पार्श्वगायक के.एल. सहगल ने लाइट चली जाने की वजह से गाने से मना कर दिया। कार्यक्रम देखने आए मोहम्मद रफी के भाई ने आयोजकों से रफी साहब को मौका देने का अनुरोध किया। उनकी सुरीली आवाज सुनकर पंडाल तालियों से गूंज उठा। संगीतकार श्याम सुंदर भी कार्यक्रम देखने आए थे। उन्होंने रफी की आवाज सुनी और उन्हें मुंबई आने का आमंत्रण दिया। 1941 में वह मुंबई चले गए, जहां संगीत निर्देशक श्याम सुंदर ने रफी साहब को अपनी पंजाबी फिल्म गुल बलोच में गाने मौका दिया।

इसके बाद संगीतकार श्याम सुंदर ने उनके गाने को अपनी हिंदी फिल्मी गांव की गौरी में शामिल किया और उसके बाद रफी बुलंदियों को छुत गए। रफी के सुपरहिट पंजाबी गानों में दाना पानी खिंच के लेआंदा, कौण किसे दो खांदा (गुड्डी), लग्गी वाले कदी ना सौदे (सस्सी पन्नू), सप दी तोर ना तुरीए नी कुड़िए (धन्ना जट्ट) और कई अन्य शामिल हैं।

हिंदी फिल्मी गीतों से वह न सिर्फ भारत बल्कि विदेशों में भी लोकप्रिय हो गए। उनके कुछ हिट गाने थे आज मौसम बड़ा बेईमान है (लोफर), पुकारता चला हूं मैं (मेरे सनम), तुमने मुझे देखा होकर मेहरबां (तीसरी मंजिल), तेरी गलियों में न रखेंगे कदम (हवस), लिखे जो खत तुझे (कन्यादान) आदि। 31 जुलाई 1980 की रात को दिल का दौरा पड़ने से मोहम्मद रफी का निधन हो गया। रफी साहब अनेक फिल्म पुरस्कार और 1965 में पद्मश्री मिला। उन्होंने हिंदी सहित विभिन्न भाषाओं में लगभग 26 हजार गाने गाए।

100 फीट ऊंची स्मृति मीनार

मोहम्मद रफी की जन्मशती के मौके पर पंजाब में उनके जन्म स्थान कोटला सुल्तान सिंह में 100 फीट ऊंची 'रफी मीनार' स्थापित की जाएगी। उनके सदाबहार गीत तुम मुझे यूं भुला न पाओगे की तर्ज पर द वर्ल्ड ऑफ मोहम्मद रफी वेलफेयर फाउंडेशन मुंबई, शणमुखानंद ललित कला और संगीत सभा ने उनके जन्मशती वर्ष को यादगार बनाने के लिए यह फैसला किया है। स्टील की रफी मीनार पर उनके 100 सदाबहार गीतों के बोल उकेरे जाएंगे। मीनार के ऊपर भारतीय ध्वज स्थापित किया जाएगा। फाउण्डेशन के संस्थापक एनआर वेंकटाचलम के अनुसार किसी गायक की याद में मीनार पहली बार स्थापित की जा रही है।

फेफड़ों की ताकत बढ़ाने से बनेगी बात

श्वसन संबंधी रोगों के बढ़ते मामले दुनियाभर में चिंता का विषय हैं। आलस भरी जीवनशैली, बढ़ता प्रदूषण और कोविड के बाद के प्रभाव का असर, फेफड़े लगातार निशाने पर हैं। विशेषज्ञों के अनुसार लंबे समय तक फेफड़ों का दम बना रहे, इसके लिए कई पहलुओं पर ध्यान देना होगा। क्या करें, बता रही हैं शमीम खान

फेफड़ों से जुड़ी समस्याएं विश्वभर में मृत्यु के दस प्रमुख कारणों में से एक है। उस पर हम फेफड़ों की सेहत पर उतना ध्यान नहीं देते, जितना देना चाहिए। विभिन्न अध्ययनों के मुताबिक, कोरोना से ठीक हो चुके लोगों के फेफड़ों पर अब तक प्रभाव देखने को मिल रहा है। कमजोर इम्युनिटी के कारण बार-बार संक्रमण की चपेट में आना भी फेफड़ों को जल्दी बूढ़ा बना रहा है। हमारे फेफड़े सांस के जरिये ऑक्सीजन लेते हैं और खून में मिलाते हैं। शरीर को जब पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिलती तो असर श्वसन तंत्र पर ही नहीं, सभी अंगों पर पड़ता है। फेफड़े शरीर से कार्बन डाईऑक्साइड बाहर करने में भी मदद करते हैं। प्रदूषण व धूम्रपान के कारण लंबे समय तक खांसी, दमा व सीओपीडी की समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं। हालांकि, फेफड़ों की देखभाल मुश्किल नहीं है।

कोविड का असर

कोविड ने यूरोपीय और चीन के लोगों की तुलना में भारतीयों के फेफड़ों को अधिक प्रभावित किया है। कोविड से ठीक हो चुके लोगों में भी फेफड़ों की कार्यप्रणाली बहुत अधिक प्रभावित हुई है।

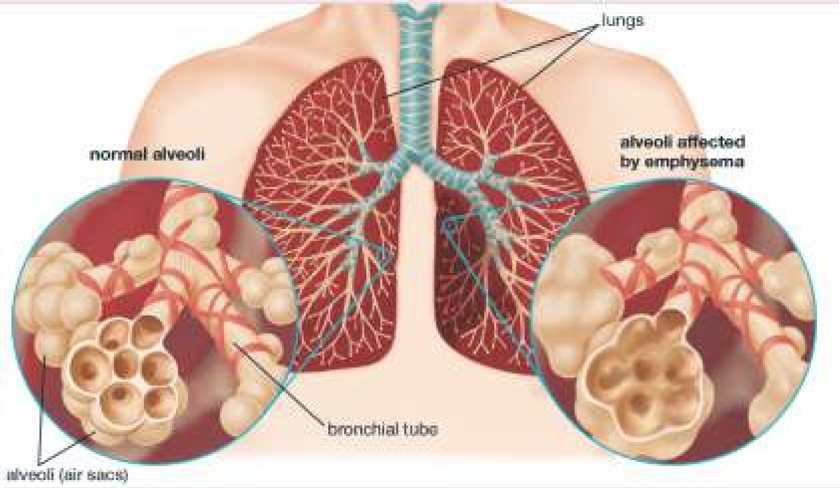

बढ़ रही है फेफड़ों संबंधी परेशानी

- थोड़ा-सा काम करने पर सांस लेने में परेशानी होना या सांस फूलना, विशेषकर शारीरिक गतिविधियां करते समय
- लगातार खांसी का बना रहना, गला खराब रहना
- छाती में दर्द व जकड़न महसूस करना
- थकान, पोस्ट कोविड लंग डैमेज का प्रमुख लक्षण है। थकान के कारण व्यायाम करने की क्षमता भी कम हो जाती है
- शारीरिक सक्रियता में कमी आना। थोड़ा-सा परिश्रम करने पर थकान या सांस फूलना
- फेफड़ों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने के कारण बार-बार संक्रमण होना।

फेफड़ों की क्षमता: हमारी लंग कैपिसिटी यानी फेफड़ों की क्षमता हवा की वो मात्रा होती है, जो हमारे फेफड़े रोक कर सकते हैं। उम्र बढ़ने के साथ फेफड़ों की क्षमता में कमी आने लगती है। यह शुरुआत 25 के बाद हो जाती है। उम्र के अलावा फेफड़ों से

जुड़ी समस्याएं जैसे दमा, सीओपीडी, प्रदूषण, शारीरिक सक्रियता की कमी भी फेफड़ों की क्षमता को कम कर देती है। फेफड़ों की क्षमता हर व्यक्ति की अलग होती है। वायु की अधिकतम मात्रा जो फेफड़े होल्ड कर सकते हैं, वह लगभग 6 लीटर होती है। फेफड़ों की क्षमता मापने के लिए जो टेस्ट किया जाता है उसे स्पाइरोमेट्री कहते हैं।

संतुलित भोजन जरूरी

- पोषक व संतुलित भोजन जरूरी है। एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर चीजें खाएं। विशेषज्ञों के अनुसार, ब्रोकली, फूलगोभी और पत्ता गोभी का अधिक सेवन फेफड़ों का कैंसर होने की आशंका 50 प्रतिशत तक कम करता है। ब्रिटेन में हुए एक शोध में सामने आया कि जो लोग हफ्ते में तीन बार टमाटर खाते हैं, उनके फेफड़ों की कार्यप्रणाली सुधर जाती है।
- नमक, कैफीन और एल्कोहल का सेवन कम करें। पानी के अलावा भी पर्याप्त तरल चीजें लें। इससे फेफड़ों की अंदरूनी पतली परत म्युकोसल लाइनिंग स्वस्थ रहती है।

इनकी अनदेखी न करें

- धूम्रपान न करें व धूम्रपान करने वालों से दूर रहें।
- घर के अंदर और बाहर प्रदूषण से बचें।
- पालतू जानवरों के फर के संपर्क से बचें।
- हमेशा खिड़कियां व दरवाजे बंद न रखें।
- वजन नियंत्रित रखें। सही पॉस्चर रखें।
- खुलकर हंसे, इससे बासी हवा बाहर निकलती है।
- रोजाना 30 मिनट व्यायाम, योगा या पैदल चलें। इसी तरह सप्ताह में पांच दिन
- कोई मनपसंद वर्कआउट जैसे चलना, दौड़ना, तैराकी व साइकिल चलाएं।

ये बातें डालती हैं बुरा असर

- धूम्रपान करना या धूम्रपान करने वालों के आसपास रहना
- प्रदूषित वायु में सांस लेना
- स्तन कैंसर के उपचार के लिए ली जाने वाली रेडिएशन थेरेपी
- कैंसर और अनियमित धड़कनों के उपचार के लिए जी जाने वाली दवाओं और एंटीबायोटिक्स का बुरा असर
- उम्र बढ़ने के साथ मांसपेशियों का कमजोर होना, इससे श्वास नलिका और फेफड़ों का स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है
- एसिडिटी और अपच; इससे पीड़ित लोगों में फेफड़ों से जुड़े रोगों का खतरा बढ़ जाता है
- दांतों व मसूड़ों को साफ न रखना विटामिन डी की कमी।

> टीबी के मरीजों में कोरोना संक्रमण की आशंका सामान्य लोगों जितनी ही है, लेकिन कोरोना होने पर न केवल इलाज मुश्किल हो जाता है बल्कि मरीज की मृत्यु की आशंका तीन गुना अधिक हो जाती है, सावधानी आवश्यक है।
>
> **डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, वाइस चेयरमैन, नेशनल टास्कफोर्स एनटीइपी, इंडिया**

Raghu Mahal Hotels Pvt. Ltd.

FLAMES RESTAURANT

(Multi Cuisine)

(A Unit of Raghu Mahal Hotels Pvt. Ltd.)

Ph :- 0294-2425694 M.:- 09649466662

Spa-Beer Bar-Banquet Hall

93, Opp. M.B. College, Darshanpura, Airport Road,Udaipur (Raj.) Tel :- 0294-2425690-93

Email :- raghumahalhotels@gmail.com Website :- www.raghumahalhotels.com

बॉलीवुड को धार्मिक ग्रंथों से जुड़ी कथाओं की तलाश

सभ्यता के विकास से ही धर्म हमारे सामाजिक जीवन में एक नियामक शक्ति रहा है। धर्म का अधिकार हमारे जीवन पर हमसे पहले ही हो जाता है और बाद तक कायम रहता है। हम कोशिश करें न करें, धर्म से अछूते नहीं रह सकते।

विनोद अनुपम

भारत में बनने वाली पहली फीचर फिल्म थी, 'राजा हरिश्चन्द्र'। महात्मा गांधी ने अपने जीवन में एक ही फिल्म देखी थी–'रामराज्य'। अपने समय की सबसे महंगी पांच करोड़ रुपए में बनी फिल्म 'शोले' को टक्कर दी थी, पांच लाख से बनी फिल्म 'जय संतोषी मां' ने। यह सब कोई संयोग नहीं। वास्तव में सभ्यता के विकास से ही धर्म हमारे सामाजिक जीवन में एक नियामक शक्ति रहा है। धर्म का अधिकार हमारे जीवन पर हमसे पहले ही हो जाता है और बाद तक कायम रहता है। हम कोशिश करें न करें, धर्म से अछूते नहीं रह सकते। स्वाभाविक है कि अपने आराध्य को साकार देखने की इच्छा हमें धार्मिक फिल्मों या धारावाहिकों की ओर आकर्षित करती रही है। फिल्मों की शुरुआत से पूर्व 'रामलीला' देखने की परंपरा हमारे इसी आराध्य को साकार करने की इच्छा का प्रतिफल ही रहा होगा। एक ही कथा को हम बार–बार देखते हैं और फिर भी देखने की इच्छा बची रहती है। शायद यही वजह है कि रामानंद सागर कृत धारावाहिक 'रामायण' का कोरोना काल के दौरान दूरदर्शन पर दोबारा प्रसारण हुआ तो एक दिन में 7.7 करोड़ दर्शकों के साथ दुनिया भर में सर्वाधिक देखे जाने वाले इस टेलीविजन धारावाहिक ने रेकॉर्ड बनाया। सिर्फ दूरदर्शन ही नहीं, कई निजी चैनलों ने भी समय–समय पर इसके पुनर्प्रसारण से अपने लिए दर्शक जुटाने की कोशिश की है।

सोनी टीवी ने वर्ष 2024 की शुरुआत एक नए धारावाहिक 'श्रीमद् रामायणम्' से की। कहा जा सकता है कि इतने तकनीकी कौशल और वीएफएक्स के प्रयोग से त्रेता युग को इतनी भव्यता से साकार करने की कोशिश टेलीविजन पर पहली बार की गई है। गौरतलब है कि 'आदिपुरुष' में भी वीएफएक्स के प्रयोग से ही रामकथा कहने की कोशिश की गई थी, लेकिन वह सफल नहीं हो पाई। वास्तव में धार्मिक कथाएं आस्था से जुड़ी होती हैं, लोग वही देखना–सुनना चाहते हैं, जो कथा, जो छवि, उनके मन में बसी है, जो वे जानते हैं। 'रामायण' आज भी लोकप्रिय है। वह वही दिखाती है, जो हम जानते रहे हैं। आस्था के निर्वहन के प्रति सावधानी देखी जा सकती है। निर्देशक ने हरेक फ्रेम को राजा रवि वर्मा की पेंटिंग की तरह नयनाभिराम बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। रामकथा की परंपरागत कथन शैली से हट कर किसी उपन्यास की तरह निर्देशक राम, सीता, रावण सभी की कथाएं एक साथ लेकर चलते हैं। इससे रामकथा की बेहतर प्रस्तुति के प्रति आश्वस्त हुआ जा सकता है।

यह भी एक विडंबना है कि टेलीविजन पर जहां नियमित रूप से धार्मिक आख्यान आते रहते हैं, सिनेमा अपने आरंभिक दिनों की परंपरा से दूर होता चला गया। दशकों तक धार्मिक फिल्मों के नाम पर सन्नाटा रहा। 'दंगल' फिल्म से पहचान बना चुके नीतेश तिवारी का 'रामायण' पर ट्रायलॉजी बनाने की घोषणा सिनेमा के लिए एक नई शुरुआत की उम्मीद है। इसे भारत की सबसे महंगी फिल्म बताया जा रहा है। हिंदी सिनेमा के इतिहास में सर्वाधिक सफल फिल्में लिखने वाले सचिन भौमिक का कहना है कि अधिकांश हिंदी फिल्मों की कहानियों के मूल में रामायण के अंश ही रहे हैं। कथा की तलाश में भटकता सिनेमा इस अमूल्य निधि की पहचान कर एक व्यापक दर्शक वर्ग को एक बार फिर से अपने करीब ला सकता है, जिन्हें जोड़ने की कोशिश आरंभिक दिनों में दादा साहब फाल्के ने की थी।

(लेखक राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त कला समीक्षक हैं)

दी उदयपुर अरबन को–ऑपरेटिव बैंक लि.
THE UDAIPUR URBAN CO-OPERATIVE BANK LTD.

REGD OFFICE: 1ST FLOOR 9C-A MADHUBAN, UDAIPUR -313 004 (RAJ.) 0294-2560783, 2423752

A Leading Co-operative Bank of Rajasthan

Facilities Available at all Branches

- RTGS-NEFT
- UPI-IMPS Facility
- RuPay Debit Card
- ATMs
- Lockers
- Aadhar Based Payment Facility
- PM Jeevan Jyoti Beema Yojna
- PM Jeevan Suraksha Beema Yojna
- Mobile Banking
- QR Code & POS/Swipe Machine

Attractive Loan Schemes

- UUCB Trade & Business Dev.
- UUCB Small Mortgage Loan
- UUCB Home Loan
- UUCB Mortgage Loan
- UUCB Vehicle Loan
- UUCB Vidhya-Education Loan

Our ATM's :

Madhuban Branch Hiranmagri Branch
Bohrawadi Arvanah Mall Kharol Colony

Cash Deposit & Passbook Printing Kiosk Facility at selected branches

Our Branches with IFS Code & Contact No.

Branch	Contact No.	IFSC	Branch	Contact No.	IFSC
Pannadhay Marg	92516 38237	UUCB0786009	Krishi Upaj Mandi	92516 38239	UUCB0786011
Dhanmandi	92516 38230	UUCB0786002	Sukher Ind. Area	92516 38240	UUCB0786012
Bada Bazar	92516 38231	UUCB0786003	Ambamata Scheme	92516 38241	UUCB0786013
Fatehpura	92516 38232	UUCB0786004	Pratapnagar	92516 38242	UUCB0786014
Hiranmagri	92516 38235	UUCB0786006	Fatehnagar	92516 38233	UUCB0786005
Madhuban	92516 38237	UUCB0786010	Salumber	92516 38235	UUCB0786006

Rajsamand 92516 38236 UUCB0786008

website: www.uucbudaipur.com

Qutbuddin Shaikh
Chief Executive Officer

Banking, You can bank upon.

Tauseef Hussain
Chairman

बहुआयामी व्यक्तित्व थे महेन्द्र सिंह मेवाड़

अभिजय शर्मा

सनातन मूल्यों के संवाहक, अपने उसूलों और सिद्धांतों से न डिगने वाले, संस्कारों व संस्कृति की प्रतिमूर्ति मेवाड़ के विश्व विख्यात राज परिवार के वरिष्ठ सदस्य एवं पूर्व महाराणा भगवत सिंह के ज्येष्ठ पुत्र महेन्द्र सिंह मेवाड़ (84) का निधन न केवल मेवाड़ अपितु देश व प्रदेश की अपूरणीय क्षति है। उन्होंने अपने गौरवशाली पूर्वजों की परम्परा, 'जो दृढ़ राखे धर्म को तिहीं राखे करतार' को चरितार्थ किया। सरल और सादगीपूर्ण जीवन जीने वाले महेन्द्र सिंह मेवाड़ ने अपने पिता व दादा पूर्व महाराज प्रमुख महाराणा भूपाल सिंह के पदचिन्हों पर चलते हुए मेवाड़ में शिक्षा प्रसार के लिए आजीवन काम किया। वे स्वयं शिक्षाविद् थे। राजस्थान विद्यापीठ और बी.एन विश्वविद्यालय उनके ही परिवार की ही देन है। उनकी खेलों के प्रति भी गहरी रूचि रही। उन्होंने 10 नवम्बर की दोपहर शहर के अनंता अस्पताल में अंतिम सांस ली। वे सांस लेने में तकलीफ महसूस होने पर कुछ दिन से उपचाररत थे। उनका जन्म 24 फरवरी 1941 को हुआ था। उनके परिवार में धर्मपत्नी निरूपमा सिंह, पुत्र विश्वराज सिंह (विधायक-नाथद्वारा), पुत्र वधू महिमा सिंह (सांसद-राजसमंद) व पुत्री त्रैविक्रमा कुमारी, पौत्र देवजादित्य सिंह, बहिन योगेश्वरी, भ्राता अरविंद सिंह व उनका परिवार हैं। महेन्द्र सिंह मेवाड़ ने मेयो कॉलेज में पढ़ाई की और बाद में इसी कॉलेज की गवर्निंग बॉडी के वाइस प्रेसिडेंट भी रहे। उदयपुर में प्रतिष्ठित फील्ड क्लब के भी वे अध्यक्ष थे। उदयपुर में 1923 में स्थापित विद्या प्रचारिणी सभा और भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय के मुख्य संरक्षक थे। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा और मेवाड़ क्षत्रिय महासभा के संरक्षक भी रहे। वे भाजपा-कांग्रेस दोनों पार्टियों से जुड़े रहे। उन्होंने वर्ष 1989 में भाजपा के टिकट पर चित्तौड़गढ़ लोकसभा क्षेत्र के चुनाव लड़कर रिकार्ड 3.97 लाख वोट हासिल किए थे। उनकी प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस की निर्मला कुमारी को 2.05 लाख वोट मिले। लोकसभा चुनाव 1991 में महेन्द्र सिंह भाजपा छोड़ कांग्रेस में शामिल हुए। कांग्रेस ने चित्तौड़गढ़ लोकसभा से टिकट देकर उन्हें मैदान में उतारा, जहां उनका मुकाबला भाजपा के जसवंत सिंह जसोल से हुआ और जसोल चुनाव जीत गए। लोकसभा के 1996 के चुनाव में महेन्द्र सिंह मेवाड़ को कांग्रेस ने फिर टिकट दिया, लेकिन उनका संसदीय क्षेत्र बदलकर भीलवाड़ा कर दिया गया। इस चुनाव में उनको भाजपा के सुभाषचंद्र बहेड़िया ने हरा दिया। उनका अंतिम संस्कार पूर्व राजघराने के श्मशान महासतिया में किया गया। शवयात्रा में सैंकड़ों लोगों ने भाग लिया। राजघराना परंपरा के अनुसार दिवंगत महेंद्र सिंह मेवाड़ के उत्तराधिकारी के रूप में पुत्र विश्वराज सिंह का 77वें श्री एकलिंग दीवान के रूप में 25 नवंबर को प्रातः ऐतिहासिक चित्तौड़ दुर्ग के फतहप्रकाश में तिलक-पगडी दस्तूर सम्पन्न हुआ। इस मौके पर राजस्थान सहित देश के विभिन्न पूर्व राजघरानों के सदस्य एवं पूर्व ठिकानेदार शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि महाराणा विक्रमादित्य के राजतिलक के 493 वर्ष बाद चित्तौड़ दुर्ग में इस परंपरा का निर्वाह हुआ। शाम को विश्वराज सिंह मेवाड़ ने कैलाशपुरी पहुंच कर भगवान श्री एकलिंगनाथ जी के दर्शन किए। उसके बाद समोरबाग स्थित आवास पर रंग दस्तूर के साथ परिवार के शोक भंग की रस्म पूरी हुई।

सामाजिक और राजनीतिक जीवन में अमूल्य योगदान देने वाले चित्तौड़गढ़ के पूर्व सांसद और मेवाड़ राजघराने के सदस्य महेंद्र सिंह मेवाड़ के निधन से अत्यंत दुख हुआ। वे जीवनपर्यंत राजस्थान की विरासत को सहेजने और संवारने में जुटे रहे। उन्होंने लोगों की सेवा के लिए पूरे समर्पित भाव से काम किया समाज कल्याण के उनके कार्य हमेशा प्रेरणास्त्रोत रहेंगे। ***–नरेन्द्र मोदी****, प्रधानमंत्री*

महेन्द्र सिंह मेवाड़ के परलोक गमन से शोक का अनुभव कर रहा हूं। उनका योगदान समाज की स्मृति में सदैव रहेगा। वे सांसद भी रहे। प्रभु श्रीराम पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें। परिवार के सदस्यों और समर्थकों को संबल मिले। मेरी आत्मीय संवेदनाएं प्रेषित हैं। ओम् शांति। ***–भजनलाल शर्मा,***

श्री महेन्द्र सिंह जी मेवाड़ के निधन का समाचार सुनकर अत्यंत दुख हुआ है। ईश्वर पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें। परिवार को यह दुख सहन करने की शक्ति दें। उनका जाना एक अपूरणीय क्षति है। – ***दिया कुमारी****, उपमुख्यमंत्री, राजस्थान*

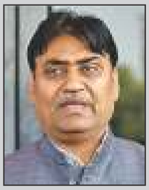

महेन्द्र सिंह मेवाड़ का निधन अपूरणीय क्षति है। प्रभु से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को श्रीचरणों में स्थान दें।

–गोविंद सिंह डोटासरा,
अध्यक्ष, राजस्थान कांग्रेस

महेन्द्र सिह मेवाड़ ने सांस्कृतिक-आध्यात्मिक और राष्ट्रीय विचारधारा के साथ चहुंमुखी विकास पर बल दिया। वे सनातन मूल्यों के संवाहक रहे।

–प्रो. एसएस सारंगदेवोत,
कुलपति, राजस्थान विद्यापीठ

श्रीजी हुजूर महेंद्र सिंह मेवाड़ के आकस्मिक निधन से गहरा आघात पहुंचा है, यह संपूर्ण समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है, परमेश्वर एकलिंगनाथ उनको अपने श्री चरणों में शांति प्रदान करें।

–मोहब्बत सिंह राठौड़,
प्रबंध निदेशक, बीएन संस्थान

श्रीजी हुजूर के आकस्मिक निधन पर मैं निःशब्द हूं, स्तब्ध हूं। प्रभु मेवाड़नाथ श्री एकलिंग जी उनको अपने श्री चरणों में स्थान दें।

–महेंद्र सिंह आगरिया,
मंत्री, विद्या प्रचारिणी सभा

क्रिसमस: मुहब्बत का पैगाम

आर. सी. शर्मा

क्रिसमस महज ईसाईयों का त्यौहार नहीं रहा, यह धीरे-धीरे विश्वव्यापी त्यौहार बन गया है। दुनिया के हर कोने से क्रिसमस के बड़े पैमाने पर सभी धर्मों के लोगों द्वारा मनाये जाने की निरंतर खबरे आती हैं। हर साल इस साझी संस्कृति में विस्तार हो रहा है। यही वजह है कि अब क्रिसमस का हिंदुस्तान जैसे देश में भी लोगों को इंतजार रहता है। लोग खरीदारियां भी करते हैं और हर्ष-उल्लास के साथ क्रिसमस को सेलिब्रेट भी करते हैं जैसे कि दीवाली और दशहरा को अब पूरे भारत में सेलिब्रेट किया जाने लगा है।

क्रिसमस पूरी दुनिया के लिए बहुत प्यारा त्योहार है; क्योंकि इसके मूल में ही मुहब्बत है। क्रिसमस ईसा मसीह के जन्मदिन की याद में मनाया जाने वाला त्यौहार है और हम सब जानते हैं ईसा मसीह इस क्रूर दुनिया में मुहब्बत का उजाला फैलाते-फैलाते कुर्बान हो गये थे।

क्रिसमस के मौके पर घर में एक ऐसे स्थान पर, छत से मिसलटो की टहनियां लटकाई जाती हैं, जहां से घर में आने वाला हर मेहमान गुजरे। खूबसूरत, सफेद रंग के, मोतियों की सी आभा वाले, नन्हें-नन्हें बेरों से लदी ये टहनियां, सौभाग्य का सूचक मानी जाती हैं। माना जाता है कि जो भी इन मिसलटों के नीचे से गुजरता है, उसकी किस्मत बदल जाती है। इसीलिए प्रेमी-प्रेमिका क्रिसमस का बड़ी बेसब्री से इंतजार किया करते हैं ताकि क्रिसमस के मौके पर लटकायी जाने वाली मिसलटों की टहनियों की छांव से वे लोग गुजरें और उनकी किस्मत बदल जाये। वे हमेशा-हमेशा के लिए एक दूसरे के हो जायें और उनकी मुहब्बत को कामयाबी हासिल हो जाये।

क्रिसमस से एक माह पहले ही हलके हरे रंग की ताजी, पत्तियों और सफेद पारदर्शी बेरों से सजी मिसलटों की टहनियों के गुच्छे के गुच्छे बाजार में बिकने के लिए आ जाते हैं। मिसलटों के झूमर के नीचे चुंबन का रिवाज 19वीं शताब्दी के प्रारंभ में हुआ। हालांकि इससे भी बहुत पहले से इसके महत्व को बार-बार दोहराया जाता रहा है। हां, पहले चुंबन प्रतीकात्मक होता था, लेकिन रहा हमेशा है। नॉर्स पौराणिक कथा के अनुसार लोकी नामक एक दुष्ट देवता ने अंधे होडुर को उकसाया कि वह अपने सज्जन और प्रियदर्शन भाई बलडर का मिसलटों की टहनी से बने तीर से वध करे। होडुर ने ऐसा ही किया और बलडर भयंकर रूप से घायल होकर छटपटाने लगा। उसकी पीड़ा देखकर पृथ्वी के समस्त प्राणी भी रोने लगे। उनके अश्रु का संचय करके, जब मिसलटों के पौधों पर छिड़क दिया गया, माना जाता है कि वही अश्रु मुक्ता धवल बेरियों के रूप में टहनियों पर खिल उठे हैं। इस घटना के बाद से ही मिसलटों का प्रयोग, प्यार के आदान-प्रदान के रूप में प्रारंभ हुआ। मिसलटें केवल प्यार का प्रतीक भर नहीं हैं, अगर इनकी- वानस्पतिक खूबियों को जानें तो ये मिसलटें एक किस्म की औषधि भी हैं, जिसका प्रयोग ऐपिलेप्सी (मिरगी), बांझपन और अल्सर में किया जाता है। कुछ पर्यावरणीय दिक्कतों और जलवायु परिवर्तनों के कारण बीसवीं शताब्दी में मिसलटों की पैदावार एकदम कम हो गयी। हालांकि अब इसकी पैदावार बढ़ाने के उपाय किए गये हैं। क्रिसमस के समय ये मिसलटें फ्रांस और अन्य यूरोपीय देशों से आयात होती हैं। फ्रांसीसी मिसलटों की टहनियां छोटी-छोटी होती हैं और इन पर फूल भी संख्या में कम लगते हैं साथ ही ये जल्दी मुरझा भी जाते हैं। लेकिन इनके तले चुंबन करने वालों को ये सलाह दी जाती है कि इनके जल्दी मुरझाने से हतोत्साहित न हों बेर और पत्तियां मुरझा जायें तो क्या, उन्हें अपने प्यार को तरोताजा ही रखना है और समझना भी है। भारत में मिसलटें अभी तक उपलब्ध नहीं हैं लेकिन इस सुंदर प्रथा को पसंद करने वाले अपने घरों में उसकी जगह ताजे फूलों के गुच्छे लटका लेते हैं या मोरपंखी के पौधे की टहनियों को मिसलटों की तरह उपयोग में लाते हैं। अगर मोरपंखी का पौधा भी उपलब्ध न हो, तो कृत्रिम मिसलटों का विकल्प तो होता ही है।

जीबीएचः स्टूडेंट्स ने ली चरक संहिता की शपथ

उदयपुर। जीबीएच ग्रुप के चेयरमैन डॉ. कीर्ति के जैन ने कहा कि डॉक्टर बनने की यात्रा चुनौतीपूर्ण है, लेकिन जिस मेडिकल स्टूडेंट ने महर्षि चरक की शपथ का अनुसरण किया, उन्हें भविष्य का श्रेष्ठ डॉक्टर बनने से कोई ताकत नहीं रोक सकती है। डॉ. कीर्ति जैन अमेरिकन इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस के 2024 बैच के नवागंतुक एमबीबीएस स्टूडेंट्स की वाइट कोट सेरेमनी को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। ग्रुप डायरेक्टर डॉ. आनंद झा ने सभी नवागंतुक का स्वागत करते हुए कहा कि जिन स्टूडेंट्स का चयन नीट में हुआ है, उन्होंने अपना लक्ष्य ही डॉक्टर बनने का तय कर लिया है। डायरेक्टर डॉ. प्रिया जैन, डॉ. सुरभि पोरवाल सहित अन्य प्रोफेसर्स ने सभी नवागंतुकों का तिलक लगाकर गुलाब देकर सफेद कोट पहनाया।

आईसीसीआई में बोर्ड सदस्य बने राजीव अरोड़ा

उदयपुर। आम्रपाली ज्वेल्स के संस्थापक तथा वरिष्ठ नेता राजीव अरोड़ा को वैश्विक व्यापार और उद्यम क्षेत्र के प्रमुख संगठन इंवेंटिवप्रेन्योर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (आईसीसीआई) की राष्ट्रीय समिति में बोर्ड सदस्य नियुक्त किया गया है। इसी के साथ अरोड़ा आईसीसीआई के राष्ट्रीय बोर्ड में राजस्थान के इंचार्ज भी रहेंगे। यह संगठन 200 समकक्ष संस्थाओं और 10,000 से अधिक व्यापारिक सदस्यों का मजबूत नेटवर्क है और विभिन्न देशों एवं सरकारों के साथ व्यापारिक एवं आर्थिक संबंधों की मजबूती के लिए काम करता है। आईसीसीआई में अरोड़ा की नियुक्ति दो वर्ष के लिए की गई है। इस दौरान वे इसकी विभिन्न योजनाओं, परियोजनाओं और अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक अवसरों में सक्रिय भागीदारी निभाएंगे।

राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टमेंट समिट

उदयपुर। राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टमेंट समिट 2024 को अधिक सफल बनाने और अधिकतम निवेश आकर्षित करने के लिए स्थानीय व्यापारिक संगठन और अन्य संस्थाएं सक्रिय हो गई हैं। इसी क्रम में लॉयन्स क्लब इंटरनेशनल की ओर से बिजनेस कनेक्ट 2024 कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें उद्योग विभाग के अधिकारियों सहित व्यापारिक जगत के प्रमुख लोग शामिल हुए। कार्यक्रम के संयोजक कैलाश खंडेलवाल और प्रेसीडेंट अंकित खंडेलवाल ने बताया कि अब तक 250 से अधिक व्यापारियों ने इस महाकुंभ में भाग लेने के लिए आवेदन किया है। इस पहल का उद्देश्य व्यापारियों को एक मंच पर लाकर राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टमेंट समिट में अधिक से अधिक एमओयू साइन करवाना और राजस्थान में निवेश बढ़ाना है।

थैलेसीमिया पर कार्यशाला

उदयपुर। द स्कालर्स एरिना शिक्षण संस्थान आरके पुरम में 'रोको थैलेसीमिया' पर महावीर इंटरनेशनल उदयपुर के तत्वावधान में कार्यशाला आयोजित की गई। प्राचार्य लोकेश जैन ने बताया कि प्रमुख वक्ता अचला मोगरा ने छात्रों को जागरूक करते हुए कई महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने बताया कि थैलेसीमिया बच्चों को माता-पिता के अनुवांशिक तौर पर मिलने वाला ब्लड डिसऑर्डर है। इस रोग के होने पर शरीर की हिमोग्लोबिन निर्माण प्रक्रिया बाधित होती है, जिसके कारण एनीमिया के लक्षण दिखाई देते हैं। इसकी पहचान तीन माह की आयु के बाद ही होती है।

भट्ट बने विद्याभवन के सीईओ

उदयपुर। भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी राजेन्द्र भट्ट ने गत दिनों विद्याभवन सोसायटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी का पदभार संभाला। वे सोसायटी के 11 संस्थानों के कार्यकलाप एवं गतिविधियों का नेतृत्व करेंगे। समिति अध्यक्ष जेके तायलिया, उपाध्यक्ष हंसराज चौधरी, कोषाध्यक्ष अनिल शाह ने स्वागत किया।

वारसिंह नए एडीएम सिटी

उदयपुर। राजस्थान प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी वारसिंह उदयपुर के नए अतिरिक्त जिला कलक्टर (शहर) नियुक्त किए गए हैं। कार्यालय के सभी अधिकारी-कार्मिकों ने उनका स्वगात किया। कार्यभार संभालने के बाद एडीएम सिंह ने सामान्य अनुभाग, न्याय अनुभाग, चुनाव प्रकोष्ठ सहित कार्यालय के विभिन्न प्रभागों के प्रभाग अधिकारियों से कामकाज की जानकारी ली। सिंह इससे पहले बांसवाड़ा, सागवाड़ा, शिवगंज, उदयपुर, पिंडवाड़ा, सोजत सहित प्रदेश के कई जिलों में सेवाएं दे चुके हैं।

वेदांता का राजस्थान में 1 लाख करोड़ रुपए का निवेश

उदयपुर। वेदांता ने यूके में आयोजित राइजिंग राजस्थान रोड शो में भाग लिया, जिसका नेतृत्व राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किया। वेदांता समूह की ओर से वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने राजस्थान में जिंक, ऑयल, गैस और रिन्यूएबल एनर्जी में पूर्व में किए गए 1 लाख करोड़ से अधिक के निवेश समझौतों पर चर्चा की। वेदांता ने उदयपुर क्षेत्र के आसपास गैर लाभकारी आधार पर लघु एवं मध्यम उद्योगों के लिए 5 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से एक औद्योगिक पार्क स्थापित करने की घोषणा की।

पार्श्वनाथ सीएम आवास योजना में गृह प्रवेश

उदयपुर। ढीकली में मुख्यमंत्री जन आवास योजना में बनने वाले पार्श्वनाथ ड्रीम होम के ग्राहकों का गृह प्रवेश कराया गया। प्रोजेक्ट में सभी फ्लैट बनकर तैयार है। गत दिनों अभी तक 100 से ज्यादा परिवार गृह प्रवेश कर चुके हैं। पार्श्वनाथ ड्रीम होम के निर्देशक गणपतनाथ चौहान ने बताया कि पार्श्वनाथ ड्रीम होम में रियायती दर पर मुख्यमंत्री जनआवास योजना में छूट का लाभ उठाकर अपना खुद का फ्लैट खरीद सकते हैं।

प्रत्यूष

हार्दिक श्रद्धांजलि

जन्म 15.08.1956

स्वर्गवास: 04.10.2020

रो पड़ती है आंखें हमारी देख के तस्वीर आपकी, जिंदगी ऐसी जी गए कि मौत भी शरमा गई।
जिंदगी जी छोटी लेकिन सबसे अच्छी जी गए, हर जगह सुगंध फैलाकर स्मृति सबके दिल में संजो गए।
प्रभु दिव्यात्मा को शांति प्रदान करें।

हमारे प्रिय एवं आदरणीय

श्रीमान अनिल जी लुणदिया

(सुपुत्र स्व. श्रीमती बसंतादेवी–स्व. श्री भंवरलाल जी लुणदिया)

चतुर्थ पुण्यतिथि पर हम परिवारजन आपश्री को हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

कुसुम लुणदिया *(धर्मपत्नी),* ***आशीष (सोनू)–अंकिता*** *(पुत्र–पुत्रवधु),*
आयुषी–प्रतीकजी जैन *(पुत्री–दामाद),* ***रीधान लुणदिया*** *(पौत्र),* ***चेतन लुणदिया–सुमन*** *(भाई–भाभी),*
मानव लुणदिया *(भतीजा),* ***अंकिता–तरूणजी जैन, साक्षी–प्रतीक जी हरसोरा*** *(भतीजी–दामाद),*
लक्ष्यरादित्य, आर्यदित *(दोहित्र),* ***काशवी*** *(दोहित्री) एवं*

समस्त लुणदिया परिवार

प्रतिष्ठान

■ न्यू कनक मेडिकल्स ■ रीधान फार्मा

■ ब्रिटिश फार्मास्युटिकल्स ■ फर्स्ट क्राई ■ बेबी हग

निवास: 2-गणपति विहार,
हिरणमगरी सेक्टर 5, उदयपुर
Mo.: 9414159090, 9602620210

गीता : सनातन अध्यात्म का सर्वकालिक संदेश

श्रीमद्भागवत गीता भारतीय संस्कृति और अध्यात्म का प्राण ग्रंथ है, इसका जितनी बार अध्ययन करें उतनी ही बार नया बोध होता है। प्रस्तुत है– गीता जयंती (11 दिसम्बर) पर विष्णु शर्मा हितैषी का विशेष आलेख।

धर्मनगरी की पहचान बन चुके कुरूक्षेत्र में इस बार कुरूक्षेत्र विकास बोर्ड आठ दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय गीता महोत्सव आयोजित कर रहा है। 9 और 10 दिसंबर को संत सम्मेलन होगा, जब कि 11 दिसंबर को भव्य गीता जयंती समारोह आयोजित किया जाएगा। समारोह में देश के सभी प्रमुख मंदिरों और तीर्थों की भागीदारी रहेगी। इसके लिए चारों धामों, सप्तपुरियों और 12 ज्योतिर्लिंगों के पुजारियों को आमंत्रित किया जाएगा। इसके अलावा 52 शक्तिपीठों में से चुनिंदा शक्तिपीठों के पीठाध्यक्षों, कामाख्या मंदिर, तिरुपति वंकेटेश मंदिर, मेहंदीपुर बालाजी मंदिर, सालासर बालाजीधाम, यमुनोत्री, गंगोत्रीधाम, वैष्णो देवी के अलावा मुख्य देवी स्थलों के पुजारियों और प्रसिद्ध मठों के मठाधीशों को निमंत्रित किया गया है। संत सम्मेलन में गीता की महत्ता, गीता के कालखण्ड आदि विषयों पर मंथन होगा। संत सम्मेलन का नेतृत्व अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव प्रधिकरण के वाइस चेयरमैन व गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज करेंगे।

गीता दिव्यतम ग्रंथ है, जो महाभारत के भीष्म पर्व से संदर्भित है। श्री वेदव्यास जी ने महाभारत में गीताजी के माहात्म्य को स्पष्ट करते हुए कहा है, 'गीता सुगीता कर्तव्या किमन्यैः शास्त्र विस्तरैः। या स्वयं पद्मनाभस्य मुखपद्माद्विनिः सृता।।' अर्थात् गीता सुगीता योग्य है। गीताजी को भली भांति पढ़कर अर्थ व भाव सहित अन्तःकरण में धारण कर लेना ही हितकर है। गीता स्वयं विष्णु भगवान् के मुखारविंद से निकली वाणी है।

गीता में भगवान् श्रीकृष्ण ने अर्जुन को दिशा बोध देते हुए कहा है– यद्यपि मुझे तीनों लोकों में कुछ भी अप्राप्य नहीं है, तो भी मैं कर्मों में ही बरतता हूं। उनके द्वारा निर्दिष्ट कर्तव्य रूप कितना सार्थक है– 'यदि ह्यं वर्तेयं जातु कर्मण्यतन्द्रितः। मम वर्त्मानुवर्तन्ते मुनष्याः पार्थ सर्वशः।।' गीता

सभी प्राणियों को अपनी आभा से प्रकाशित कर सन्मार्ग दिखा रही है। श्री कृष्ण ने अर्जुन से कहा है, 'नान्तोऽस्तिमम दिव्यानां विभूतीनांपरंतप' अर्थात 'हे परंतप! मेरी दिव्य विभूतियों का अन्त नहीं है।'

गीता में ईश्वर, जीव और प्रकृति के स्वरूप की व्याख्या जिस रूप में की गई है, उसे साधारण ज्ञान वाले व्यक्ति भी आसानी से समझ सकते हैं। यही वजह है कि कुछ विद्वान इसे कर्म-प्रधान धर्म ग्रन्थ कहते हैं, तो कुछ इसे ज्ञान प्रधान या भक्ति मार्ग का अद्भुत धर्म ग्रंथ बताते हैं। वास्तव में इसमें तीनों मार्गों को समाहित किया गया है। 'जाकी रही भावना जैसी प्रभु मूरत देखी तिन तैसी' वाली बात इस महान धर्म ग्रंथ के हर श्लोक में दिखाई पड़ती है। गीता के कर्म मार्ग का उपदेश समाज के प्रत्येक व्यक्ति को प्रेरित करता है। श्रीकृष्ण इसमें कहते हैं कि हे ! अर्जुन, यह जीवन हमारे किए कर्मों पर ही आधारित है, इसलिए कर्म करना प्रत्येक मानव का धर्म है। हमें सारी चिंताओं को त्यागकर अपने कर्तव्य-पालन में लग जाना चाहिए। दरअसल, कर्म मार्ग से ही वह ऊर्जा मिल सकती है, जो मनुष्य की सारी समस्याओं और कामनाओं को हल कर सकती है, श्रीकृष्ण कहते हैं बिना कर्म किए कोई भी व्यक्ति मुक्ति, यानी आवागमन से छुटकारा प्राप्त नहीं कर सकता है। 'कर्मणामनारम्भान्नैष्कर्म् यपुरुषौश्नुते।' चसन्यसनादेवसिद्धि समधिगच्छति। अर्थात मनुष्य कभी भी कर्म से छुटकारा नहीं पा सकता है और न कर्म को त्यागकर उसे पूर्णता, यानी सिद्धि की प्राप्ति हो सकती है। श्रीकृष्ण ने गीता में कर्म को केवल मनुष्य का धर्म ही नहीं माना है, बल्कि इसे योग भी कहा है।

कहने का तात्पर्य है कि भगवत प्राप्ति के लिए कर्म एक साधना के समान है। जो लोग इसे साधना मानकर अपनाते हैं, वे न कभी भ्रमित होते हैं और न ही निराश होते हैं। अब प्रश्न यह उठता है कि कर्म करने के बाद फल पाने की इच्छा जागृत हो जाती है, तो इस इच्छा से किस तरह से छुटकारा पाया जाए? इसका समाधान भी गीता में उपलब्ध है। फल की इच्छा कर्म के बाद जगना एक स्वाभाविक-सी प्रक्रिया है, लेकिन सच यह भी है कि यह इच्छा ही इनसान को बंधन में डालती है और किसी भी चीज के प्रति आसक्ति पैदा करती है। इसलिए श्रीकृष्ण कहते हैं– यदि आवागमन से छुटकारा चाहते हो, तो आसक्ति का त्याग करो। वे कहते हैं कि चूंकि यह मानव शरीर बड़े भाग्य से मिला है इसलिए

इसे यज्ञ-मार्ग पर लगाना चाहिए, क्योंकि इससे न केवल आसक्ति मिटेगी,

बल्कि समाज का कल्याण भी होगा और आत्मोन्नति भी। गीता उपनिषदों की भी उपनिषद है। गीता में मानव को अपनी समस्त समस्याओं का समाधान मिल जाता है। इसके स्वाध्याय से श्रेय और प्रेय दोनों की प्राप्ति हो जाती है। भगवान् श्रीकृष्ण ने इसमें यह स्पष्ट कहा है, 'यत्र योगेश्वर: कृष्णो यत्र पार्थो धनुर्धर:। तत्र श्रीर्विजयो भूतिर्ध्रुवा नीतिर्मतिर्मम:।।' अर्थात् जहां श्री योगेश्वर श्रीकृष्ण हैं, जहां धनुर्धर अर्जुन हैं और जहां अर्जुन और श्रीकृष्ण हैं, वहां श्री, विजय और विभूति है। भगवान वचन देते हैं कि इस गीताशास्त्र को जो कोई पढ़ेगा अर्थात् इसका पाठ करेगा, इसका प्रसार करेगा, उसके द्वारा मैं निस्संदेह ज्ञानयज्ञ से पूजित होऊंगा। 'नाशयाम्यात्मभावस्था ज्ञानदीपेन भास्वता' अर्थात् मैं स्वयं ही अज्ञान जनित अंधकार को प्रकाशमय तत्व, ज्ञानरूप दीपक के द्वारा नष्ट करने वाला हूं।

स्फूर्तिदायक

प्रत्यक्ष अनुभव से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि श्रीमद् भागवत्गीता वर्तमान युग में भी उतनी ही नवीनता से पूर्ण एवं स्फूर्ति देने वाली है, जितनी महाभारत काल में थी। गीता के संदेश का प्रभाव केवल दार्शीनिक अथवा विद्वत् चर्चा का विषय नहीं है, बल्कि आचार-विचारों के क्षेत्र में भी वह सदैव जीता-जागता प्रतीत होता है। गीता का उपदेश एक राष्ट्र तथा संस्कृति का पुनरुजीवन है।

-अरविंद घोष

सरल और सादा उपदेश

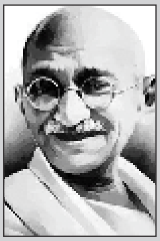

गीता के प्रथम तीन अध्याय पढ़ ही लें। गीता का सार इनमें आ जाता है। बाकी के अध्यायों में वहीं बात अधिक विस्तार व अनेक दृष्टियों से सिद्ध की गई है। यह भी किसी को कठिन मालूम हो तो इन तीन अध्यायों में से कुछ श्लोक छांटे जा सकते हैं, जिनमें गीता का निचोड़ आ जाता है। तीन जगहों पर तो गीता में यह भी आता है कि सब धर्मों को छोड़ कर तू केवल मेरी शरण ले। इससे अधिक सरल और सादा उपदेश और क्या हो सकता है? जो मनुष्य गीता में से अपने लिए आश्वासन प्राप्त करना चाहे तो उसे उसमें वह पूरा-पूरा मिल जाता है। जो गीता भक्त है, उसके लिए निराशा की कोई जगह नहीं है, वह हमेशा आनंद में रहता है।

-महात्मा गांधी

सर्वोपरि दीपक

गीता महाभारत के मध्यभाग में एक ऊंचे दीपक की भांति स्थित है, जिसका प्रकाश सारे महाभारत पर पड़ रहा है। कहना न होगा समग्र महाभारत का नवनीत व्यासजी ने गीता में निकाल कर रख दिया है।

-विनोबा भावे

प्रत्यूष

प्रकृति की आगोश में

खिलखिलाता अरुणाचल

नदंकिशोर

आजादी के बाद लंबे समय तक नार्थ ईस्ट फ्रंटियर एजेंसी या नेफा के नाम से मशहूर अरुणाचल प्रदेश पूर्वोत्तर का अकेला ऐसा राज्य है, जो उग्रवाद से अछूता रहा है। इसकी जड़ें वहां के सामाजिक ताने-बाने में छिपी हैं। सौ से ज्यादा जनजातियों और 50 से अधिक बोलियों वाला यह पर्वतीय राज्य अपनी सांस्कृतिक विविधता और प्राकृतिक सौन्दर्य के लिए प्रसिद्ध है। इसकी आबादी करीब 14 लाख है।

पहाड़ी क्षेत्र में स्थित अरुणाचल प्रदेश शांत झीलों, झरनों, बर्फ से ढंकी बड़ी-बड़ी चोटियों और कई खूबसूरत तथा प्रसिद्ध जगहों के कारण जाना जाता है। यह भारत का वह राज्य है, जहां देश में सबसे पहले सूर्योदय होता है। अरुणाचल प्रदेश का 80 प्रतिशत हिस्सा जंगलों से ढंके पर्वतों से घिरा है और यही वजह है कि यहां का प्राकृतिक सौंदर्य बहुत ही आकर्षक है। इसी कारण पर्यटक यहां आकर प्रकृति से रूबरू होते हैं। पूर्वोत्तर में बसा यह राज्य तीन तरफ से भूटान, चीन और म्यांमार से घिरा है। यहां के सुंदर पहाड़ और घुमावदार मार्ग पर्यटकों का मन मोह लेते हैं। सुरम्य पहाड़, प्रसिद्ध बौद्ध मठ, दर्रे और शांत झीलें मिलकर अरुणाचल प्रदेश को एक खूबसूरत पर्वतीय स्थल बनाती हैं। सर्दी के मौसम में तो यहां के निर्मल पहाड़ों के लुभावने दृश्य पर्यटकों की यात्रा को और भी यादगार बना देते हैं। 1993 में जेम्स हिल्टन ने एक उपान्यास लिखा था लॉस्ट होराइजन, जिसमें उन्होंने एक रहस्यमयी घाटी शांगरी-ला का जिक्र किया, जिसे अरुणचल प्रदेश में ही कहीं बताया जाता है। उन्होंने अपनी किताब में लिखा है कि हिमालय की घाटी में दूध और मधु की छिपी हुई एक धरती है, जहां पर कोई बूढ़ा या कुरुप नहीं हैं। खैर यह तो रही उपन्यास की बात लेकिन अरुणाचल प्रदेश जाने पर आपको ऐसे-ऐसे अद्भुत नजारे देखने को मिलेंगे कि सच में इस जगह के रहस्यमयी होने का अहसास हो जाएगा।

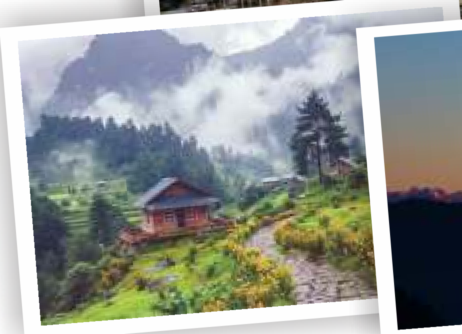

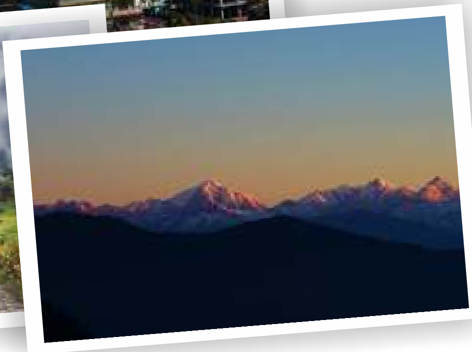

जीरो वैली

समुद्र तल से करीब 5600 फुट की ऊंचाई पर स्थित जीरा वैली दुनिया खूबसूरत जगहों में से एक है। यहां आपको ऐसा लगेगा जैसे आप धरती पर नहीं, बल्कि स्वर्ग में हों। प्रकृति की खूबसूरती और शांति देखकर यहां बिताए समय को आप जीवन में कभी नहीं भूल पाएंगे। जीरो अरुणाचल प्रदेश के निचले सुबरसिरी जिले में स्थित नगर है, जो प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण है। इसके खूबसूरत दृश्य लोगों के मन को बहुत अधिक लुभाते हैं। यहां पर गर्म हवा के गुब्बारे में सैर करने का रोमांच भी लिया जा सकता है। ऊंचाई से घाटी का जो नजारा आपको नजर आता है, वह जीवनभर के लिए आपके दिलो-दिमाग में छप जाता है। जीरो के प्रमुख पर्यटन स्थल हैं-टैली वैली वाइल्डलाइफ सैंचुरी, मेघना गुफा मंदिर, किले पाखों, जीरो पुतो, डोलो मंडो, पाइन ग्रूव, बैम्बू ग्रूव।

तवांग

यह अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम में स्थित एक बहुत ही खूबसूरत शहर है, जहां अक्सर पर्यटक आते रहते हैं और इसके मनोरम दृश्य को हमेशा याद रखते हैं। यहां स्थित पहाड़ों की चोटियां, ऊंचे-ऊंचे झरने और मठ लोगों को अपनी तरफ आकर्षित करते हैं। इसे अरुणाचल प्रदेश का एक विचित्र और प्राचीन पर्यटन स्थल माना

जाता है, जहां प्रकृति के अद्भुत नजारे देखने को मिलते हैं। यहां की बर्फीली चोटियां और बर्फीले दर्रे एक रोमांचकारी यात्रा का अनुभव कराते हैं। सुंदर झीलें और शांत झरने देख कर तो जैसे यहां बस जाने का मन करता है। तवांग कई महत्वपूर्ण और सुंदर मठों केलिए भी जाना जाता है। इसलिए जब भी आप यहां घूमने जाएं तो इन मठों की सैर करना न भूलें। तवांग के कुछ प्रमुख पर्यटन स्थल हैं- तवांग मठ, सेला पास, नुरासंग फॉल्स, तवांग युद्ध स्मारक, पेंग तेंग त्सो झील।

रोइंग

उत्तर में दिबांग घाटी की पहाड़ियों और नदियों से घिरा रोइंग एक बेहद खूबसूरत पर्यटन स्थल है। यहां की बर्फ से ढंकी चोटियां, अशांत नदियां और रहस्यों से भरी पहाड़ियां एक अलग ही दुनिया में आने का अहसास दिलाती है।

इटानगर

इटानगर अरुणाचल प्रदेश की राजधानी और प्रदेश का सबसे बड़ा शहर है। यहां पर्यटकों के घूमने के लिए कई खूबसूरत और प्रसिद्ध हैं। बहुत से पिकनिक स्पॉट के साथ बोटिंग आदि का भी बंदोबस्त है। यह शहर इटा फोर्ट और गोंपा बौद्ध मंदिर के कारण ऐतिहासिक भी है। ईटानगर वन्यजीव अभयारण्य यहां घूमने के लिए सबसे अच्छे स्थानों में से एक हैं जहां बाघ, हाथी, तेंदुआ और भालू जैसे कई वन्यजीव प्रजातियां निवास करती हैं। इटानगर के अन्य प्रमुख पर्यटन स्थल हैं-गंगा झील, रूपा हिल स्टेशन, इंदिरा गांधी पार्क, जवाहरलाल नेहरू राज्य संग्रहालय, क्राफ्ट सेंटर और एम्पोरियम।

गोरीचेन शिखर

यह अरुणाचल प्रदेश की सबसे ऊंची पर्वतीय चोटी है, जो समुद तल से करीब 22500 फुट की ऊंचाई पर स्थित है। ट्रैकिंग करने वाले और पर्वतारोहियों के लिए यह एक बेहतरीन जगह है। यहां भी बड़ी संख्या में पर्यटक घूमने का आनंद लेते हैं। बर्फ से ढंकी वादियां आपको स्वर्ग सा अहसास दिलाएंगी।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

रणवीरसिंह चुण्डावत
डायरेक्टर, Mob.: 7742791508

चुण्डावत रेस्टोरेंट एण्ड
चुण्डावत लस्सी कॉर्नर

स्व. किशन सिंह जी चुण्डावत

पुराना रेलवे स्टेशन रोड, ठोकर चौराहा, उदयपुर

कोहरे की कहानी

आजकल सुबह के वक्त़ काफी देर तक सूर्य देव के दर्शन नहीं हो पाते। शाम भी जल्दी ही ढल जाती है। अक्सर ऐसे मौसम में बादलों जैसी धुंध छायी रहती है, जिसकी वजह से दूर की चीजें नजर नहीं आती। बादल जैसी यह धुंध कोहरा कहलाती है।

कार्तिक नागदा

ठंड के मौसम में आए दिन 'कोहरा' शब्द सुनने को मिलता है। कभी न्यूज़ में, कभी घर में, तो कभी स्कूल में। अक्सर लोग चर्चा करते हैं कि कोहरे की वजह से जीना मुहाल है। आखिर यह कोहरा है क्या ? कैसे बनता है और आखिर क्यों इसकी वजह से लोगों का जीना मुहाल हो जाता है।

क्या होता है कोहरा

ठंड के मौसम में सड़कों पर, घर के आस-पास और खुले मैदान में जमीन से सटते हुए बादलों जैसे दिखने वाली धुंध को ही वास्तविकता में कोहरा या फॉग कहा जाता है। सर्दियों के मौसम में खासकर दिसंबर से फरवरी तक सुबह के समय काफी देर तक यह दिखता है। ज्यादा सर्दी पड़ने पर कई बार पूरे-पूरे दिन ऐसे ही हालात बने रहते हैं कि न तो सूरज की किरणें और न ही कोई और रोशनी ठीक से हम तक पहुंचती है। ऐसी स्थिति कोहरे की वजह से ही होती है।

क्या हैं इसके कारण

कोहरा बनना एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है। सामान्य तौर पर ठंड के मौसम में रात के समय जब आकाश में बादल नहीं होते, तब धरती की सतह काफी ठंडी हो जाती है और हवा में मौजूद भाप कणों के रूप में इकट्ठा हो जाती है तो वातावरण घना हो जाता है, दिखाई देना कम हो जाता है। इस वजह से सूर्य की किरणें धरती तक आसानी से नहीं पहुंच पाती और धरती पर अंधेरे जैसा माहौल बन जाता है। कुछ भी साफ-साफ नहीं दिखाई देता है और धुआ जैसी स्थिति बनी रहती है। इसी प्रक्रिया से कोहरे का निर्माण होता है। अत्यधिक प्रदूषण होने की वजह से भी कोहरा ज्यादा बनता है। यही वजह है कि दिल्ली जैसे ज्यादा प्रदूषित शहरों में कोहरे की समस्या ज्यादा दिखती है।

क्या होता है असर

कोहरे की वजह से दृश्यता (विजिबिलिटी) काफी कम हो जाती है, इस कारण दिखाई देना कम हो जाता है। ऐसा होने पर सड़कों पर गाड़ियों के चलने में, रेलवे ट्रैक पर ट्रेन चलने में काफी कठिनाई आती है। इतना ही नहीं, ऐसा होने हवाई जहाज भी नहीं चल पाते। यातायात के सभी साधनों के चलने में कठिनाई आने पर कहीं भी जाने-आने में काफी समय बर्बाद होता है। अक्सर जरूरी काम भी इस वजह से समय पर नहीं हो पाता। कोहरे से लोगों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ता है। अस्थमा और ब्रॉन्काइटिस जैसी बीमारियों के मरीजों को कोहरे से सबसे ज्यादा समस्या होती है। कोहरे में अक्सर उनकी परेशानी बढ़ जाती है।

उत्तर भारत में सबसे ज्यादा

दिल्ली के अलावा, उत्तरप्रदेश, उत्तरी हरियाणा, दक्षिणी पंजाब और बिहार में सबसे ज्यादा कोहरा छाया रहता है। इन इलाकों में प्रदूषण ज्यादा होने और अत्यधिक ठंड होने की वजह से धुंध की समस्या काफी अधिक होती है।

कैसा लगा यह अंक

प्रत्यूष

इस अंक में कौन सा आलेख आपको ज्यादा पसंद आया। आप किन विषयों पर आलेख पढ़ना ज्यादा पसंद करेंगे? किस विषय पर आप हमें अपना मौलिक आलेख, शोध, कविता, कहानी भेजना चाहेंगे। कृपया हमें लिखें। आपके रचनात्मक सुझावों का सदैव स्वागत होगा।

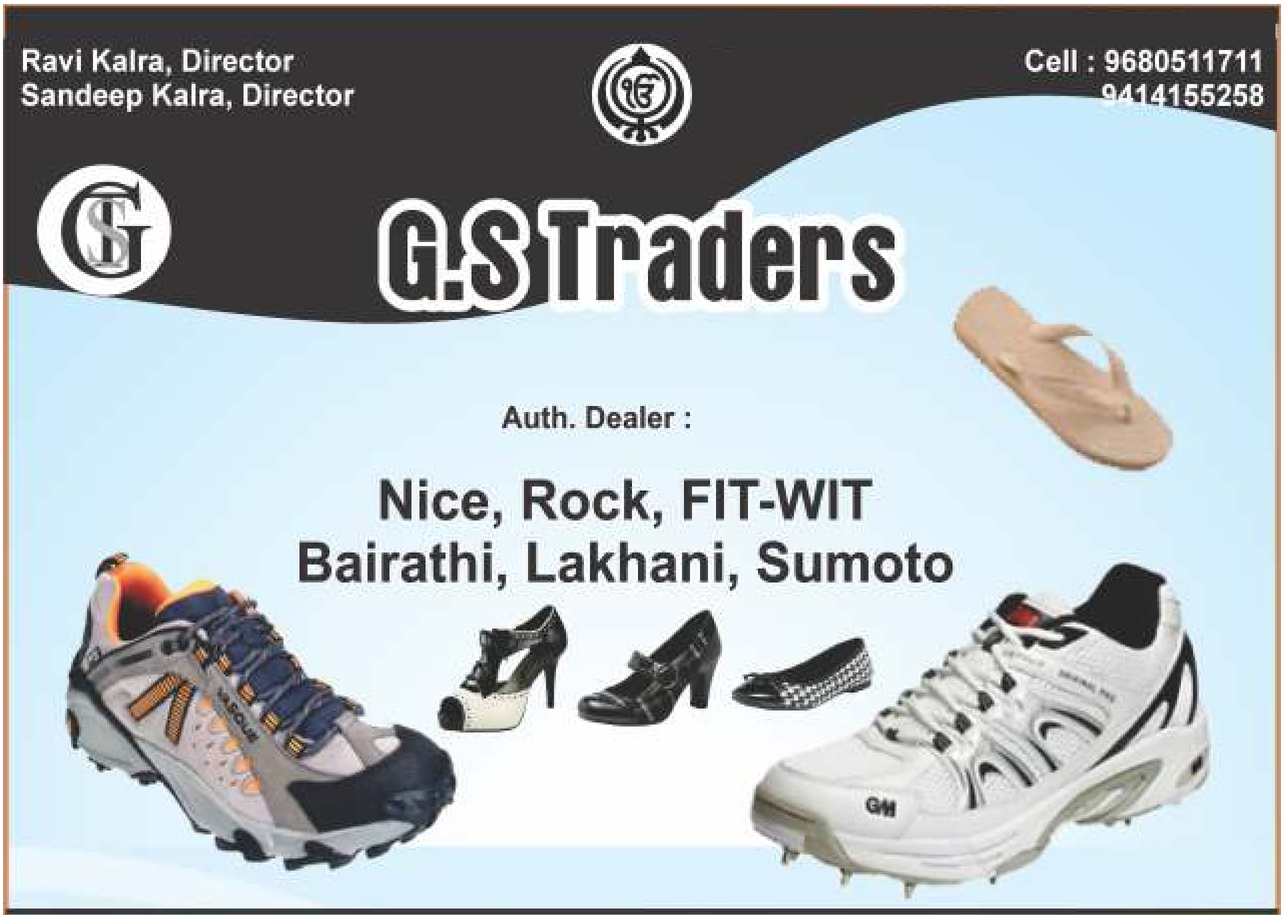

Ravi Kalra, Director
Sandeep Kalra, Director
Cell : 9680511711
9414155258
G.S Traders
Auth. Dealer :
Nice, Rock, FIT-WIT
Bairathi, Lakhani, Sumoto

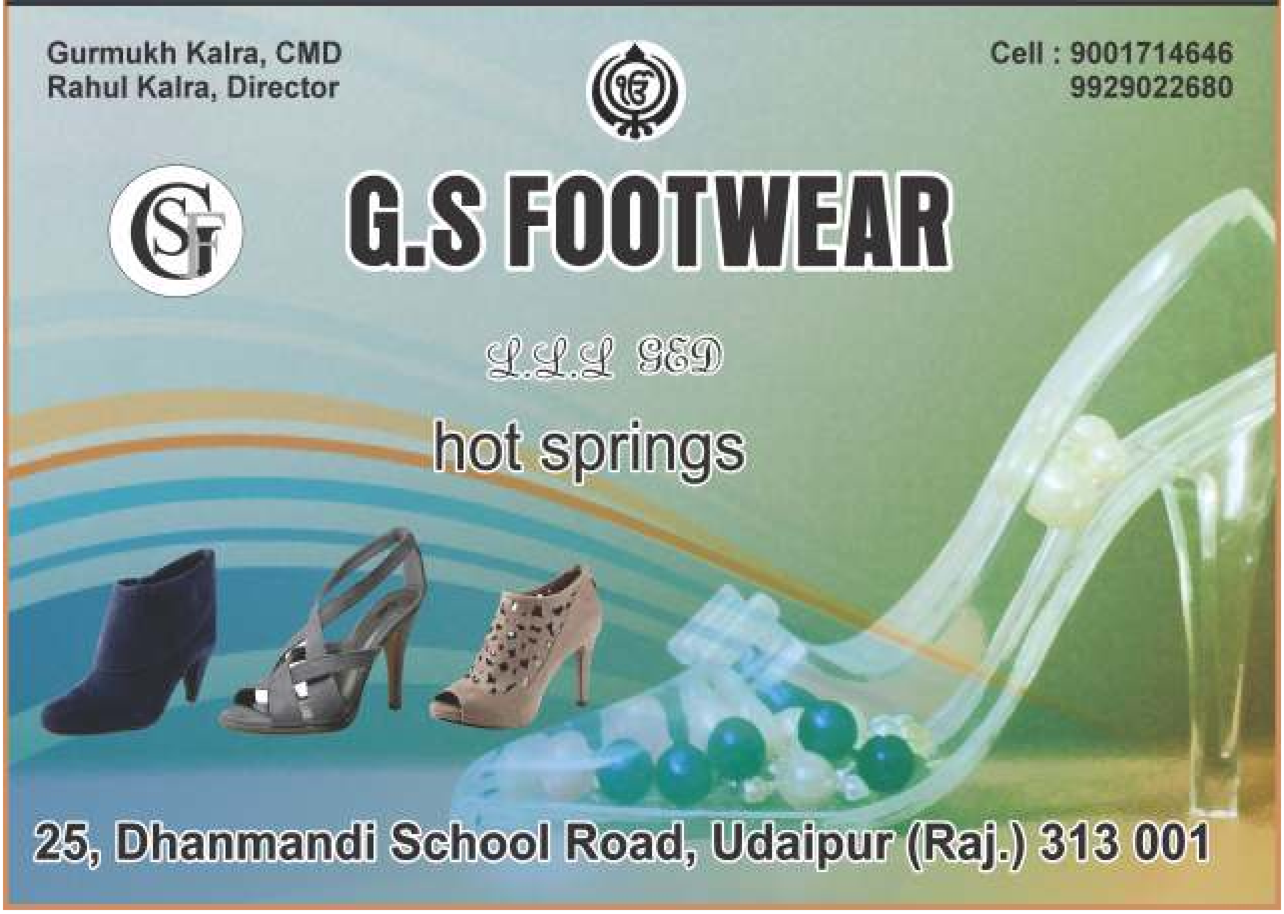

Gurmukh Kalra, CMD
Rahul Kalra, Director
Cell : 9001714646
9929022680
G.S FOOTWEAR
L.L.L GED
hot springs
25, Dhanmandi School Road, Udaipur (Raj.) 313 001

वास्तु असंतुलन से बच्चों में भटकाव

नरेश सिंगल

बच्चे के उज्जवल भविष्य के लिए बेहद जरूरी है कि पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ वह बाकी सारी गतिविधियों में भी सक्रिय हों। उसे स्पष्ट पता हो कि भविष्य में उसे क्या करना है और वैसा ही उसका रुझान हो। बच्चों के बहुआयामी विकास के लिए उसे सही मार्गदर्शन और परिवेश के साथ-साथ सही वातावरण देना भी बेहद जरूरी है। अगर आपके प्रयासों के बावजूद बच्चे में भटकाव दिखता है, तो ऐसे में उसकी प्रगति और विकास के लिए वास्तु की मदद भी ले सकते हैं, क्योंकि उसके ऐसे व्यवहार की वजह आपके घर में वास्तु असंतुलन भी हो सकता है।

क्या है कारण

✦ बच्चे के कमरे में दक्षिण-पश्चिम में खेलकूद का सामान रखा होने पर बच्चे के व्यवहार में भटाकाव दिखता है।

✦ अगर घर में बच्चे की पढ़ाई की जगह या जगहों पर दोस्तों के साथ मौज-मस्ती, खेलकूद करती उसकी तस्वीरें हैं, तो भी बच्चे में पढ़ाई से अरुचि देखी जा सकती है।

✦ अनजाने में ही, हो सकता है आपने उसकी स्टडी टेबल मनोरंजन के जोन पूर्व-उत्तर-पूर्व में करा दी हो। फलतः उसका मन पढ़ाई में नही लगेगा।

✦ बच्चे का कमरा दक्षिण-पश्चिम में होने पर भी बच्चे में ऐसा व्यवहार पनप जाता है।

✦ उत्तर-पूर्व कटा होना या लाल रंग का होना भी ऐसे परिणाम देता है।

✦ कमरे का पश्चिमी कोना कटा हो, तो भी उसका दुष्प्रभाव बच्चे पर पड़ता है।

✦ घर में अग्नि तत्व और दक्षिण जोन का असंतुलित होना।

इन पर करें अमल

वास्तुशास्त्र में हर कार्य को करने के लिए अलग दिशा क्षेत्र हैं। बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए वास्तु के उपायों पर अमल करें।

✦ अगर बच्चे में अपने करियर को लेकर स्पष्टता नहीं है, तो उसका कमरा उत्तर-पूर्व में बनाएं। यहां रहने से मन में नये विचार आते हैं। बच्चा अपनी बात को किसी के भी समक्ष स्पष्टता से प्रस्तुत कर पाता है। इस दिशा में रहने से उसकी संप्रेषण क्षमता बढ़ने के साथ-साथ उसमें अपने लक्ष्यों को लेकर स्पष्टता आती है। साथ ही हंस पर विराजमान सरस्वती माता का चित्र भी लगाएं।

✦ बच्चे के उज्ज्वल भविष्य के लिए यह बेहद जरूरी है कि उसकी कम्युनिकेशन स्किल बेहतर हो। जब भी वह पूर्व जोन में वाद-विवाद की प्रैक्टिस करेगा तो उसकी कम्यूनिकेशन स्किल बेहतर होगी।

✦ उसके कमरे में दक्षिण-पश्चिम में गेम्स, दोस्तों की तस्वीरें या फिर मनोरंजन का कोई अन्य सामान्य रखने से परहेज करें। यहां पर जो भी सामग्री होगी उसी ओर उसका ध्यान केंद्रित होगा। इसीलिए उसकी रुचि व विषय से संबंधित चीजों को ही इस जोन में रखें।

कमरे की सजावट

✦ बच्चे के कमरे में उसके पलंग को पूर्व-पश्चिम धुरी पर रखें। उनकी स्टडी टेबल इस तरह रखी होनी चाहिए कि पढ़ते समय उनका मुख पूर्व दिशा में ही रहे।

✦ सोते समय उसके पैर दक्षिण की ओर न करें। कमरे की दीवारों पर हल्के रंगों जैसे हरा, नीला या फिर हल्के पीले या ऑफ व्हाइट कलर का पेंट करवाना चाहिए।

✦ उनके कमरे के पर्दों का रंग भी हरा, नीला या फिर पीला रखें।

✦ उत्तर-पूर्व में उसके विषयों से जुड़ी कोई तस्वीर लगाएं।

✦ बेड लगाते समय ख्याल रखें कि बच्चे का सिर शौचालय की ओर ना हो। शौचालय विसर्जन की जगह है। इस ओर सिर करके सोने से बच्चे का ध्यान पढ़ाई से हट जाता है।

तुलसी पूजा : त्रिताप से मुक्ति

यों तो तुलसी की पूजा बारह महीने ही होती है और इनके बिना कोई प्रसाद पूर्ण नहीं माना जाता है। लेकिन कार्तिक महीने में इनकी पूजा का विशेष महत्व है। शास्त्रों के अनुसार इस महीने में रात को तुलसी के आगे दीया जलाने से दैहिक, दैविक एवं भौतिक तापों से छुटकारा मिलता है और समस्त भौतिक सुखों की प्राप्ति होती है। कार्तिक पूर्णिमा को ही तुलसी का जन्म हुआ और सर्वप्रथम श्रीहरि ने ही इनकी पूजा की और कहा कि जिस घर- आंगन तुलसी का वृक्ष रहेगा, वहां दुख-दरिद्रता के लिए स्थान नहीं होगा। कार्तिक माह में की गई पूजा वर्ष भर के पूजन जैसा फल देगी, इसलिए हरिप्रिया तुलसी का यह दशाक्षर मंत्र 'श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं वृंदावन्यै स्वाहा' सभी चारों पुरुषार्थों को देने वाला है। भगवान कृष्ण के आठ प्रमुख पार्षद गोपों में परम भक्त सुदामा नाम के गोप, जो स्वयं कृष्ण के ही अंश थे, राधा के श्रापवश पृथ्वी पर दानव कुल में शंखचूड़ नाम से उत्पन्न हुए। ब्रह्माजी के कहने पर इन्होंने वृंदा से गंधर्व विवाह किया। कृष्ण अंश शंखचूड़ का वध किसी से संभव नहीं था, इसलिए नारायण ने शंखचूड़ का रूप धारण करके वृंदा का सतीत्व नष्ट किया और उसका वध किया। अपने सतीत्व के नष्ट होने के आभास से वृंदा क्रोधित होकर श्री नारायण को श्राप देने ही वाली थीं कि वे अपने असली रूप में प्रकट हो गए। वृंदा ने कहा, 'आप पाषाण हृदय हैं, इसलिए पाषाण होकर पृथ्वी पर रहे।' नारायण ने वृंदा से करुणापूर्वक कहा, ''भद्रे! तुम पृथ्वी पर बहुत काल तक रह कर मेरे लिए तपस्या कर चुकी हो, इसलिए तुम इस शरीर को त्याग कर दिव्य देह धारण कर मेरे साथ आनंद करो। तुम्हारा यह शरीर गंडकी नदी नाम से प्रसिद्ध होगा। तुम्हारे केश से नदी किनारे पवित्र वृक्ष होंगे, जिन्हें 'तुलसी' नाम से जाना जाएगा। वह सभी वृक्षों में श्रेष्ठ होगा एवं निरंतर मेरे शरीर की शोभा बढ़ाएगा। जहां तुम अधिक संख्या में रहोगी, वहां 'वृंदावनी' कहलाओगी।''

-पं. जयगोविंद शास्त्री

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

विशाल नागदा
डायरेक्टर

Bharat Petroleum

विशाल फिलिंग स्टेशन

प्रतापनगर, उदयपुर - 313001 (राज.)
फोनः 0294-2491360, 2492870 (पम्प), मो.: 94141-57870

सीसारमा, उदयपुर (राज.) फोनः 0294-2430819

'मोती डूंगरी गणेशजी का मावली से सम्बन्ध'

बसंत त्रिपाठी

राजस्थान के मेवाड़ अंचल का मावली कस्बा अपने विशाल रेल्वे जंक्शन तथा लच्छेदार रबड़ी के लिए प्रसिद्ध है। जयपुर के मोती डूंगरी गणेश मंदिर के साथ इस कस्बे का संबंध जुड़ना यहां के लोग अपना सौभाग्य मानते हैं। मोती डूंगरी गणेश जी की प्रतिमा लगभग 760 वर्ष पुरानी बताई जाती है। कहा जाता है कि इस प्रतिमा को गुजरात से 500 वर्ष पूर्व मावली लाकर एक स्कूल में स्थापित किया गया जो वर्तमान में राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय के रूप में जाना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि जयपुर के महाराजा माधोसिंह प्रथम अपनी रानी एवं जयपुर के सेठ जयराम पालीवाल के साथ किसी कार्यवश उदयपुर होकर मावली पधारे थे। यहां वे इस गणेश मूर्ति को देख बहुत प्रभावित हुए और उन्होंने इसे जयपुर ले जाने की इच्छा जाहिर की। कहा जाता है कि मेवाड़ के तत्कालीन राणा ने प्रतिमा को बैलगाड़ी से जयपुर ले जाने का आदेश दिया था। इस प्रकार यह प्रतिमा 250 वर्ष पूर्व मावली से जयपुर ले जाई गयी और 1761 में जयपुर की मोती डूंगरी पर मंदिर का निर्माण कर उसमें प्रतिष्ठित की गई। यह भी शोध का विषय है कि जिस मावली का उल्लेख शिलालेख में है, वह मेवाड़ अंचल की मावली है अथवा गुजरात की। यदि गुजरात की मावली है तो उसका संबंध इस प्रतिमा से किस रूप में जुड़ा है? मंदिर के पास स्थित शिलालेख में भी मावली का उल्लेख है। मोती डूंगरी के गणपति सिन्दूरी लाल रंग में होने से भक्तों को अग्नि तत्व सुरक्षा प्रदान करते है तथा आग्नेय कोण में बिराजे होने से भक्तजन को सुरक्षा प्रदान करते हैं। इस मंदिर में प्रार्थना से मनोकामनाएं निर्विघ्न सफल होती हैं। ऐसे चमत्कारिक गणेश जी की कृपा से वंचित मावली के भक्त चाहते हैं कि उनका स्वरूप यहां भी दर्शन दे। वे चाहते हैं कि मोती डूंगरी गणेश जी की प्रतिमा का स्वरूप मावली में भी स्थापित हो एवं मावली जंक्शन रेल्वे स्टेशन पर इस प्रतिमा के इतिहास का सचित्र उल्लेख किया जाए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

कविता

बड़ी प्यारी होती है बेटियां

मां-बाप की दुलारी होती है बेटियां
बड़ी प्यारी होती है बेटियां
चंदन अबीर मौली होली होती हैं बेटियां
पिता की मां और मां की सहेली होती है बेटियां
घर का हंसना, खेलना वार- त्यौहार,
आंगन की रंगोली होती है बेटियां
मां की रसोई में हाथ बटाती,
तो कभी कराहती मां के सर-
कमर में दवा लगाती बेटियां
घर की तीमारदार होती है बेटियां
सौभाग्य होती है बेटी
घर आंगन की चिरैया होती है
शब्द नहीं जो बता पाए
माता-पिता के लिए बेटी क्या होती है?
पिता सुदामा सा हो तो कृष्ण सी होती हैं बेटियां
पिता जनक सा हो तो सीता सी होती हैं बेटियां
भाई भरत सा हो तो राम सी होती हैं बेटियां
नहीं चाहती बेटियां घर, दौलत, बर्तन, गहनों में हिस्सा
हर घर में सदा रहे बहनों का भी थोड़ा किस्सा,
ममता- मोहब्बत उसके हिस्से भी बरसे
बस इतना ही तो चाहती है बेटियां
कुदरत की सबसे बड़ी नैमत हैं, यह छोटी-छोटी सी
घर में डोलती, खेलती-हंसती, चहकती-प्यारी सी बेटियां

प्रस्तुति : शीतल श्रीमाली

जो बल से विजय प्राप्त करता है, वह शत्रु पर आधी विजय ही प्राप्त करता है।

-मिल्टन

हार्दिक श्रद्धांजलि

हमारे प्रिय एवं आदरणीय

श्रीमान इं. रामसुरेशजी यादव

(CMD UNIQUE GROUP)

(सुपुत्र स्व. श्रीमती महरजिया देवी–स्व. बैजनाथ जी यादव)

के दिनांक 14 नवम्बर 2024 को निधन पर हम सभी परिवारजन विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

लीलावती देवी (धर्मपत्नी),

अतुल–शर्मिष्ठा (पुत्र–पुत्रवधू), **चेतन्य** (पुत्र),

दीपचंद (चाचा), **रमावती देवी–परशुरामजी, लीलावती देवी–जयरामजी,**

शांतिदेवी–संजय जी, स्व. प्रमिला–जय श्री यादव (बहन–बहनोई)

एवं समस्त यादव परिवार **Mo.: 99298 10101, 79912 30101**

निवासः मकान नं. 18-19 बड़बड़ेश्वर महादेव रोड,
जीवनतारा रिसोर्ट के पीछे, देवाली, उदयपुर

प्रतिष्ठान

UNIQUE ENGINEERING PVT. LTD.

शुक्र देते हैं ऐश्वर्य और ज्ञान

डॉ. संजीव कुमार शर्मा

असुरों के गुरु शुक्र को भोग और सुख-साधन का ग्रह माना जाता है। इनके 12 भावों में अलग-अलग फल होते हैं :

प्रथम भाव : इसमें कारक हो तो व्यक्ति सुखी, बुद्धिमान, कोमल स्वभाव का, युवा दिखाई देता है। अकारक हो तो भोग-विलास में पैसा उड़ाएगा।

द्वितीय भाव : कारक होने पर व्यक्ति सहयोगी, कलात्मक प्रवृत्ति, मधुर वाणी, चतुर वक्ता और कुटुंब के साथ अच्छा व्यवहार करने वाला होगा।

तृतीय भाव : व्यक्ति भाई-बहन से प्रेम करनेवाला, कंजूस और छोटी यात्राएं करेगा। नीच हो तो भाई-बहन से झगड़े होंगे या भाई या बहन बीमार होंगे।

चतुर्थ भाव : कारक हो तो व्यक्ति शांत, सुखी गृहस्थ जीवन, मकान-वाहन सुख, माता से धन की प्राप्ति। अकारक हो तो मां के स्वास्थ्य की हानि। मकान या गाड़ी खरीदने में झंझट होगा।

पंचम भाव : कारक हो तो व्यक्ति विद्वान, सुखी, सट्टा-लॉटरी या व्यापार से पैसा अर्जित करेगा। मारक हो तो व्यक्ति स्त्रियों पर पैसा खर्च करेगा और उदर रोगी होगा।

षष्ठ भाव : ऐसा व्यक्ति दुराचारी और संकीर्ण मनोवृत्ति का होगा। वह अस्वस्थ रहेगा।

सप्तम भाव : कारक हो तो व्यक्ति पिता से अधिक प्रभावशाली, उच्च स्तर का रहन-सहन, साझेदारी में लाभ। अकारक हो तो वैवाहिक जीवन दुखी।

अष्टम भाव : पत्नी रोगी और अल्पायु, असफल प्रेमी, माता को कष्ट तथा गुप्त कार्यों में समय बिताएगा।

नवम भाव : कारक हो तो व्यक्ति उदार, तपस्वी, प्रतिभाशाली, साहित्य में रुचि, राज्य से सम्मान। मारक है तो पिता रोगी होगा और पिता से अनबन। भाग्य में कमी।

दशम भाव : कारक होने पर व्यक्ति धनी, कलाकार, विद्वान, पैतृक संपत्ति का योग, कानून-विशेषज्ञ। माता-पिता का भक्त। नीच हो तो कार्य में अवरोध अथवा व्यापार नहीं चलेगा।

एकादश भाव : कारक हो तो व्यक्ति प्रभावशाली, उदार, बुद्धिमान, रत्न व मनोरंजन के सामानों का व्यापार कर सकता है।

द्वादश भाव : में हो तो आध्यात्मिक मार्ग की ओर जा सकता है। विदेश यात्रा का योग भी होता है। अकारक हो तो कंजूस, अनैतिक कार्य करेगा।

पाठक पीठ

मौजूदा राजनीति में मूल्यों का अवमूल्यन किस हद तक हो गया है, उसका परिचय देता है, प्रत्यूष के नवम्बर अंक में पंकजकुमार शर्मा का आलेख 'इस्तीफे के अलावा नहीं था कोई विकल्प'। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से संदर्भित इस आलेख से स्पष्ट हो जाता है कि 'पब्लिक' सब जानती है और समय पर मुखौटे नोच भी लेती हैं।

अभिषेक सिंघवी, सीएमडी,
राजस्थान बेराइट्स

'स्मरण' स्तम्भ में पत्रकार-लेखक श्री वेदव्यास का 'काश! आज इंदिरा गांधी होती...' आलेख उनकी जयंती पर बेहतर श्रद्धांजलि था। निश्चय ही वे दुस्साहसी और दृढ प्रतिज्ञ राजनेता थीं। वे देश की एकता, अखंडता और गौरव के प्रति बहुत अधिक सजग थीं।

नरेश शर्मा, डायरेक्टर,
शांतिराज हॉस्पिटल

'प्रत्यूष' का नवम्बर अंक मिला। इसके सभी लेख स्तरीय व पठनीय थे। दीपावली उत्सव से संबंधित आलेख तो अच्छे लगे ही, लेकिन जयप्रकाश त्रिपाठी का आलेख 'भूख, कुपोषण, शोषण और तस्करी का शिकार बचपन' आंखों में नमी और हृदय को झकझोर देने वाला था। यह आलेख बच्चों के शोषण की भयावह तस्वीर थी। ये हालात बदलने चाहिए।

शुभम तायलिया,
डायरेक्टर,इकॉन

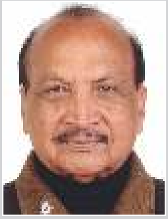

नये कलेवर एवं विश्व पटल पर भारत की पहचान के साथ-साथ ताजा, सामाजिक, शैक्षिक, व्यापारिक एवं सेवा संकल्पों से संबंधित विषयों को अननवरत शोमिल करने से प्रत्यूष अपनी अलग ही पहचान रखती हैं। 22 वर्षों से नियमित प्रकाशन और पाठकों के बीच जगह बनाना कोई मामूली बात नहीं हैं। बड़ोला-तलेसरा ग्रुप के सभी सदस्यगण हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करते हैं। पत्रिका भविष्य में अधिक लोकप्रियता प्राप्त करें। बड़ोला हुण्डई के सामाजिक सरोकार के कार्यों को पत्रिका में उचित स्थान देने पर आभार।

नक्षत्र तलेसरा, *डायरेक्टर,*
बड़ोला हुण्डई

ढोकले तरह-तरह के

सर्दी के मौसम में बनने वाले ढोकले स्वादिष्ट होने के साथ-साथ पौष्टिक भी होते हैं। प्रस्तुत है झटपट बनने वाले ढोकलों की विधि।

कला केडिया

फ्राइड ढोकला

सामग्री: बेसन–200 ग्राम, नमक–एक छोटा चम्मच, हल्दी–1/2 छोटा चम्मच, हरी मिर्च और अदरक का पेस्ट–एक छोटा चम्मच, फ्रूट सॉल्ट–एक छोटा चम्मच ।

फ्राई करने के लिए: टमेटो सॉस–एक कप, लाल मिर्च–1/2 छोटा चम्मच, आमचूर–एक छोटा चम्मच, राई–1/2 छोटा चम्मच, तेल–एक बड़ा चम्मच, नमक– 1/2 छोटा चम्मच, गरम मसाला–1/2 छोटा चम्मच ।

यूं बनाएं : बेसन को गाढ़ा घोल कर 20 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर इसमें सारी सामग्री मिलाकर फ्रूट सॉल्ट डालकर तुरंत खमण के सांचे में डालकर 15 मिनट के लिए पकाएं। ठंडा होने पर पीस काट लें।

फ्राई करना: कड़ाई में तेल डालें। इसमें राई डालें, राई चटकने पर फ्राई करने वाली सारी चीजें डाल दें। अब ढोकले के पीस मिला दें। चाट मसाला डालकर सर्व करें।

राजमा ढोकला

सामग्री: बेसन–200 ग्राम, राजमा पिसा हुआ–एक कप, नमक–एक छोटा चम्मच, हरी मिर्च और अदरक का पेस्ट–एक छोटा चम्मच, फ्रूट सॉल्ट–एक छोटा चम्मच ।

तड़का लगाने के लिए: तेल–एक बड़ा चम्मच, राई–1/2 छोटा चम्मच, हरी मिर्च के टुकड़े–3 से 4, चीनी– एक छोटा चम्मच, नींबू का रस–एक छोटा चम्मच, नमक–1/2 छोटा चम्मच, हरा धनिया, पानी–आवश्यकतानुसार।

यूं बनाएं: बेसन को गाढ़ा घोलकर 20 मिनट के लिए छोड़ दें और फिर बाकी सामग्री डालकर फ्रूट सॉल्ट डालकर तुरंत पकाने रखें। ठंडा होने पर पीस काट लें ।

तड़का: एक बरतन में तेल डालें। हरी मिर्च और राई डालें। जैसे ही राई चटकने लगे, उसमें दो कप पानी डालें और फिर चीनी, नींबू, नमक डालकर उबाल लें। ढोकले को थाली में डालें। ऊपर से तड़का डालें ।

मिक्स दाल ढोकला

सामग्री: चने की दाल–1/2 कप, मूंग की धुली दाल–1/2 कप, उड़द की दाल–1/2 कप, लाल मसूर की दाल–1/2 कप, हल्दी– 1/2 छोटा चम्मच, नमक–एक छोटा चम्मच, हरी मिर्च और अदरक का पेस्ट–एक छोटा चम्मच, नींबू का रस–2 छोटा चम्मच, फ्रूट सॉल्ट–एक छोटा चम्मच ।

तड़का लगाने के लिए: तेल– एक बड़ा चम्मच, राई–1/2 छोटा चम्मच, हरी मिर्च के टुकड़े–3 से 4, चीनी–एक छोटा चम्मच, नींबू का रस– एक छोटा चम्मच, नमक– 1/2 छोटा चम्मच, हरा धनिया– थोड़ा सा पानी आवश्यकतानुसार ।

यूं बनाएं: दालों को भिगोकर पीस लें। फिर इन्हें दो घंटे के लिए छोड़ दें। उसके बाद उसमें फ्रूट सॉल्ट डालकर तुरंत ढोकले बनाएं। बीस मिनट तक पकाएं।

तड़का: एक बरतन में तेल डालें। हरी मिर्च और राई डालें। जैसे ही राई चटकने लगे, उसमें दो कप पानी डालें और फिर चीनी, नींबू, नमक डालकर उबाल लें। ढोकले को थाली में डालें। ऊपर से तड़का डालें ।

पालक-खमण ढोकला

सामग्री: सूजी–200 ग्राम, पालक का पेस्ट–एक कप, नमक–एक छोटा चम्मच, हरी मिर्च और अदरक का पेस्ट–एक छोटा चम्मच, फ्रूट सॉल्ट–एक छोटा चम्मच ।

तड़का लगाने के लिए: तेल–एक बड़ा चम्मच, राई–1/2 छोटा चम्मच, हरी मिर्च के टुकड़े–3 से 4, चीनी–एक छोटा चम्मच, नींबू का रस–एक छोटा चम्मच, नमक–1/2 छोटा चम्मच, हरा धनिया–थोड़ा सा, पानी–आवश्यकतानुसार ।

यूं बनाएं: सूजी को घोलकर 20 मिनट के लिए छोड़ दें। मिश्रण की सारी सामग्री मिलाएं। बाद में फ्रूट सॉल्ट मिलाकर खमण के सांचों में डालकर 15 मिनट तक पकाएं।

तड़का बनाना: एक बरतन में तेल डालें । हरी मिर्च और राई डालें। जैसे ही राई चटकने लगे, उसमें दो कप पानी डालें और फिर चीनी, नींबू, नमक डालकर उबाल लें। ढोकले को थाली में डालें। ऊपर से तड़का डालें ।

गाजर ढोकला

सामग्री: सूजी–एक कप, चावल का आटा–एक कप, गाजर कद्दूकस की हुई–एक कप, नमक– एक छोटा चम्मच, चीनी– 1/2 छोटा चम्मच, नींबू का रस–एक छोटा चम्मच, हरी मिर्च और अदरक का पेस्ट–एक छोटा चम्मच, फ्रूट सॉल्ट–एक छोटा चम्मच, हरा धनिया ।

यूं बनाएं: सूजी और चावल के आटे का गाढ़ा घोल बनाकर आधा घंटे के लिए छोड़ दें। उसके 9 बाद उसमें फ्रूट सॉल्ट छोड़कर बाकी सारी सामग्री डालकर पांच मिनट के लिए रख दें। फिर फ्रूट सॉल्ट डालकर ढोकले बनाएं।

तड़का लगाने के लिए: तेल– एक बड़ा चम्मच, राई– 1/2 छोटा चम्मच, हरी मिर्च के टुकड़े 3 से 4, चीनी– एक छोटा चम्मच, नींबू का रस– एक छोटा चम्मच, नमक– 1/2 छोटा चम्मच, हरा धनिया – थोड़ा सा बारीक कटा हुआ, पानी–आवश्यकतानुसार ।

तड़का: एक बरतन में तेल डालें। हरी मिर्च और राई डालें। जैसे ही राई चटकने लगे, उसमें दो कप पानी डालें और फिर चीनी, नींबू, नमक डालकर उबाल लें। ढोकले को थाली में डालें। ऊपर से तड़का डालें।

੧ੴ ''एक आँकार सत् गुरू परसाद''
घलै आवे नानका सदे उठी जावे

श्रद्धांजलि

स्वर्गवास– 5 दिसम्बर, 2013

स्व. सरदार जोगिन्दर सिंह सोनी

सुपुत्र स्व. सरदार अमरीक सिंह सोनी

''आपकी यादें, आपका आभास, आपका विश्वास,
सबकुछ है हमारे पास, आपके अहसासों में।
आप तो हर पल बसे हुए हैं दिल की धड़कन में,
भीगी पलकों में.... परिवार की सासों में।।''

श्रद्धावनत्ः स. गुरूप्रीत सिंह सोनी–सोनिया **(पुत्र-पुत्रवधू)**, सूरज, सागर **(पौत्र)**, चान्दनी **(पौत्री)**, स्वीटी–आर.एस. बग्गा, प्रेटी–खुशबीर सिंह, फेरी–आज्ञापाल सिंह, रीना–जसपाल सिंह **(पुत्री-दामाद)**, स. परमजीत सिंह–कमलजीत कौर **(साला-सलहज)** एवं **समस्त सोनी परिवार।**

इस माह आपके सितारे

पं. शोभालाल शर्मा

इस माह के पर्व/त्योहार

3 दिसम्बर	मार्गशीर्ष शुक्ल द्वितीया	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जयंती
6 दिसम्बर	मार्गशीर्ष शुक्ल पंचमी	राम-जानकी विवाहोत्सव /गुरू तेग बहादुर शहीद दिवस
10 दिसम्बर	मार्गशीर्ष शुक्ल दशमी	मानवाधिकार दिवस
11 दिसम्बर	मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी	श्रीमद्भगवत् गीता जयंती
15 दिसम्बर	मार्गशीर्ष पूर्णिमा	अन्नपूर्णा जयंती / मलमास प्रारंभ
23 दिसम्बर	पौष कृष्णा अष्टमी	किसान दिवस
25 दिसम्बर	पौष कृष्णा दशमी	क्रिसमस डे / अटल बिहारी वाजपेयी व पं. मदन मोहन मालवीय जयंती/ श्रीपार्श्वनाथ जयंती

मेष

साहस की कमी रहेगी, मान–सम्मान, पद प्रतिष्ठा में न्यूनता, शासकीय एवं राजकीय कार्यों में बाधाएं उत्पन्न होंगी, विद्यार्थी वर्ग चिन्तित रहेगा, आगे बढ़ने का यत्न करेंगे परन्तु आंशिक सफलता मिलेगी, स्वास्थ्य ठीक रहेगा, वरिष्ठ पथ–प्रदर्शक के सानिध्य में रहें, भाग्य का साथ देगा, आय सामान्य रहेगी।

वृषभ

लम्बित योजनाओं को मूल रूप दे पाएंगे। भाग्य आगे बढ़ने के लिए पथ प्रशस्त करेगा। व्यवसाय में नवीनता आएगी, विदेश यात्राओं के योग बन सकते हैं, मान सम्मान में वृद्धि होगी, स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, आकस्मिक आय की सम्भावनाएं बनेंगी, अपनी वाक् पटुता से काम बना लेंगे।

मिथुन

माह का उत्तरार्द्ध सुकून देने वाला रहेगा, दाहिने नेत्र में कष्ट हो सकता है, किसी दीर्घकालिक व्याधि का सामना करना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र में अफरा–तफरी एवं अपने सहकर्मियों के साथ विवाद सम्भव, भाई–बहिनों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा, मौन रहना श्रेयस्कर रहेगा। स्थान परिवर्तन के योग हैं।

कर्क

सन्तान पक्ष से मनोवांछित फल मिलेगा, परन्तु स्वयं में आत्मविश्वास की कमी अनुभव करेंगे। अपने ही लोग आपके विरोध में उतर सकते हैं, स्वास्थ्य में कमी रहेगी, दाम्पत्य जीवन में नवीनता रहेगी। निरकुशंता ठीक नहीं, विचारों एवं स्वभाव में परिवर्तन लाभदायक रहेगा, भाई–बहिनों से मतभेद संभव हैं।

सिंह

माह का पूर्वार्द्ध कार्य क्षेत्र में सफलता दिलवाएगा। राजकीय सेवा के लालायित जातक सफलता प्राप्त करेंगे, गुप्त विकार संभव, शत्रु पक्ष का दमन होगा, किसी पुरानी बिमारी से भी मुक्ति मिलेगी। स्वजनों से लाभ की संभावना, वाहनादि को सावधानी पूर्वक काम में लें, पैतृक सम्पति सम्बन्धित मामले और पेचीदा होंगे।

कन्या

विचारों में उथल–पुथल से अपने आप को उलझा हुआ पायेंगे, ऐसी परिस्थिति में भाई–बहिनों का परामर्श अच्छा काम आयेगा, भौतिक सुख सुविधाओं की ओर आकर्षित रहेंगे, एवं खर्च भी करेंगे। आय पक्ष मध्यम रहेगा, दाम्पत्य जीवन में अलगाव सम्भव। भूलकर भी साझेदारी न करें।

तुला

भौतिक सुख–सुविधाओं में वृद्धि के योग हैं, कार्य क्षेत्र में असन्तुलन रहेगा, धैर्य से काम लेंवे, सन्तान पक्ष से चिन्तित रहेंगे, अकस्मात धोखा, रकम अवरोध–विवाद बन सकता है। शासकीय एवं न्यायिक पक्ष कमजोर रहेगा। पिता से विवाद तथा पैतृक मामले भाई–बहिनों के सहयोग से सुलझ सकेंगे।

वृश्चिक

माह के पूवार्द्ध में क्रोध की अधिकता रहेगी, परन्तु सूझबूझ से नियन्त्रण पा लेंगे, सन्तान पक्ष से चिन्तामुक्त होंगे, कार्य क्षेत्र में असफलता की आशंका रहेगी, आवेश में आकर निर्णय नहीं लेंवे, लाभ की व्यवस्था में भी अचानक कमी आ सकती है, व्यापारिक गतिविधियों में अधिक सक्रियता रहेगी।

धनु

चल रही व्यवस्थाओं में परिवर्तन लाभकारी सिद्ध होगा, खोया हुआ धन वापस मिल सकता है, व्यर्थ के पचड़े में अपना धन एवं समय व्यतीत न करें, अपने से अधिनस्थों से सौहार्द पूर्ण व्यावहार करें, लाभ दिलायेंगे। रक्त विकार उत्पन्न हो सकते हैं, दीर्घकालीन बिमारी से मुक्ति सम्भव है।

मकर

दाम्पत्य जीवन कलह पूर्ण रहेगा, समाज में श्रेष्ठता प्राप्त करेंगे, जमीन जायदाद एवं व्यापारिक कार्य से लाभ होगा, स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, महत्वाकांक्षा पर कूठाराघात हो सकता है, विश्वास एवं समन्वय की कमी रहेगी, दमा–खांसी एवं नजले से परेशानी संभव, अपनी दैवीय शक्ति को बढ़ाने में सफल रहेंगे।

कुम्भ

कर्म क्षेत्र में अपनी प्रभुता का लोहा मनवायेंगे, कुटुम्ब सुख में कमी एवं पैतृक मामले पेचीदा बनेंगे, आय पक्ष सामान्य रहेगा, आकस्मिक अवघात की सम्भावना बनेंगी, प्रतियोगी परीक्षा में सफलता की प्राप्ति, चोरी का भय एवं धोखा, मनःस्ताप से परेशान रहेंगे, स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

मीन

किंकर्तव्य विमूढ की स्थिति से उबरना होगा। विवेकशक्ति का ह्रास होगा, स्वभाव में परिवर्तन संभव है, स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, माह का उत्तरार्द्ध शुभ फलदायी रहेगा, योजना पूर्वक कार्य सफलता दिलायेंगे, गलत कार्य में प्रवृत हो सकते हैं। दाम्पत्य जीवन सामान्य, भाग्य के सहारे काम बन सकते हैं।

प्रत्यूष समाचार

शपथ ग्रहण के साथ स्नेह मिलन संपन्न

उदयपुर। ओसवाल सभा उदयपुर के नवनिर्वाचित युवक प्रकोष्ठ के नेतृत्व में गत दिनों ओपेरा गार्डन में भक्ति संध्या, स्नेह मिलन और शपथ ग्रहण समारोह हुआ। प्रथम दिन एक शाम नाकोड़ा पार्श्वनाथ प्रभु भैरव दादा के नाम का आयोजन हुआ। आयोजन में पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया, केबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी, सहकारिता मंत्री गौतम दक, ओसवाल सभा के अध्यक्ष प्रकाश कोठारी, युवक परिषद के अध्यक्ष अनिल जारोली, महामंत्री धीरज भाणावत सहित कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। दूसरे दिन ओसवाल युवक प्रकोष्ठ, महिला प्रकोष्ठ एवं बहु प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह हुआ। इसमें राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया, शहर विधायक ताराचंद जैन, समाजसेवी दिनेश खोड़निया जीतों के राष्ट्रीय सचिव महावीर चपलोत, उदयपुर चैप्टर चेयरमैन यशवंत आंचलिया, जेएसजी मेवाड़ रीजन चेयरमैन अनिल नाहर, ओसवाल सभा अध्यक्ष प्रकाश कोठारी ने शपथ दिलवाई।

नीरजा मोदी स्कूल को एक्सपेरिएंशल लर्निंग अवार्ड

उदयपुर। एजुकेशन वर्ल्ड की ओर से आयोजित अवार्ड समारोह में नीरजा मोदी स्कूल को एक्सपेरिएंशल लर्निंग में उत्कृष्टता 2024-25 अवार्ड से सम्मानित किया गया। संस्था के चेयरमैन डॉ. महेन्द्र सोजतिया ने बताया कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए यह अवार्ड समारोह गुरुग्राम में आयोजित किया गया, जिसमें अवार्ड और प्रशस्ति पत्र साक्षी सोजतिया ने ग्रहण किया। विद्यालय की इस उपलब्धि पर संस्था के फाउंडर प्रोफेसर रणजीतसिंह सोजतिया, ट्रस्टी रीना सोजतिया, डॉ. ध्रुव सोजतिया और नेहल सोजतिया ने विद्यालय परिवार को इसका श्रेय दिया।

द यूनिवर्सल स्कूल सर्वश्रेष्ठ घोषित

उदयपुर। हाल ही में इंटरेक्ट क्लब रोटरी द्वारा करीब दो हजार अभिभावकों के बीच एक व्यापक सर्वेक्षण किया गया। जिसका उद्देश्य था बच्चों की शिक्षा, उनमें आत्मविश्वास, शिक्षकों की गुणवत्ता और अतिरिक्त गतिविधियों जैसे पहलुओं पर स्कूलों का आकलन करना था। सर्वेक्षण के परिणामों में द यूनिवर्सल स्कूल फतहपुरा को उदयपुर का सर्वश्रेष्ठ स्कूल घोषित किया गया। स्कूल के संस्थापक-निदेशक संदीप सिंघटवाड़िया ने बताया कि विद्यालय का उद्देश्य केवल शैक्षणिक उपलब्धियां ही नहीं है बल्कि बच्चों का सर्वांगीण विकास भी करना है।

पर्यावरण विशेष दल में मेहता भी

उदयपुर। संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन के लिए केन्द्रीय पर्यावरण मंत्रालय द्वारा नामित संस्थाओं, विशेषज्ञों के दल में विद्याभवन पॉलिटेक्निक के प्राचार्य डॉ. अनिल मेहता भी शामिल हैं। अजरबेजान की राजधानी बाकू में वे 11 से 22 नवम्बर तक संपन्न सम्मेलन में भारतीय पर्यावरण दर्शन, विचार व व्यवहार पर कार्य कर रहे 7 विशेषज्ञों में शामिल थे।

पीएमसीएच ने दिया मधुमेह, लकवे से बचाव का संदेश

उदयपुर। पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल की ओर से विश्व मधुमेह दिवस पर फतहसागर पर इंडिया स्ट्रोक एसोसिएशन, वर्ल्ड स्ट्रोक आर्गेनाइजेशन एवं स्ट्रोक सपोर्ट ग्रुप उदयपुर के तत्वावधान में रन फॉर डायबिटिज एवं मिशन फॉर ब्रेन अटैक के तहत अभियान चलाया गया। कार्यक्रम से आम आदमी को मधुमेह और लकवा से बचाव का संदेश दिया गया। रन फॉर डायबिटिज को पीएमसीएच के चेयरमैन राहुल अग्रवाल, वर्ल्ड स्ट्रोक ऑर्गेनाइजेशन के प्रेसिडेंट एवं मस्तिष्क रोग विशेष डॉ. अतुलाभ वाजपेयी, मेडिसीन विभागाध्यक्ष डॉ. वीके गोयल, डॉ. गिरीश वर्मा, डॉ. जगदीश विश्नोई एवं डॉ. वीरेन्द्र चौधरी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। चेयरमैन राहुल अग्रवाल ने कहा कि मधुमेह ऐसा रोग है, जिसके लक्षणों के बारे में आमजन को जानकारी नहीं है। समय पर जांचों के अभाव में इस बीमारी का पता नहीं लग पाता। इस उद्देश्य से पीएमसीएच द्वारा समय-समय पर इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम किए जाते हैं।

'सनाढ्य सरिता' के रजत जयंती अंक का विमोचन

उदयपुर। सनाढ्य समाज की पत्रिका सनाढ्य सरिता के रजत जयंती विशिष्टांक का गत दिनों स्थल मंदिर परिसर में मेवाड़ महामण्डलेश्वर महंत रास बिहारी शरण ने विमोचन किया। विशिष्ट अतिथि डॉ. मुकेश कटारा, सत्यनारायण गौड़ एवं रमेशचन्द्र शर्मा थे। अध्यक्षता डॉ. अनिल शर्मा ने की। इस अवसर पर राजेन्द्र प्रसाद सनाढ्य, पंकज सनाढ्य, रामलाल गौड़, बाबूलाल शर्मा, कमांडर शलभ शर्मा भी उपस्थित थे।

लक्षिता मिस फ्रेशर, खुशी मिस फेयरवेल

उदयपुर। बीएन विवि की कन्या इकाई के तीनों संकायों में मिस फ्रेशर, मिस फेयरवेल कार्यक्रम आयोजित किया गया। इनमें छात्राओं ने रंगारंग प्रस्तुतियां दी। मुख्य अतिथि अधिष्ठाता डॉ. प्रेमसिंह रावलोत ने कहा ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों के मध्य आपसी समझ, सौहार्द्र का वातावरण बनता है। छात्र कल्याण सह अधिष्ठाता डॉ. माधवी राठौड़ ने बताया कि विद्यार्थियों ने विभिन्न चक्रों से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर कार्यक्रम रंगारंग बनाया। आयोजन समिति के समन्वयक डॉ. पंकज मरमट, डॉ. राजराजेश्वरी सारंगदेवोत, डॉ. मोनिका राजावत ने बताया कि मिस फ्रेशर का खिताब लक्षिता नागदा व मिस फेयरवेल का खुशी टांक ने अपने नाम किया। मिस फ्रेशर प्रथम रनरअप पायल पटेल व द्वितीय रूचिता सोनाव रही। मिस फेयरवेल प्रथम रनरअप कृष्णा गहलोत, द्वितीय रनरअप अनुशा शर्मा रहीं।

सीए डॉ. चपलोत बने जीतो एपेक्स के सचिव

उदयपुर। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन में उदयपुर के सीए डॉ. महावीर चपलोत को जीतो एपेक्स का राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया गया। वह 2024 से 2026 तक इस पद पर रहेंगे। यह पहली बार है, जब जीतो एपेक्स के राजस्थान से चुने गए किसी निदेशक को राष्ट्रीय सचिव पद पर नियुक्त किया गया है। जीतो के पूर्व डायरेक्टर राजकुमार फत्तावत एवं निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष अनिल बोहरा ने बताया कि सीए चपलोत जैन जागृति सेंटर उदयपुर की संपोषण योजना के ब्रांड एम्बेसडर भी है।

उपभोक्ता सुरक्षा संगठन सलाहकार मंडल का गठन

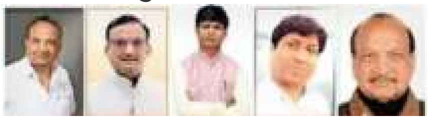

उदयपुर। उपभोक्ता सुरक्षा संगठन के पांच सदस्यीय सलाहकार मंडल का गठन राष्ट्रीय अध्यक्ष, डॉ. राजश्री गांधी के नेतृत्व में हुआ। मंडल में डॉ. नरेन्द्रसिंह राठौड़, डॉ. शंकर बामनिया, पवन जैन, केके गुप्ता और नक्षत्र तलेसरा को शामिल किया गया है। संगठन का उद्देश्य उपभोक्ताओं की जागरूकता बढ़ाना और उनकी समस्याओं का समाधान करना है।

जीवन रतन स्कूल में देवासी का अभिनंदन

उदयपुर। जीवन रतन मॉडर्न स्कूल में पंचायती राज विभाग राज्य मंत्री ओटाराम देवासी का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर स्कूल के डायरेक्टर मंगलाराम देवासी ने बताया कि वे विद्यालय के बच्चों से मिले और आगे कैसे प्रगति कर सकते हैं इस बारे में चर्चा की। इस अवसर पर देवासी समाज ने ओटाराम देवासी का अभिनंदन किया। एडवोकेट जोधाराम देवासी एवं नारायणलाल देवासी भी इस मौके पर उपस्थित रहे।

सिंघानिया विवि का दीक्षांत समारोह

उदयपुर। 2024 बैच के स्नातकों के लिए सर पदमपत सिंघानिया विश्वविद्यालय का ग्यारहवां दीक्षांत समारोह गत दिनों संपन्न हुआ। अध्यक्षता विश्वविद्यालय के चेयरपर्सन डॉ. निधिपति सिंघानियां ने की। मुख्य अतिथि यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष प्रो. वेद प्रकाश ने उच्च शिक्षा संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और परिणाम आधारित शिक्षा पर जोर दिया। इस अवसर पर अभिनेता अन्नू कपूर, सामाजिक कार्यकर्ता सुनील शास्त्री तथा खिलाड़ी दिलीप कुमार टिर्की मौजूद रहे। अतिथियों को अपने-अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए मानद उपाधि से भी सम्मानित किया गया। समारोह मे डॉ. राघवपत सिंघानिया प्रबंध निदेशक जेके सीमेंट लिमिटेड, कर्नल (डॉ.) संजय सिन्हा उपाध्यक्ष और शिक्षा प्रमुख, एजुकेशन वर्टिकल जेके सीमेंट लिमिटेड भी शामिल हुए। अध्यक्ष प्रो. डॉ. पृथ्वी यादव ने विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण उपलब्धियों के बारे में बताया। डॉ. राघवपत सिंघानिया ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ बच्चों में कौशल विकास भी जरूरी है।

हिंदुस्तान जिंक बनी पहली कंपनी

उदयपुर। देश की सबसे बड़ी और दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी एकीकृत जिंक उत्पादक कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड अपनी चौथी क्लाटमेट एक्शन रिर्पोट लॉन्च करने वाली देश में धातु और खनन क्षेत्र की पहली कंपनी बन गई है। इंटरनेशनल सस्टेनेबिलिटी स्टेंडर्ड बोड्र्स द्वारा जारी इंटरनेशनल फाइनेंशियल रिर्पोटिंग स्टेंडर्ड एस 2 के लिए यह रिपोर्ट हिंदुस्तान जिंक की जलवायु पारदर्शिता और उत्तरदायित्व के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। चेयरपर्सन प्रिया अग्रवाल हेब्बार ने कहा कि हिंदुस्तान जिंक में सस्टेनेबिलिटी हमारे अस्तित्व के मूल में है। हमारे बिजली उपयोग में रिन्युएबल एनर्जी को बढ़ाने, बैटरी चलित वाहनों के संचालन, जल प्रबंधन सुनिश्चित करने जैसे प्रभावशाली परिवर्तन लाने से हमारा स्वच्छ भविष्य की दिशा में ठोस प्रयास दिखाता है।

डॉ. अरविंदर कम्युनिकेशन में टॉप स्कोरर

उदयपुर। अर्थ डायग्नोस्टिक्स के सीईओ डॉ. अरविंदर सिंह ने हाल ही में स्वीडन के प्रेजेंटेशन मास्टरी से कम्युनिकेशन और प्रेजेंटेशन कौशल में एक महत्वपूर्ण प्रमाण पत्र हासिल किया है। इस सर्टिफिकेट को हासिल करने के लिए दुनियाभर से 431 प्रतिभागियों ने भाग लिया। डॉ. सिंह ने इसमें टॉप स्कोरर रहकर फिर से भारत का नाम रोशन किया। डॉ. सिंह तीन विश्व रिकॉर्ड धारक है। और दो बार अंतरराष्ट्रीय टेडएक्स में अपने विचार साझा करने के लिए आमंत्रित हो चुके हैं।

एक्मे फिनट्रेड इंडिया का वित्तीय लाभ घोषित

उदयपुर। एक्मे फिनट्रेड इंडिया लिमिटेड ने 30 सितम्बर 2024 को समाप्त अर्द्धवार्षिकी के वित्तीय परिणाम घोषित किए। इस अवधि में कंपनी के कुल परिचालन राजस्व में 35.25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। पहले छमाही में कंपनी का कुल राजस्व 45.35 करोड़ रहा, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष की समान अवधि में यह 33.53 करोड़ था। कंपनी के कर पश्चात शुद्ध लाभ में भी 152.07 प्रतिशत की महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज हुई है। इस अवधि में कर पश्चात शुद्ध लाभ 16.75 करोड़ रहा, जो पिछले वित्तीय वर्ष की समान अवधि में 6.65 करोड़ था। कम्पनी के प्रबंध संपत्ति (एयूएम) में 24.51 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। एयूएम बढ़कर 495.41 करोड़ तक पहुंच गया, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष की समान अवधि में यह 397.87 करोड़ था। एक्मे फिनट्रेड के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर निर्मल कुमार जैन ने बताया कि हाल ही में नवरात्रि में कंपनी ने अपनी नौ नई शाखाओं की शुरुआत की है।

महिला समृद्धि बैंक दो राष्ट्रीय अवार्ड से सम्मानित

उदयपुर। उदयपुर के दी उदयपुर महिला समृद्धि अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड ने सहकारिता क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर दो अवार्ड प्राप्त किए हैं। बैंक अध्यक्ष डॉ. किरण जैन ने बताया कि प्रतिष्ठित मैगजीन बैंकिंग फ्रंटियर मुम्बई की ओर से गत दिनों लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व रेलमंत्री सुरेश प्रभु व विशिष्ट अतिथि भारतीय रिजर्व बैंक के निदेशक सतीश मराठे ने बेस्ट आईटी हैड अवार्ड और बेस्ट क्रेडिट इनसेटिव्ह अवार्ड से निपुण चित्तौड़ा को सम्मानित किया। इस अधिवेशन में महिला समृद्धि बैंक की ओर से बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनोद चपलोत ने भी भाग लिया। चपलोत ने बताया कि बैंकिंग फ्रंटियर हर वर्ष देश के 1530 अर्बन को-ऑपरेटिव बैंकों के अतिरिक्त केन्द्रीय एवं स्टेट सहकारी बैंकों के मध्य नोमिनेशन प्राप्त कर उनकी प्रगति और कार्यों के आधार पर उन्हें सम्मानित करती है। महिला समृद्धि बैंक ने वर्ष 2023-24 में अपने ग्राहकों से निरंतर सम्पर्क करते हुए ऋण हेतु नई-नई योजनाएं बनाकर कम से कम शुल्क पर ऋण उपलब्ध कराए।

होटल एसोसिएशन का शपथ समारोह

उदयपुर। होटल एसोसिएशन का शपथ ग्रहण समारोह एवं कॉन्क्लेव गत दिनों संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि नाथद्वारा विधायक विश्वराजसिंह मेवाड़ थे। अध्यक्षता शहर विधायक ताराचंद जैन ने की। विशिष्ट अतिथि उपमहापौर पारस सिंघवी रहे। अतिथियों ने नवगठित कार्यकारिणी के अध्यक्ष सुदर्शनसिंह देव कारोही, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश अग्रवाल, उपाध्यक्ष यशवर्द्धनसिंह राणावत, सचिव उषा शर्मा, कोषाध्यक्ष जॉय सुहालका सहित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। अध्यक्ष कारोही ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्वाध्यक्षों अम्बालाल बोहरा, महेन्द्र सुहालका, मनीष गलुण्डिया, भगवान वैष्णव, धीरज दोशी, विश्वविजय सिंह व दिवंगत पूर्वाध्यक्षों के परिजनों विनीत दमानी, कमल भंडारी को सम्मानित किया गया।

एजुकेशन वर्ल्ड रैंकिंग में सीपीएस प्रथम

उदयपुर। दिल्ली में एजुकेशन वर्ल्ड द्वारा आयोजित सेमिनार में सेंट्रल पब्लिक सी. सैकण्डरी स्कूल उदयपुर में पुन: अव्वल जबकि प्रदेश में द्वितीय स्थान पर रहा। संस्थान की चेयरपर्सन अलका शर्मा ने बताया कि यह उनके 36 वर्षों के अथक परिश्रम का परिणाम है। सम्पूर्ण भारत में स्कूल का स्थान सातवां रहा। दिल्ली में आयोजित समारोह में इसके लिए अलका शर्मा को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर निदेशक अनिल शर्मा, दीपक शर्मा तथा प्राचार्य पूनम राठौड़ भी उपस्थित थे।

जोधाणा मिष्ठान्न का शुभारंभ

उदयपुर। सूरजपोल सर्किल पर गत दिनों खुले मिठाइयों के एक भव्य शोरूम से शहरवासी जोधपुर की मनभावन मिठाइयों का स्वाद ले सकेंगे। जोधाणा मिष्ठान्न भंडार का उद्घाटन लक्ष्यराजसिंह मेवाड़ ने किया। इस मौके पर जिला एवं पुलिस प्रशासन के बड़े अधिकारी भी मौजूद थे। जोधाणा स्वीट परिवार के सवाईसिंह राजपुरोहित ने बताया कि आतंकवाद विरोधी मोर्चा के अध्यक्ष मनिन्दर जीतसिंह बिट्टा, पोकरण विधायक प्रतापपुरी, कनाना मठाधीश महंत परशुराम गिरी, उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, केबिनेट मंत्री जोगेश्वर गर्ग, पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख, अडानी ग्रुप के जीएम आलोक चतुर्वेदी सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता, शिक्षाविद् व जिलाधिकारियों आदि की गरिमामय उपस्थिति रही। उन्होंने बताया कि यहां विविध प्रकार की ताजा व शुद्ध मिठाइयां उचित दर पर उपलब्ध होंगी।

बड़ाला क्लासेज: विद्यार्थियों का राज्यपाल से शैक्षिक संवाद

उदयपुर। बड़ाला क्लासेज के विद्यार्थियों ने चंडीगढ़ में पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाबचंद कटारिया से मुलाकात की। 150 छात्रों और प्रतिनिधियों ने राज्यपाल भवन का दौरा किया और अपनी शैक्षणिक उपलब्धियों और भावी योजनाओं को साझा किया। इस विशेष मुलाकात में बड़ाला क्लसेज के निदेशक सीए राहुल बड़ाला ने छात्रों की उपलब्धियों और उनके शिक्षा के प्रति समर्पण को राज्यपाल के सामने प्रस्तुत किया। राज्यपाल कटारिया ने इन भावी सीए के समर्पण और लगन की सराहना करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। बड़ाला क्लासेज के निदेशक सीए सौरभ बड़ाला व सीए निशांत बड़ाला ने बताया कि राज्यपाल से भेंट के दौरान सीए हर्षल गांधी, सीए अर्पित राजावत आदि मौजूद रहे।

श्रीमाली समाज क्रिकेट कप पर दवे एक्सपोर्ट्स का कब्जा

उदयपुर। श्रीमाली समाज क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल में टीम दवे एक्सपोर्ट्स ने टीम गरुड़ा को शिकस्त देकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। फील्ड क्लब मैदान पर हुए मैच में टीम दवे ने 20 ओवर में 117 रन बनाए। टीम गरुड़ा 20 ओवर में 107 रन ही बना पाई। न्यायाधीश महेन्द्र दवे, समाज अध्यक्ष दिग्विजय श्रीमाली, जगदीशराज श्रीमाली, दिनेश श्रीमाली, सुनील श्रीमाली ने विजेता, उपविजेता को ट्रॉफी प्रदान की। मैन ऑफ द सीरिज निर्मल, बेस्ट बेट्समैन राहुल जोशी, बेस्ट बॉलर मंथन, बेस्ट फील्डर पुनीत रहे।

डॉ. माहुर को अंतरराष्ट्रीय शिक्षा सम्मान

उदयपुर। अंतरराष्ट्रीय रोमा सांस्कृतिक विश्वविद्यालय की ओर से अंतरराष्ट्रीय जनजाति संस्कृति समारोह 2024 जयपुर के जवाहर कला केन्द्र में हुआ। समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय उदयपुर की डॉ. मीनाक्षी माहुर को आईआरसीयू अंतरराष्ट्रीय शिक्षा सम्मान से केन्द्रीय जनजाति मंत्री दुर्गादास उइके द्वारा सम्मानित किया गया।

राजेश अध्यक्ष

उदयपुर। गुजराती समाज की साधारण सभा की बैठक में वर्तमान कार्यकारिणी का वर्ष 2026 तक दो वर्ष का कार्यकाल बढ़ाया गया। इसमें अध्यक्ष राजेश बी मेहता, सचिव दिनेश पटेल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिलीप सोनी, उपाध्यक्ष नितिन पटेल, गिरीश पटेल, कोषाध्यक्ष जयेश जोशी, सहसचिव अतुल मकवाणा, मुकेश ध्रुवाड़ सहित सदस्य भास्कर रावल, नरेश पटेल, कीर्ति पटेल, हरीश दवे, केतन रामानुज, जयेश गांधी, रमाकांत त्रिवेदी व समीर पटेल मनोनीत किए गए।

भगवान महावीर पर राज्य स्तरीय निबंध स्पर्धा

उदयपुर। भगवान महावीर के 2550वें निर्वाण कल्याणक वर्ष के अवसर पर राजस्थान शिक्षा विभाग भगवान महावीर पर राज्य स्तरीय निबंध स्पर्धा का आयोजन कर रहा है। माध्यमिक शिक्षा राजस्थान (बीकानेर) के निदेशक आशीष्र मोदी द्वारा जारी आदेशानुसार कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थी इसमें भाग लेंगे। 1 से 7 दिसम्बर के मध्य यह निबंध लेखन स्पर्द्धा होगी। यह जानकारी श्रमण डॉ. पुष्पेन्द्र मुनि ने दी।

वर्ल्ड गिनीज डे पर सूक्ष्म पुस्तिका

उदयपुर। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड डे पर गत दिनों सूक्ष्म कृति शिल्पकार चन्द्रप्रकाश चित्तौड़ा ने 74 पृष्ठ की 1.2 सेमी की एक पुस्तिका बनाई, जिसमें इस संस्था के इतिहास और उद्देश्य का वर्णन है। इन्होंने 1.1 मिमी की डायरी भी बनाई है। जिसे वे गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराने के लिए पेश करेंगे।

बैडमिंटन खिलाड़ी पादुकोण ने किया एकेडमी का निरीक्षण

उदयपुर। पूर्व भारतीय बेडमिंटन खिलाड़ी और कोच प्रकाश पादुकोण ने देशभर में बेडमिंटन को बढ़ावा देने के लिए उदयपुर की चावत स्पोर्ट्स एकेडमी में पादुकोण स्कूल की शुरुआत की है। गत दिनों उन्होंने एकेडमी का निरीक्षण किया। खिलाड़ियों और अभिभावकों से बातचीत की। प्रकाश पादुकोण ने कहा कि आज के समय में खिलाड़ी का मेहनत करना तो जरूरी है। साथ ही सफलता के लिए अच्छा कोच और सुविधाएं भी जरूरी है।

बच्चो ने किया सिटी पैलेस का भ्रमण

उदयपुर। समिधा संस्थान के निराश्रित बच्चों को राजमहल का भ्रमण कराया गया। इस मौके पर मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार की सदस्या निवृत्ति कुमारी मेवाड़ मौजूद रही। उन्होंने समिधा संस्थान की स्मारिका कौस्तुभम का विमोचन भी किया।

अन्नकूट-भजन संध्या

उदयपुर। राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद कार्यालय में भव्य अन्नकूट का कार्यक्रम में इस्कॉन के युवा संत श्रीहरि कृपा दास महाराज ने अपने भजनों से समा बांधा। अखिल भारतीय सहसंगठन मंत्री भगवान सहाय ने वनवासी कल्याण परिषद के प्रकल्पों की जानकारी दी। अतिथियों का स्वागत अध्यक्ष चन्द्रेश बापना व धन्यवाद ज्ञापन महानगर सचिव संदीप पानेरी ने किया।

वैद्य शोभालाल औदिच्य को धन्वंतरि पुरस्कार

उदयपुर। वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्साधिकारी वैद्य (डॉ.) शोभालाल औदिच्य को राज्य स्तरीय धन्वतरि पुरस्कार जयपुर में प्रमुख शासन सचिव भवानीसिंह देथा ने प्रदान किया। पुरस्कार के माध्यम से उनकी 30 वर्षों की अथक सेवा, उत्कृष्टता और आयुर्वेद के प्रति समर्पण को सराहा गया।

विजयलक्ष्मी कैट की जिलाध्यक्ष

उदयपुर। राष्ट्रीय संगठन कैट की स्टेट कोऑर्डिनेटर चारु अग्रवाल ने कैट वूमेन विंग की जिलाध्यक्ष के रूप में विजयलक्ष्मी गलूंडिया की नियुक्ति की। कैट महिला उद्यमियों, व्यवसायियों और पेशेवर महिलाओं के लिए एक सशक्त मंच है, जो उनके व्यापार को बढ़ावा देने, ज्ञान साझा करने और सरकारी नीतियों की जानकारी देने में सहायक है।

संवेदना/श्रद्धांजलि

उदयपुर। श्री हरिशंकर जी पालीवाल का 1 नवम्बर को आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पत्नी श्रीमती नर्बदा, पुत्र विकास व जय पालीवाल सहित, पौत्र, भाई-भतीजों व भानजा-भानजी सहित वृहद परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती कमलादेवी जी उपाध्याय धर्मपत्नी स्व. ओमप्रकाश जी उपाध्याय का 4 नवम्बर को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त पुत्र हेमंत, पुत्रियां श्रीमती अरुणा शर्मा व आरती शर्मा तथा पौत्र-पौत्रियों का संपन्न परिवार छोड़ गई हैं।

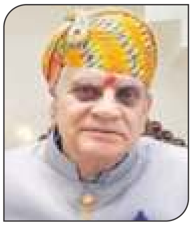

उदयपुर। हिंदुस्तान जिंक से सेवानिवृत्त श्री हरिसिंह जी सोलंकी का 4 नवम्बर को देहांत हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती गीता कुंवर, पुत्र रोहित सिंह, पौत्र-पौत्री व भाई-भतीजों का समृद्ध व संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री सुरेश जी तोषनीवाल का 23 अक्टूबर को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती शीतलदेवी, पुत्र अभिषेक, पुत्री श्रीमती पूजा पांड्या व मान्या, पौत्र-पौत्री, भाई-भतीजों सहित संपन्न व समृद्ध परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री किशनलाल जी तेली का 4 नवम्बर को देहांत हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल माता-पिता मांगीबाई-गणेशलाल जी, धर्मपत्नी तुलसीदेवी, पुत्री हिना व भाई-भतीजों, भानेज-भानजियों का संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। युवा उद्यमी एवं समाजसेवी श्री पीयूष जी सरूपरिया का 1 नवम्बर को आकस्मिक निधन हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल माता-पिता कमलादेवी जी-शांतिलाल जी सरूपरिया, धर्मपत्नी श्रीमती स्वाति देवी, पुत्रियां तृषा व अद्विका सहित बहिन-बहनोई, ताऊजी-ताईजी एवं भानेज-भानजी सहित संपन्न एवं समृद्ध परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती सावित्री देवी जी शर्मा (उपाध्याय) का 8 नवम्बर को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त पुत्र राजेन्द्र, दिनेश व डॉ. भूपेन्द्र शर्मा सहित पौत्र-पौत्रियों एवं भाई भतीजों का वृहद परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री खेमराज जी डांगी का 23 अक्टूबर को निधन हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त धर्मपत्नी श्रीमती वसी बाई पुत्र पन्नालाल व प्रकाश, पुत्रियां श्रीमती अनिता, कमला देवी, चेतना देवी तथा पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों व अम्बाबाई-कमलजी (साला-सलहज) का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री शांतिलाल जी दलाल का 19 अक्टूबर को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त धर्मपत्नी श्रीमती सुशीला देवी, पुत्रियां श्रीमती सविता मेहता, नीता बोहरा, प्रीति बोहरा, श्वेता भट्ट, अंकिता मेहता व स्मिता मेहता सहित दोहित्र-दोहित्रियों एवं भाई-भतीजों का संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। महिला मंडल की पूर्व प्राचार्य श्रीमती विमला जी कोठारी का 15 अक्टूबर को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त पति डॉ. कुंदनलाल कोठारी, पुत्र पवन व पराग, पुत्रियां श्रीमती रेणु धाकड़, लीना जैन तथा पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा घर संसार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। नगर परिषद उदयपुर के पूर्व उपसभापति एवं भाजपा नेता श्री वीरेन्द्रजी बापना का 28 अक्टूबर को आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त धर्मपत्नी श्रीमती नलिनी देवी, पुत्रियां श्रीमती शिवाली बोथरा, मिताली जैन, अनुश्री सामर, दोहित्र-दोहित्रियों, भाई-भतीजों का संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। स्वतंत्रता सेनानी स्व. कनक मधुकरजी के ज्येष्ठ पुत्र पत्रकार श्री जगदीश चन्द्र जी अग्रवाल का 16 नवम्बर को देहावसान हो गया। वे 83 वर्ष के थे। वे अपने पीछे भ्राता डॉ. नवनीत अग्रवाल, पुत्र दीपक, पुत्रियां डॉ. मनीषा, डॉ. ऋतु व ममता अग्रवाल तथा पौत्र-पौत्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन पर स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकार संगठन, पत्रकार संगठनों व विभिन्न राजनैतिक दलों ने संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

उदयपुर। पूर्व पार्षद एवं राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सेवादल के संयोजक श्री गोपालराय जी नागर की धर्मपत्नी श्रीमती माधुरीजी नागर का 10 नवम्बर को असामयिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पति सहित पुत्र पुलकित, प्रसंग, सार्थक, श्वसुर डॉ. सुरेन्द्र राय नागर, सास डॉ. सुनीता, मधुबाला, जेठ-जेठानियों, देवर-देवरानियों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं। उनके निधन पर पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. गिरिजा व्यास, गोपाल कृष्ण शर्मा, लालसिंह झाला, कचरूलाल चौधरी सहित कांग्रेस व भाजपा नेताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

उदयपुर। श्रीमती मनोरमा जी धुपिया धर्मपत्नी श्री संग्रामसिंह जी धुपिया का 3 नवम्बर को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पति, पुत्र दिलीप सिंह, पुत्रियां श्रीमती संगीता कावड़िया, कल्पना जैन, अनिता चपलोत सहित, पौत्र-पौत्री, दोहित्र-दोहित्रियों, भाई-भतीजों व जेठ-जेठानियों का वृहद संपन्न परिवार छोड़ गई हैं।

Meenakshi
GROUP

Meenakshi
Property Dealer

1, Reti Stand, Central Area, Udaipur (Raj.)
Phone : 0294-2486213, Fax : 0294-2583701
Website : www.meenakshiproperty.com E-mail : meenakshi.property@gmail.com

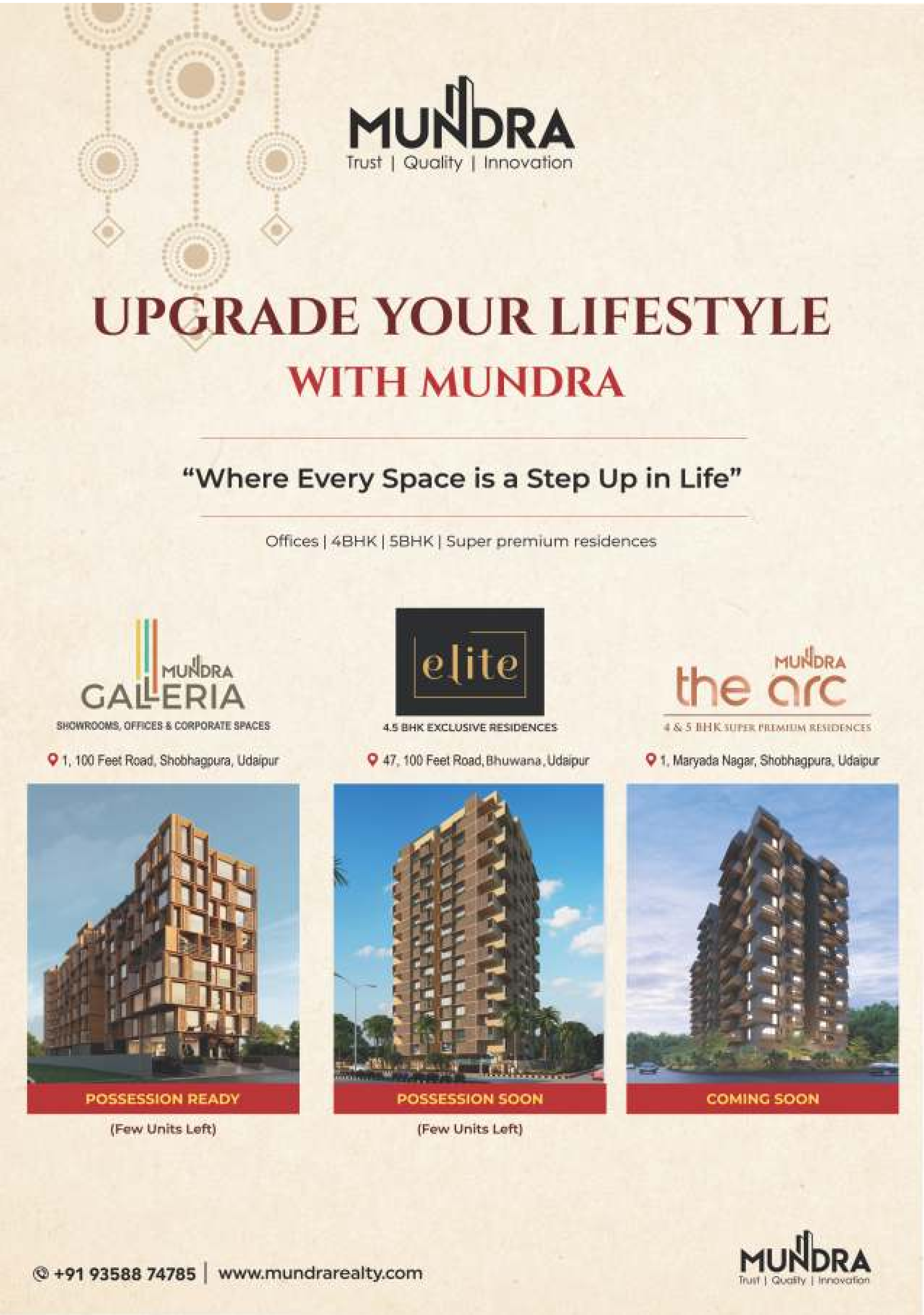

MUNDRA
Trust | Quality | Innovation
UPGRADE YOUR LIFESTYLE
WITH MUNDRA
"Where Every Space is a Step Up in Life"
Offices | 4BHK | 5BHK | Super premium residences
MUNDRA GALLERIA
SHOWROOMS, OFFICES & CORPORATE SPACES
1, 100 Feet Road, Shobhagpura, Udaipur
POSSESSION READY
(Few Units Left)
elite
4.5 BHK EXCLUSIVE RESIDENCES
47, 100 Feet Road, Bhuwana, Udaipur
POSSESSION SOON
(Few Units Left)
MUNDRA the arc
4 & 5 BHK SUPER PREMIUM RESIDENCES
1, Maryada Nagar, Shobhagpura, Udaipur
COMING SOON
+91 93588 74785 | www.mundrarealty.com
MUNDRA
Trust | Quality | Innovation

vedanta
transforming for good
HINDUSTAN ZINC
Zinc & Silver of India
आपकी हर खुशी
में, ज़िंक है जरूरी
हिंदुस्तान ज़िंक की ओर से दीपोत्सव की हार्दिक बधाई एवं
सुख और समृद्धि की मंगलकामनाएं
स्टील को जंग से बचाने, भोजन में पोषण देने, बुनियाद से बुलंदी के इंफ्रास्ट्रक्चर को सहारा देने, वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन में महत्वपूर्ण योगदान देने, सभी में जरूरी भूमिका निभाता है ज़िंक।
भारत की एकमात्र और दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी एकीकृत ज़िंक उत्पादक कंपनी के रूप में, हिंदुस्तान ज़िंक को देश की वृद्धि और समृद्धि में योगदान देने पर गर्व है। हमारी सीएसआर पहल के माध्यम से, राजस्थान और उत्तराखंड के ग्रामीण समुदायों में 20 लाख लोगों लाभान्वित कर सशक्त बनाते हैं। हमारी हर पहल समुदायों को मजबूत करती है और उन्हें उज्जवल भविष्य की राह दिखाती है।
Yashad Bhawan, Udaipur - 313 004, Rajasthan, INDIA. Contact No: +91 294-6604000-02 www.hzlindia.com CIN L27204RJ1966PLC001208
https://www.linkedin.com/company/hindustanzinc/ https://www.facebook.com/HindustanZinc/ https://twitter.com/Hindustan_Zinc https://www.instagram.com/hindustan_zinc/

प्रकाशन की तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 22 अंक 8, Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2024-26 Posting Date: 27th-28th of Every Month RNI No. RAJHIN/2003/9297 Posting Office: Chetak Circle, Udaipur
'प्रत्यूष' पत्रिका डिलिवर्ड न होने की स्थिति में इस पते पर लौटाएं: पंकज कुमार शर्मा, 2, रक्षाबंधन, मेहतों का पाड़ा, धानमण्डी, उदयपुर (राज.) 313 001